सीएम थलपति ने कहा- नीट परीक्षा.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

फिल्म 'रणबाली' में पति विजय देवरकोंडा... 11

वर्ष - 02, अंक - 110 | गाजियाबाद / गुरूवार 23 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

सीजेपी बोली-बात करना है तो सरकार जंतर-मंतर आए

दिल्ली के 16 मेट्रो स्टेशन बंद, बंगाल से 2 हजार जवान बुलाए गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के बीच सरकार ने दूसरी बार बातचीत की पेशकश की है। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि जेपी नड्डा उनसे बात करना चाहते हैं और उन्हें उनके आवास पर बुलाया था लेकिन पार्टी ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। उधर, सुरक्षा के कारणों से दिल्ली के 16 मेट्रों स्टेशन बंद कर दिए गए है। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन का आज 33वां दिन है। यहां बुधवार सुबह से हजारों प्रदर्शनकारी जुटे हैं। इनमें 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान पुलिस की लाठियों, आंसू गैस के गोलों का शिकार

हुए लोग भी पहुंचे हैं। इधर दिल्ली पुलिस ने संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा पर अलग-अलग थानों में 10 एफआईआर दर्ज की है। प्रदर्शनकारियों पर जवानों पर जानलेवा हमला, पथराव, तोड़फोड़ और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप हैं। सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह मंगलवार देर रात गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में सोनम वांगचुक से मिले। वांगचुक 28 जून से अनशन पर हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश पर उन्हें मंगलवार को सफदरजंग अस्पताल से मेदांता में भर्ती कराया गया है।

अडानी को मिलेगी एयरलाइन शुरू करने की इजाजत!

इंडिगो और एयर इंडिया का दबदबा तोड़ने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार एयरपोर्ट ऑपरेटर्स को एयरलाइन शुरू करने की अनुमति दे सकती है। इससे अडानी ग्रुप और जीएमआर एयरपोर्ट्स के एयरलाइन सेक्टर में उतरने का रास्ता साफ हो सकता है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस बारे में पॉलिसी में बदलाव करने पर विचार कर रही है। एयरलाइन सेक्टर में अभी इंडिगो और एयर इंडिया का दबदबा है जिसे सरकार तोड़ना चाहती है। इंडिगो की भारतीय बाजार में हिस्सेदारी 66.3

फीसदी पहुंच चुकी है। मौजूदा नियमों के तहत एयरपोर्ट ऑपरेटर किसी भी एयरलाइन में 10 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी नहीं रख सकते। लेकिन अब इसे बदला जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय में इस पर विचार-विमर्श चल रहा है। किसी भी छूट के लिए कानून मंत्रालय और कैबिनेट की मंजूरी की जरूरत होगी। ओनरशिप से जुड़ी पाबंदियों में ढील मिलने से अडानी ग्रुप और जीएमआर एयरपोर्ट्स को एयरलाइन का मालिक बनने की इजाजत मिल जाएगी। अडानी ग्रुप अभी मुंबई एयरपोर्ट और सात अन्य एयरपोर्ट चलाता है।

कश्मीर में आतंकी हमला

हेड कॉन्स्टेबल की मौत

● अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा में तैनात थे, द रेजिस्टेंस फ्रंट ने जिम्मेदारी ली

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर स्थित अनंतनाग जिले के लाल चौक इलाके में बुधवार को आतंकियों ने हमला किया। इसमें हेड कॉन्स्टेबल (35 साल) की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक दोपहर करीब 12.30 बजे आतंकियों ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर अचानक फायरिंग की। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलियां चलीं। इस दौरान हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी जख्मी हो गए। उन्हें तुरंत सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हमले के बाद आतंकी भाग गए। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली है। जिस जगह फायरिंग हुई, वह शहर का मुख्य बाजार है।

सभी रास्तों पर नाकेबंदी, आतंकियों की तलाश तेज

घटना के तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे लाल चौक और आसपास के इलाके की घेराबंदी कर दी। अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर भेजे गए और आतंकियों की तलाश में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इलाके में आने-जाने वाले सभी रास्तों पर नाकेबंदी कर वाहनों और लोगों की गहन जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि हमले में कितने आतंकी शामिल थे और फायरिंग के बाद वे किस दिशा में भागे। अधिकारियों ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि गोलीबारी बुधवार को दोपहर करीब 12.30 बजे अनंतनाग के लाल चौक पर हुई। उन्होंने बताया कि अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात हवलदार आशिक हुसैन हमले में घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई।

पूर्व अग्निवीरों को सीएपीएफ में मिलेगा 50 फीसदी आरक्षण

● असम राइफल्स में भी मौका देने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि

पूर्व अग्निवीरों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और असम राइफल्स में कॉन्स्टेबल (जनरल ड्यूटी) और राइफलमैन के पदों पर 50 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। एक लिखित सवाल के जवाब में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि सरकार ने इन पदों के लिए पूर्व-अग्निवीर नाम की एक नई कैटेगरी बनाई है। इसमें 50 प्रतिशत वैकेंसी का प्रावधान है, तय अधिकतम उम्र सीमा में तीन साल की छूट है और पूर्व-अग्निवीरों के पहले बैच के उम्मीदवारों के लिए तय उम्र सीमा से पांच साल की अतिरिक्त छूट है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि सीएपीएफ कॉन्स्टेबल (जनरल ड्यूटी) और राइफलमैन पदों के लिए अप्लाई करने वाले पूर्व-अग्निवीरों को फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट में छूट रहेगी।

गृह मंत्रालय ने नियमों में किया बदलाव

गृह मंत्रालय ने दिसंबर 2025 में एक नोटिफिकेशन जारी करके बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, जनरल ड्यूटी कैडर (नॉन-गजेटेड) भर्ती नियम, 2015 में बदलाव किया था। इसके तहत कॉन्स्टेबल (जनरल ड्यूटी) के पदों पर पूर्व-अग्निवीरों के लिए कोटा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। नोटिफिकेशन में कहा गया था, सीधी भर्ती (50 प्रतिशत सहित) के जरिए हर भर्ती वर्ष में पूर्व-अग्निवीरों के लिए वैकेंसी रिजर्व की जाएंगी।

धर्मेन्द्र प्रधान इस्तीफा दें, उसके बाद चर्चा करेंगे

● राज्यसभा में खड़गे ने रखी अपनी बात, मोदी सरकार को घेरा ● राहुल गांधी समेत कांग्रेस सांसद काले कपड़े पहनकर पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को विपक्ष ने कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थकों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर हंगामा किया। हंगामे के बीच लोकसभा को गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। उधर राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, वे सदन में नीट पेपर लीक मामले में चर्चा तभी चाहते हैं जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दे दें। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि सरकार पिछले तीन दिनों से लगातार नीट पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा की पेशकश कर रही है। लेकिन विपक्ष मुद्दे पर राजनीति कर रहा है। राहुल गांधी समेत अन्य विपक्षी सांसद बुधवार को काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे। विपक्षी पार्टियां 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान छात्रों पर पुलिस कार्रवाई, पेपर लीक का विरोध कर रही हैं।

विपक्ष युवाओं को राजनीतिक हथियार न बनाए: राजनाथ

राजनाथ सिंह ने कहा- दिल्ली में जारी विरोध-प्रदर्शन गंभीर चिंता का विषय हैं। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश के छात्रों और युवाओं को कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए एक राजनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे हैं। हमारे छात्रों की हर चिंता को सुनना और उसका समाधान करना हमारी जिम्मेदारी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भारत के जागरूक, परिपक्व और विवेकशील युवा ऐसे भ्रामक प्रयासों को भली-भांति समझते हैं और वे प्रगति, विकास तथा राष्ट्रनिर्माण के मार्ग को ही चुनेंगे।

'कॉकरोचों' पर लाठीचार्ज, सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी समर्थकों पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया है। बुधवार को एक वकील ने सीजेआई की अगुआई वाली 3 जजों की बेंच के

सामने जनहित याचिका लगाई थी। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'हमें वीडियो देखने में कोई रुचि नहीं है। हमारे पास उन्हें देखने का समय नहीं है।' जब वकील ने छात्रों के साथ मारपीट के वीडियो देखने का दूसरी बार अनुरोध किया तो सीजेआई ने कहा, 'हमारा और अपना समय बर्बाद मत कीजिए।' बता दें कि 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा था, कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं।

पटना में उग्र हुए छात्र, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

● बनारस में कांग्रेसियों को उठाया, भोपाल में विधायकों ने काली पट्टी बांधी

पटना (एजेंसी)। नीट पेपर लीक के विरोध में दिल्ली के बाद देशभर में प्रदर्शन शुरू हो गए है। बुधवार को पटना पुलिस ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किया। जवाब में भाजपा ने भी मोर्चा खोल दिया है। जबकि, यूपी के बनारस में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों को पुलिस उठाकर ले गई। इधर, मध्य प्रदेश में विधानसभा से लेकर सड़कों तक विरोध देखने को मिला। कांग्रेस के विधायक काली पट्टी बांधकर विधानसभा पहुंचे। उधर, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकभवन का घेराव किया। यूपी में लखनऊ समेत कई शहरों में सपा कार्यकर्ताओं ने पेपर लीक और दिल्ली में प्रदर्शनकारियों के साथ पुलिस की मारपीट के खिलाफ प्रदर्शन किया। यूपी के ही नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद दिल्ली में 40 घंटे से धरने पर बैठे हुए हैं।

'छात्रों पर कार्रवाई न करने का भरोसा दे सरकार, खत्म कर दूंगा अनशन', सोनम वांगचुक ने मेदांता अस्पताल से लिखी चिट्ठी

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने मोदी सरकार को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा है कि अगर छात्रों पर कार्रवाई न करने का भरोसा मिले तो अपना अनशन खत्म करने को तैयार हूं। सोनम वांगचुक ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह के नाम चिट्ठी लिखी है।

'पिछले एक दशक में 152 पेपर लीक हुए', राहुल गांधी बोले- शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग जायज

नईदिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी और विपक्ष के तमाम नेताओं के सड़क पर उतरने की वजह से दिल्ली का सियासी माहौल बेहद गर्म है। सीजेपी के कार्यकर्ता शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं। जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के तमाम समर्थक जुटे हुए हैं। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने मंगलवार रात को सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से मुलाकात की। वांगचुक को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंगलवार रात को महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी सीजेपी के प्रदर्शन में पहुंचे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत तमाम बड़े नेता प्रधानमंत्री आवास के करीब धरने पर बैठ गए। इसे बीजेपी ने राजनीतिक तमाशा बताया है। राहुल और कांग्रेस के तमाम नेताओं के सड़क पर उतरने की वजह से नई दिल्ली का सियासी माहौल बेहद गर्म है। इसके साथ ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी छात्रों के समर्थन में उतरे। देर रात दिल्ली पुलिस ने तमाम बड़े नेताओं को हिरासत में लेकर बाद में रिहा कर दिया। जंतर-मंतर पर जुटे छात्र और आम लोगों का कहना है कि जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं हो जाता वे जंतर-मंतर से नहीं हटेंगे।

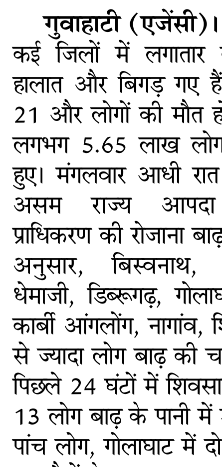

● 16 जिलों में 5.64 लाख लोग प्रभावित, 21 लोगों की मौत और कई लापता

असम में 'जल' जला, बाढ़ से बिगड़े हालात

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के कई जिलों में लगातार बारिश से हालात और बिगड़ गए हैं। बाढ़ से 21 और लोगों की मौत हो गई और लगभग 5.65 लाख लोग प्रभावित हुए। मंगलवार आधी रात को जारी असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रोजाना बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार, बिस्वनाथ, चराइदेव, धेमाजी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, जोरहाट, कामरूप, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, कार्बी आंगलोंग, नागांव, शिवसागर और तिनसुकिया जिलों में 5,64,600 से ज्यादा लोग बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। इसमें आगे बताया गया है कि पिछले 24 घंटों में शिवसागर जिले में चार महिलाओं और दो बच्चों समेत 13 लोग बाढ़ के पानी में डूब गए। इसके बाद चराइदेव में दो बच्चों समेत पांच लोग, गोलाघाट में दो लोग और जोरहाट में एक महिला की मौत हुई। इन मौतों के साथ इस साल बाढ़ से मरने वालों की कुल संख्या 31 हो गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने असम के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है और अगले चार दिनों में कुछ जगहों पर आंधी-तूफान और भारी बारिश का अनुमान जताया है। गुवाहाटी में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि मध्य असम और उससे सटे नगालैंड के ऊपर समुद्र तल से 1.5 से 3.1 किलोमीटर की ऊंचाई पर बना चक्रवाती हवाओं का घेरा (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) अब कमजोर पड़ गया है।

फिलहाल ब्रह्मपुत्र नदी नेमाटीघाट में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है जबकि इसकी सहायक नदियां खोवांग में बुढ़ीदिहिंग और गोलाघाट व नुमालीगढ़ में धनसिरी भी खतरे के स्तर से ऊपर बह रही हैं। दूसरी ओर शिवसागर में दिखौ नदी और नांगलामुराघाट में दिसांग नदी बाढ़ के सबसे ऊंचे स्तर से ऊपर बह रही हैं।

अयोध्या से जनकपुर का सफर होगा बेहद आसान

● चंपारण के 49 गांवों से गुजरेगा फोर लेन राम-जानकी पथ

मोतिहारी (एजेंसी)। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या व देवी जानकी के नगर जनकपुर को जोड़ने वाली महत्वाकांक्षी राम-जानकी पथ परियोजना अब पूर्वी चंपारण में गति पकड़ने लगी है। यह सड़क केवल परिवहन क्षेत्र की उपलब्धि नहीं, बल्कि धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से उत्तर बिहार की तस्वीर बदलने वाली मानी जा रही है। जिले में प्रस्तावित 56 किलोमीटर लंबी फोरलेन सड़क निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। पांच सदस्यीय कमेटी की जांच अंतिम चरण में है। अधिसूचना व

खेसरा पंजी के निर्माण को लेकर तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। राम-जानकी पथ फोर लेन में बनना है। यह सड़क जिले के सात अंचलों के 49 राजस्व गांवों से होकर गुजरेगी। केसरिया के ढेकहां में यह सड़क जिले में प्रवेश कर पताही होते हुए शिवहर में प्रवेश करेगी। केसरिया अंचल के 11, कल्याणपुर के 15, चकिया के तीन, मेहसी के एक, मधुबन के 13, फेनहारा के पांच एवं पताही के एक राजस्व ग्राम से यह सड़क गुजरेगी। इससे इन गांवों के लोगों को बेहतर आवागमन का मार्ग मिलेगा, जिससे वहां की आर्थिकी बेहतर होगी।

धार्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा- राम-जानकी पथ का सबसे बड़ा लाभ धार्मिक पर्यटन को मिलेगा। अयोध्या से जनकपुर जाने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर और तेज सड़क संपर्क उपलब्ध होगा। प्रभु श्रीराम के नगर से जानकी नगर के बीच बन रही इस सड़क में विश्व प्रसिद्ध केसरिया बौद्ध स्तूप, सोमेश्वर धाम के दर्शन के बाद विराट रामायण मंदिर भी देखा जा सकेगा।

● नए रोजगार होंगे सृजित, बदलेगी आर्थिकी

विशेषज्ञों का मानना है कि सड़क निर्माण के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी। सड़क किनारे होटल, रेस्टोरेंट, पेट्रोल पंप, वे-साइड सुविधाएं और छोटे-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान विकसित होंगे। इससे हजारों लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। भूमि की कीमतों में भी वृद्धि की संभावना है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इससे भारत और नेपाल के बीच धार्मिक पर्यटन को नया आयाम मिलेगा।

हूती विद्रोहियों की धमकी से डर गए भारत और चीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब का कच्चा तेल लेकर भारत और चीन जा रहे दो तेल टैंकरों ने मंगलवार को रेड सी (लाल सागर) में यू-टर्न लेकर अपना रास्ता बदल लिया। दोनों जहाज बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों की धमकी के बाद वापस स्वेज नहर की ओर मुड़ गए। दरअसल, हूती विद्रोहियों ने सोमवार को सऊदी अरब के खिलाफ नौसैनिक नाकेबंदी का ऐलान किया था। इसके बाद उन्होंने दुनियाभर की शिपिंग कंपनियों को ईमेल भेजकर चेतावनी दी कि सऊदी अरब के किसी भी बंदरगाह पर माल लादने या उतारने वाले जहाजों को उनकी सैन्य पहुंच के भीतर कहीं भी निशाना बनाया जा सकता है। रॉयटर्स के मुताबिक, इनमें से एक सुपर टैंकर 'शिन लॉन्ग यांग' सोमवार को सऊदी अरब के यनबू बंदरगाह से करीब 20 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर चीन के लिए रवाना हुआ था।

मुंबई में आतंकी साजिश का हुआ खुलासा

-यूपी एटीएस की जांच में आईएसआई कनेक्शन के संकेत

बलरामपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने मुंबई में संभावित आतंकी साजिश का खुलासा करते हुए दावा किया है कि बलरामपुर निवासी शहरोज पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाकिस्तानी गैंगस्टरों के संपर्क में था। एटीएस के अनुसार, आरोपी मुंबई में अपना नेटवर्क तैयार कर हिंदूवादी नेताओं और संगठनों को निशाना बनाने की योजना पर काम कर रहा था, जिससे सांप्रदायिक तनाव फैलाया जा सके। जांच एजेंसी का दावा है कि शहरोज को पाकिस्तान के गैंगस्टर शहजाद भट्टी और कथित आईएसआई एजेंट जसवीर चौधरी से निर्देश मिल रहे थे। उसे राजस्थान के श्रीगंगानगर जाकर ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से भेजे जाने वाले हथियार और विस्फोटक प्राप्त करने को कहा गया था। हथियार हासिल करने के बाद उसे मुंबई लौटकर आगे के निर्देश मिलने थे। एटीएस के मुताबिक, आरोपी अभी नेटवर्क के शुरुआती परीक्षण चरण में था, जहां उसकी गोपनीयता और निर्देशों के पालन की क्षमता परखी जा रही थी। जांच एजेंसी अब उसके मोबाइल, सोशल मीडिया अकाउंट, कॉल डिटेल, बैंकिंग रिकॉर्ड, डिजिटल लेनदेन और विदेशी संपर्कों की फोरेंसिक जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसे विदेश से आर्थिक सहायता मिल रही थी या नहीं। पूरे मामले की जांच जारी है।

राहुल गांधी से जुड़े आय से अधिक संपत्ति मामले में हाईकोर्ट सख्त

-सीबीआई के हलफनामे पर जताई नाराजगी, विस्तृत प्रगति रिपोर्ट तलब

लखनऊ (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के आरोपों की जांच से जुड़े मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के हलफनामे पर नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि हलफनामा पूर्व आदेश के अनुरूप नहीं है और इससे जांच की वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं होती। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आर.एस. चौहान और न्यायमूर्ति बी.आर. सिंह की पीठ कर्नाटक निवासी एस. विग्नेश शिशिर की याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने की मांग की गई है। अदालत ने सीबीआई मुख्यालय के संयुक्त निदेशक अथवा संबंधित जोन प्रमुख को स्वयं शपथपत्र दाखिल कर अगली सुनवाई तक विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। वहीं, ईडी के हलफनामे पर अदालत ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि एजेंसी ने आवश्यक प्रारंभिक कार्रवाई की है। अदालत ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, वित्त मंत्रालय, कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय और एसएफआईओ को भी चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त को होगी।

भारी बारिश से उत्तराखंड में 142 सड़कें प्रभावित, कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी

देहरादून (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तराखंड के कई जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने राज्य के कई अन्य हिस्सों में आंधी-तूफान, बिजली गिरने और भारी बारिश का भी अनुमान लगाया है। आईएमडी के मुताबिक मौजूदा मौसम की स्थिति 25 जुलाई तक बनी रहने की उम्मीद है। बुधवार को राज्य के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। वहीं, राज्य के सभी जिलों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ बिजली चमकने और तीव्र से अति तीव्र बारिश का अनुमान है। विभाग ने आशंका जताई है कि संवेदनशील इलाकों में हल्के से मध्यम भूस्खलन और चट्टान गिरने की घटनाएं हो सकती है। इसके अलावा, पहाड़ी क्षेत्रों में कहीं-कहीं सड़कों और राजमार्गों में अवरोध हो सकता है। कहीं-कहीं नालों और नदियों का अतिप्रवाह भी हो सकता है। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश से देहरादून में तापमान में काफी गिरावट आई है। तेज बारिश के कारण नाले उफान पर आ गए, जिससे कई सड़कों पर जलभराव हो गया, जबकि कई इलाकों में घरों में पानी घुस गया। सड़कों पर पानी भरने और खराब ड्राइविंग स्थितियों के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश का असर उत्तराखंड के अन्य इलाकों में भी देखा गया, जहां मौसम संबंधी दिक्कतों के कारण मंगलवार को 142 सड़कें बंद कर दी गई थीं। शाम तक अधिकारी इनमें से 54 सड़कों पर यातायात बहाल करने में सफल रहे।

यमुना में 5 किलोमीटर तक हजारों मृत मछलियां, कानपुर देहात में दहशत

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर देहात में यमुना नदी के करीब पाँच किलोमीटर लंबे हिस्से में हजारों मृत मछलियां मिलने से हड़कंप मच गया। नयापुरवा से मनकी पक्के घाट और क्योटरा तक नदी किनारे बिछी मछलियों को देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई। यह घटना पानी की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने पहले इतनी बड़ी संख्या में मछलियों को मरते नहीं देखा। कुछ मछलियां पानी में तड़पती भी दिखाई दीं। हालांकि, कुछ ग्रामीण मृत मछलियों को अपने घरों में भी ले गए, जिस पर विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य जोखिम की चेतावनी दी है। प्रदूषित या रसायनयुक्त पानी से मरी मछलियों का सेवन गंभीर विषाक्तता का कारण बन सकता है। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि ऊपरी क्षेत्रों से आए प्रदूषित या रसायनयुक्त पानी और नदी में बीओडी (बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड) के स्तर में वृद्धि इसकी मुख्य वजह है। जिला कार्यकारी अधिकारी (मत्स्य) रमाकांत निरंजन ने बताया कि बीओडी बढ़ने से घुलित ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है, जिससे मछलियों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और उनकी मौत हो जाती है। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी मनोज चौरसिया ने इसकी पुष्टि की कि बारिश के दौरान नदी में सिल्ट और अपशिष्ट पदार्थ बहकर आते हैं, जो जलीय जीवों को प्रभावित करते हैं। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के आसपास कोई औद्योगिक इकाई नहीं है, इसलिए प्रदूषित पानी ऊपरी क्षेत्रों से ही आया होगा। नदी के किनारों पर कम जलस्तर और पानी के ठहराव से हानिकारक तत्वों का प्रभाव बढ़ गया हो सकता है। पानी के नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मछलियों की मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा।

नमाज के लिए जगह भोजशाला से 2 किमी दूर क्यों? सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

-मामले को लेकर मुस्लिम पक्ष की याचिका पर शुक्रवार को होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की उस याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें कहा गया था कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा नमाज़ पढ़ने के लिए चुनी गई वैकल्पिक जगह, धार में विवादित भोजशाला परिसर से बहुत दूर है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वे राज्य सरकार से इस बारे में निर्देश लें कि क्या विवादित परिसर के पास नमाज पढ़ने के लिए कोई वैकल्पिक जगह दी जा सकती है। मुस्लिम पक्ष की ओर से पेश हुए सीनियर वकील हुज़ैफा अहमदी ने कोर्ट को बताया कि कोर्ट ने पहले राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह भोजशाला के पास नमाज के लिए खुली जगह उपलब्ध कराए। हालांकि उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने जो जमीन चुनी है, वह लगभग 2 किलोमीटर दूर है। वकील अहमदी ने कहा कि आदेश यह था कि जमीन भोजशाला साइट के पास होनी चाहिए। शुक्रवार की नमाज के लिए जो जमीन दी गई है, वह 2 किलोमीटर दूर है। हम पहले ही शुक्रवार की नमाज नहीं पढ़ पाए हैं। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से पेश होते हुए वकील ने कहा कि वैकल्पिक जगह विवादित परिसर से करीब 900 मीटर दूर थी। हालांकि, उन्होंने बेंच को भरोसा दिलाया कि वह खुद इस मामले की जांच करेंगे और जरूरत पड़ने पर उचित कदम उठाएंगे। जस्टिस बागची ने कहा कि कोर्ट के पिछले आदेश का अक्षरशः और उसकी भावना के अनुरूप पालन किया जाना चाहिए। इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई शुक्रवार को तय की और सॉलिसिटर जनरल को नमाज अदा करने के लिए निकटवर्ती स्थल उपलब्ध कराने के संबंध में राज्य सरकार से निर्देश लेने को कहा। बता दें 14 जुलाई को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले के विरुद्ध मुस्लिम पक्ष की अपीलों की सुनवाई करते हुए, जिसमें विवादित भोजशाला परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर घोषित किया गया था, पीठ ने राज्य सरकार को मामले के अंतिम निर्णय तक विवादित स्थल के निकट शुक्रवार की नमाज दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच अदा करने के लिए एक अलग खुला स्थान उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। अब इस मामले की सुनवाई शुक्रवार को वैकल्पिक प्रार्थना स्थल के मुद्दे पर होगी।

विपक्ष की आवाज दबा सरकार संसद में चर्चा से बच रही : रामगोपाल यादव

-सपा सांसद ने सदन के गतिरोध और राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने संसद में जारी गतिरोध को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार किसी भी महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा कराने की इच्छुक नहीं है। उन्होंने कहा कि जैसे ही कोई विपक्षी सांसद अपनी बात रखने के लिए खड़ा होता है, कुछ ही मिनटों में सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी जाती है, जिससे लोकतांत्रिक संवाद प्रभावित हो रहा है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान सपा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि यदि सरकार चर्चा के लिए तैयार होती तो संसद में बार-बार हंगामे की नौबत नहीं आती। उनका आरोप था कि सुबह से शाम तक सदन की कार्यवाही बार-बार स्थगित किए जाने से यह स्पष्ट हो जाता है कि सरकार विपक्ष की बात सुनने से बच रही है। उन्होंने कहा कि पूरा विपक्ष इस मुद्दे पर एकजुट है और लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा के लिए अपनी आवाज उठाता रहेगा। रामगोपाल यादव ने राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर भी सवाल उठाते हुए दान राशि के प्रबंधन में पूरी पारदर्शिता की मांग की। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान देशभर के लोगों ने श्रद्धापूर्वक योगदान दिया था। उनके अनुसार, महिलाओं ने अपने गहने तक दान किए और विभिन्न समुदायों के लोगों ने मंदिर निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट होना चाहिए कि चंदे में मिली राशि कब और किस प्रकार बैंकों में जमा हुई तथा उसका पूरा लेखा-जोखा सार्वजनिक किया जाए।

मंदिरों की दान प्रक्रिया पारदर्शी हो

उन्होंने तिरुपति मंदिर की व्यवस्था का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां दान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और रसीदें जारी की जाती हैं। उनका मानना है कि राम मंदिर से जुड़े चंदे के मामले में भी ऐसी ही व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए।

दादा, भले ही आज आप मेरे साथ नहीं हैं, मेरी जिंदगी के साथी को सलाम

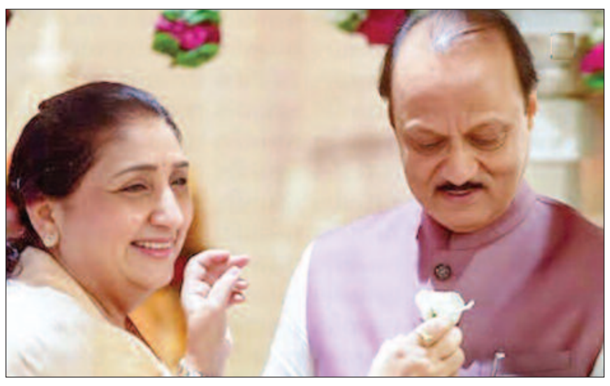

-अजित पवार की जयंती पर पत्नी सुनेत्रा पवार ने किया भावुक पोस्ट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जयंती पर उनकी पत्नी और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट किया। सुनेत्रा पवार ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- दादा, कई सालों से मैंने आपका जन्मदिन इतनी खुशी, जोश और गर्व के साथ मनाया। घर और परिवार खुशियों से भर जाता, चारों ओर दुआओं की बारिश होती लेकिन आज आपकी जयंती मनाते हुए मेरा दिल पूरी तरह टूट रहा है। आज भी मेरा दिल इस कड़वी सच्चाई को मानने से इनकार करता है।

सुनेत्रा ने आगे लिखा- दादा, मेरी जिंदगी के हर मोड़ पर आप मेरी सबसे बड़ी ताकत बनकर मेरे साथ खड़े रहे। आपका वह मजबूत सहारा, मुश्किल समय में पीठ थपथपाना और आपका साथ, आज यह सब अचानक गायब हो गया है। सब कुछ एकदम खाली सा लग रहा है, मुझे यकीन ही नहीं हो रहा। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि समय मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सहारा इतनी जल्दी छीन लेगा। उन्होंने लिखा- आज, जब मैं आपका यह जन्मदिन मना रही हूं, तो मेरा दिल दर्द से भर गया है; मेरी आंखों के आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे। दादा, भले ही आज आप मेरे साथ नहीं हैं लेकिन आपकी सोच, आपकी यादें, लोगों के प्रति आपकी सेवा की भावना, आपका अनुशासन और आपका दिया हुआ प्यार हमेशा मेरी हर सांस में, मेरे होने के हर रेशे में जिंदा रहेगा। मेरी जिंदगी के साथी को, आपकी पवित्र यादों को, दिल से और इज्जत से सलाम!

बता दें महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजीत पवार और जय अजीत दादा पवार ने दिवंगत नेता अजीत पवार की जयंती के मौके पर आधी रात को बारामती के विद्या प्रतिष्ठान कैंपस में उनके मेमोरियल पर फूल चढ़ाए। उन्होंने महाराष्ट्र के विकास में उनके योगदान, उनकी समाजसेवा और लोगों की भलाई के लिए उनके समर्पण को याद किया। उन्होंने कहा कि अजीतदादा पवार की दृष्टि, विकास पर फोकस करने वाला नेतृत्व और समाजसेवा की विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश, 25 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार (शिखर समाचार)। हरिद्वार पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह के निर्देशन में कोतवाली रानीपुर पुलिस और सीआईयू की संयुक्त टीम ने गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश से चोरी की गई 25 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार गिरोह हरिद्वार समेत पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में दोपहिया वाहनों को निशाना बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। पूछताछ में पता चला कि गिरफ्तार आरोपियों में एक मोटर मैकेनिक है। दोनों आरोपी चोरी की गई मोटरसाइकिलों को पहले दादूपुर गोविंदपुर स्थित एक खंडहर में छिपाकर रखते थे। इसके बाद वाहनों को बेचने का प्रयास किया जाता था। यदि वाहन नहीं बिकते थे तो उनके महंगे पुर्जे निकालकर अलग-अलग बेच दिए जाते थे। पुलिस का मानना है कि इस तरीके से आरोपी लंबे समय से चोरी की वारदातों को अंजाम देकर अवैध कमाई कर रहे थे। गिरफ्तारी और बरामदगी की कार्रवाई कोतवाली रानीपुर पुलिस तथा सीआईयू की संयुक्त टीम ने की। अभियान में प्रभारी निरीक्षक मनोहर सिंह भंडारी, वरिष्ठ उपनिरीक्षक नंदकिशोर ग्वाड़ी, उपनिरीक्षक चरण सिंह चौहान, उपनिरीक्षक सुधांशु कौशिक, अपर उपनिरीक्षक सुबोध घिल्डियाल सहित पुलिसकर्मियों तथा सीआईयू प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र सिंह बिष्ट और उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अब आरोपियों के आपराधिक इतिहास और चोरी की अन्य घटनाओं में उनकी संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

758वें सालाना उर्स मेले की तैयारियों में जुटा प्रशासन, श्रद्धालुओं की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता

हरिद्वार (शिखर समाचार)। 758वें सालाना उर्स मेला-2026 के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर जिला कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने मेले की तैयारियों की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि उर्स प्रारंभ होने से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित समय सीमा में पूरी कर ली जाएं, ताकि देश-विदेश से आने वाले जायरीन बिना किसी असुविधा के धार्मिक आयोजन में शामिल हो सकें। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष उर्स का आयोजन 13/14 अगस्त से 3/4 सितंबर 2026 तक होगा। चांद दिखाई देने पर मेहंदी डोरी की रस्म के साथ उर्स का शुभारंभ होगा, जबकि मुख्य आयोजन 24/25 अगस्त से 28/29 अगस्त तक संपन्न होंगे। अपर जिलाधिकारी ने मेला क्षेत्र से अवैध अतिक्रमण हटाने, सुगम यातायात, अस्थायी पुलिस चौकियों, बैरिकेडिंग, विशाल तंबुओं, अस्थायी दुकानों, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, मोबाइल शौचालय, पार्किंग, सफाई, चिकित्सा, अग्निशमन और सुरक्षा व्यवस्थाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश कार्यों की ई-निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है तथा शेष कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। बैठक में पुलिस विभाग की सुरक्षा एवं भीड़ नियंत्रण व्यवस्था, जल पुलिस और मोटर नौकाओं की तैनाती, रेलवे एवं परिवहन विभाग द्वारा अतिरिक्त रेलगाड़ियों और शटल बसों की व्यवस्था, नगर पंचायत पिरान कलियर द्वारा स्वच्छता, जल संस्थान द्वारा पेयजल, स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सकों, एंबुलेंस और प्राथमिक उपचार केंद्र तथा अग्निशमन विभाग द्वारा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर भी विस्तार से चर्चा हुई। संयुक्त मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक रामचंद्र सेठ ने विभागवार तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने पर बल दिया। विधायक पिरान कलियर फुरकान अहमद ने भी सभी विभागों से आपसी समन्वय के साथ उर्स मेले की तैयारियां समय से पूरी करने का आह्वान किया।

सीएम थलपति ने कहा- नीट परीक्षा पूरी तरह खत्म करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में धांधली और पेपर लीक के आरोपों को लेकर विरोध का माहौल बना हुआ है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक महीने से जारी प्रदर्शनों के बीच तमिलनाडु में तमिल सिनेमा के दिग्गज अभिनेता थलपति विजय की राजनीतिक पार्टी तमिझगा वेत्री कज़गम (टीवीके) ने नीट परीक्षा पर बेहद कड़ा रुख अपनाया है। पार्टी ने मांग की है कि केवल परीक्षा में धांधली रोकना ही काफी नहीं है, बल्कि नीट प्रवेश परीक्षा को हमेशा के लिए पूरी तरह समाप्त कर दिया जाना चाहिए।

छात्रों के भविष्य और राज्यों के संवैधानिक अधिकारों की वकालत करते हुए टीवीके ने शिक्षा नीति में बड़े बदलाव का प्रस्ताव रखा है। पार्टी का मानना है कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए शिक्षा को संविधान की समवर्ती सूची से हटाकर राज्य सूची में हस्तांतरित किया जाना चाहिए। पार्टी नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि इसमें कोई कानूनी बाधा आती है, तो एक अंतरिम उपाय के तहत विशेष समवर्ती सूची बनाई जानी चाहिए, ताकि राज्य सरकारों को अपनी मेडिकल शिक्षा और प्रवेश प्रक्रिया पर पूर्ण नियंत्रण मिल सके। पार्टी के अनुसार, यह दृष्टिकोण उनके नेता विजय द्वारा पहले ही रेखांकित किया जा चुका है।

इस राजनीतिक हलचल के बीच टीवीके ने राज्य की सत्ताधारी पार्टी डीएमके पर भी निशाना साधा। पार्टी ने आरोप लगाया कि वे चुनावों के दौरान नीट को रद्द करने के झूठे वादे करके जनता और छात्रों के साथ धोखे की राजनीति नहीं करते। गौरतलब है कि 2021 के विधानसभा चुनावों में डीएमके ने सत्ता में आने पर राज्य में नीट समाप्त करने का आश्वासन दिया था।

इसके अलावा, थलपति विजय ने नीट के विरोध में प्रदर्शन करने वाले प्रसिद्ध रैपर थेरुकुरल अरिवु से भी मुलाकात की। अरिवु ने नीट परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर राज्य सचिवालय के बाहर धरना दिया था। शुरुआत में पुलिस द्वारा हटाए जाने के बाद, मुख्यमंत्री के निर्देश पर अरिवु को सचिवालय के भीतर लाया गया, जहां विजय ने उनसे भेंट की। इस मुलाकात के दौरान अरिवु ने राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा को लेकर अपनी गंभीर चिंताएं व्यक्त कीं। तमिलनाडु सरकार लंबे समय से मांग करती रही है कि राज्य के मेडिकल कॉलेजों में दाखिला 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर ही होना चाहिए।

असम में बाढ़ से 21 लोगों की मौत, कई गांव डूबे, 5.64 लाख लोग प्रभावित

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में बाढ़ से पिछले 24 घंटों में 21 और लोगों की मौत हो गई, जबकि राज्य के 16 जिलों में 5.64 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। यह जानकारी एएसडीएमए ने देर रात जारी बुलेटिन में दी। बुलेटिन के मुताबिक सबसे ज्यादा प्रभावित शिवसागर जिले में 13 लोगों की मौत हुई है। चराइदेव में पांच, गोलाघाट में दो और जोरहाट में एक व्यक्ति की जान गई। इसके साथ ही इस साल राज्य में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 31 हो गई है। सीएम हिमंत विश्वा सरमा ने कहा कि वह बुधवार से बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट में एएसडीएमए के हवाले से बताया गया है कि बाढ़ से गोलाघाट, कामरूप, होजाई, डिब्रूगढ़, बिश्वनाथ, धेमाजी, सोनितपुर, उदालगुड़ी, नगांव, चराइदेव, कामरूप (मेट्रो), जोरहाट, तिनसुकिया, कार्बी आंगलोंग, लखीमपुर और शिवसागर सहित 16 जिलों में 5,64,600 से अधिक लोग प्रभावित हैं। सोमवार को 15 जिलों में प्रभावित लोगों की संख्या 3.63 लाख से ज्यादा थी। बुलेटिन के मुताबिक 44 राजस्व मंडलों के 872 गांव अब भी जलमग्न हैं। सबसे ज्यादा 3,59,535 लोग शिवसागर जिले में प्रभावित हैं। इसके बाद जोरहाट में 87,662 और चराइदेव में 72,646 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं. राज्य में फिलहाल 71 राहत शिविर संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें 12,284 विस्थापित लोगों को ठहराया है। इसके अलावा 202 राहत वितरण केंद्र भी संचालित किए जा रहे हैं।

सिंधु जल समझौते पर भारत का रुख और सख्त: बहाली से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंधु जल समझौते को लेकर भारत ने अपना रुख और कड़ा कर लिया है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह समझौता अब अपने मौजूदा स्वरूप में लागू नहीं रहेगा। सीमा पार आतंकवाद को पाकिस्तान द्वारा लगातार दिए जा रहे समर्थन के विरोध में भारत ने साफ कर दिया है कि पुरानी शर्तों और व्यवस्था के तहत अब कोई बातचीत या समझौता संभव नहीं है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, यद्यपि भारत फिलहाल विश्व बैंक की मध्यस्थता से 1960 में हुई इस संधि से पूरी तरह बाहर निकलने पर तुरंत विचार नहीं कर रहा है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में इसे जारी रखना अपने राष्ट्रीय हित में नहीं मानता।

पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने इस समझौते को स्थगित कर दिया था। अब भारत का कहना है कि भविष्य में यदि नदियों के जल बंटवारे पर कोई व्यवस्था बनती भी है, तो वह बिल्कुल नए ढांचे और नई शर्तों के तहत होगी। यद्यपि सिंधु जल समझौते में बाहर निकलने का कोई सीधा एग्जिट क्लॉज नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रथागत कानूनों के तहत यदि कोई एक पक्ष समझौते या सुरक्षा माहौल का गंभीर उल्लंघन करता है, तो दूसरा देश संधि को आंशिक या पूर्ण रूप से निलंबित कर सकता है। पाकिस्तान का सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना भारत के लिए एक गंभीर उल्लंघन है। भारत का स्पष्ट मानना है कि एक संप्रभु राष्ट्र होने के नाते उसे ऐसी किसी संधि में बने रहने के लिए विवश नहीं किया जा सकता, जो देश के हितों के खिलाफ हो।

दूसरी ओर, पाकिस्तान इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाकर खुद को पीड़ित के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान का आरोप है कि भारत के इस फैसले से उसके नागरिकों की जल सुरक्षा पर संकट खड़ा हो गया है। हालांकि, भारतीय अधिकारियों का मानना है कि पाकिस्तान की असल समस्या पानी की उपलब्धता नहीं, बल्कि उसका खराब जल प्रबंधन और बुनियादी ढांचे में निवेश न करना है। संधि निलंबित होने के बावजूद भारत मानवीय आधार पर पाकिस्तान को बाढ़ से जुड़ी चेतावनियां और डेटा साझा कर रहा है। नई दिल्ली ने साफ कर दिया है कि संधि का निलंबन तब तक जारी रहेगा जब तक कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद पर पूरी तरह और भरोसेमंद तरीके से रोक नहीं लगा देता।

खुरपका-मुँहपका टीकाकरण अभियान को डीएम ने हरी झण्डी दिखाकर किया शुरू

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाय एवं भैंसों को खुरपका-मुँहपका जैसी अत्यंत संक्रामक एवं विषाणुजनित बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से 22 जुलाई 2026 से 8 सितम्बर 2026 तक विशेष टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान का शुभारंभ जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ एवं मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डॉ.एसपी पाण्डेय द्वारा टीकाकरण टीमों एवं टीकाकरण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अभियान के अंतर्गत जनपद के 179500 गोवंश एवं महिषवंशीय पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। टीकाकरण के साथ-साथ प्रत्येक पशु के कान में ईयर टैग लगाया जाएगा तथा पशुपालक एवं उनके पशुओं का भारत पशुधन पोर्टल/एप्प पर रियल टाईम पंजीकरण एवं एन्ट्री भी किया जाएगा। यह पंजीकरण पशुओं की पहचान, टीकाकरण का डिजिटल अभिलेखीकरण तथा भविष्य में संचालित होने वाली विभिन्न पशुपालन योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। टीकाकरण कार्य प्रशिक्षित पशु मित्रों द्वारा किया जा रहा है। ये पशु मित्र ग्रामीण क्षेत्रों के स्वरोजगार से जुड़े प्रशिक्षित युवक हैं, जिन्हें पोर्टल पर टीकाकरण की प्रविष्टि पूर्ण होने के उपरांत प्रति पशु रुपए 5 की दर से

मानदेय प्रदान किया जाता है। इसलिए सभी पशुपालकों से अनुरोध है कि वे अपने पशुओं के साथ-साथ अपना पंजीकरण भी भारत पशुधन पोर्टल पर अवश्य कराएं, जिससे टीकाकरण कार्य का समुचित अभिलेखीकरण हो सके तथा किसी भी टीकाकर्ता को उसके कार्य के अनुरूप मानदेय प्राप्त करने में कोई कठिनाई न हो।

खुरपका-मुँहपका एक अत्यंत संक्रामक वायरल रोग है, जो एक संक्रमित पशु से दूसरे पशु में बहुत तेजी से फैलता है। इस बीमारी के कारण पशुओं में दुग्ध उत्पादन घट जाता है, उनकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है तथा पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। समय पर टीकाकरण ही इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी एवं सुरक्षित उपाय है। जनपद प्रशासन एवं पशुपालन विभाग ने सभी पशुपालकों, जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों, नगर निकायों तथा सामाजिक संगठनों से अपील कि वह इस जनहितकारी अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें तथा अपने ग्राम, वार्ड एवं क्षेत्र के प्रत्येक गाय एवं भैंस का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित कराएं। सभी के सहयोग से ही जनपद को खुरपका-मुँहपका रोग से सुरक्षित बनाया जा सकता है तथा पशुपालकों की आजीविका एवं पशुधन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

खुरपका मुंहपका टीकाकरण अभियान का शुभारंभ, 2.50 लाख पशुओं को लगेगा निःशुल्क टीका

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी कविता मीना ने बुधवार को राष्ट्रीय पशुरोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत खुरपका मुंहपका (एफएमडी) टीकाकरण अभियान के आठवें चरण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कलक्ट्रेट परिसर से टीकाकर्मियों के सचल पशु चिकित्सा वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अभियान के तहत जनपद की 273 ग्राम पंचायतों, सभी नगर क्षेत्रों तथा गौशालाओं में लगभग 2.50 लाख गौवंशीय एवं महिषवंशीय पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। यह अभियान 8 सितंबर 2026 तक संचालित रहेगा।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान पशुओं को खुरपका मुंहपका रोग से बचाव का टीका लगाया जाएगा, जिससे वे इस संक्रामक बीमारी से सुरक्षित रहेंगे और उनकी उत्पादक क्षमता भी बनी रहेगी। टीकाकरण के बाद प्रत्येक पशु का विवरण भारत सरकार के भारत पशुधन एप पर अपलोड किया जाएगा, जिससे पूरे अभियान की ऑनलाइन निगरानी और अभिलेखीकरण सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने बताया कि जनपद के सभी विकासखंडों में टीकाकरण के लिए 25 टीमें गठित की गई हैं। इन टीमों में पशु चिकित्साधिकारी, पशुधन प्रसार अधिकारी, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तथा प्रशिक्षित टीकाकरण कार्यकताओं को शामिल किया गया है। सभी टीमें निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गांव गांव पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण करेंगी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी कविता मीना ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अभियान को सफल बनाने तथा शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद के पशुपालकों से अपील की कि वे अपने पशुओं को समय पर टीका अवश्य लगवाएं, ताकि उन्हें खुरपका मुंहपका जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखा जा सके और पशुधन की उत्पादकता प्रभावित न हो।

ऑपरेशन कवच : परिवहन विभाग ने 68 वाहनों पर की कार्यवाही, वसूला लाखों का जुमार्ना

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। परिवहन विभाग ने गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर और हापुड़ में ऑपरेशन कवच विशेष अभियान चलाया। यह अभियान डॉ. सियाराम वर्मा सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन गाजियाबाद के नेतृत्व में संचालित किया गया। अभियान का उद्देश्य लंबी दूरी की स्लीपर बसों, ऑल इंडिया परमिट एवं ऑल यूपी परमिट धारक यात्री वाहनों के विरुद्ध सघन जांच कर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा बिना वैध परमिट, फिटनेस, बीमा एवं निर्धारित सुरक्षा मानकों के संचालित वाहनों पर प्रभावी अंकुश लगाना था। अभियान के दौरान सम्भाग गाजियाबाद के समस्त प्रवर्तन अधिकारियों ने जनपद के प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील स्थलों पर विशेष चेकिंग की गई। विशेष रूप से परी चौक के निकट जीरो प्वाइंट से महामाया फ्लाईओवर क्षेत्र तथा यूपी गेट से हापुड़ मेरठ रोड मार्ग पर संचालित यात्री वाहनों की जांच की गई। उक्त जांच के दौरान वाहनों के परमिट, फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा, चालक के अभिलेख, आपातकालीन सुरक्षा उपकरण, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया गया। अभियान में निर्धारित मानकों का उल्लंघन पाए जाने वाले वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत नियमानुसार संभाग गाजियाबाद 68 वाहनों का चालान और प्रशमन शुल्क 16 लाख 50 हजार वसूला गया।

डॉ. सियाराम वर्मा, सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन गाजियाबाद ने बताया कि प्रशासन और पुलिस विभाग के सहयोग से संचालित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय एवं मानक अनुरूप परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना तथा अवैध एवं असुरक्षित यात्री परिवहन संचालन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना रहा। भविष्य में भी ऐसे विशेष प्रवर्तन अभियान निरंतर चलाए जाएंगे, जिससे सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ किया जा सके तथा यात्रियों के जीवन एवं संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का साहिबाबाद दौरा: कंट्री इन होटल में किया लंच, अधिकारियों ने की अगवानी

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का बुधवार को साहिबाबाद आगमन हुआ। यूपी सदन जाते वक्त वह विशेष रूप से स्थानीय प्रसिद्ध होटल 'कंट्री इन एंड सूट्स बाय रेडिसन' पहुंचीं, जहाँ उन्होंने करीब 30 मिनट का समय बिताया और लंच किया।

वाइस प्रेसिडेंट ने किया स्वागत

होटल पहुंचने पर संस्थान के वाइस प्रेसिडेंट एवं यूनिट हेड सुदेश कुमार श्रीवास्तव ने राज्यपाल का आत्मीय स्वागत किया। प्रबंधन के अनुसार, अपनी शुद्ध शाकाहारी भोजन व्यवस्था के लिए पहचाने जाने वाले इस होटल में राज्यपाल का आगमन यहाँ का मान बढ़ाता है। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि महामहिम जब भी गाजियाबाद के दौरे पर होती हैं, तो इस स्थल पर लंच करना उनकी प्राथमिकिकताओं में शामिल रहता है।

शीर्ष प्रशासनिक अधिकारी रहे मौजूद

राज्यपाल के इस अल्प प्रवास के दौरान सुरक्षा और आतिथ्य सत्कार के लिए जनपद के तमाम बड़े अधिकारी मुस्तैद दिखे। एडिशनल सीपी राजकरन नैय्यर और जिला मजिस्ट्रेट रविंदर कुमार मंदार समेत शासन प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने होटल पहुंचकर उनकी अगवानी की और स्वागत किया।

सुरक्षा व्यवस्था और स्थानीय प्रशासन की मुस्तैदी

राज्यपाल के आगमन को लेकर साहिबाबाद क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। होटल के आसपास और मुख्य मार्गों पर पुलिस बल तैनात रहा ताकि काफिले के आवागमन के दौरान यातायात सुचारू बना रहे। स्थानीय प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने रूट पर लगातार नजर बनाए रखी और वीवीआईपी प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन सुनिश्चित किया गया।

शहर के गणमान्य लोगों में चर्चा का विषय

महामहिम के इस दौरे और उनके स्थानीय होटल में रुकने की खबर शहर भर में चर्चा का विषय बनी रही। प्रशासनिक हलकों के साथ-साथ स्थानीय व्यावसायिक और सामाजिक संगठनों ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी है। इस प्रकार के दौरों से क्षेत्र की विशिष्ट आतिथ्य परंपराओं को भी एक नई पहचान मिलती है और प्रशासनिक समन्वय बेहतर होता है।

महिला आयोग सदस्य ने जनसुनवाई में सुनीं 15 पीड़ित महिलाओं की शिकायतें, अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. हिमानी अग्रवाल की अध्यक्षता में बुधवार को मेरठ रोड स्थित सिंचाई विभाग के अतिथि गृह में महिला उत्पीड़न से संबंधित जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसुनवाई के दौरान जनपद की 15 पीड़ित महिलाओं की शिकायतें सुनी गईं। इनमें पारिवारिक विवाद, दहेज उत्पीड़न, मारपीट तथा छेड़छाड़ से जुड़े मामले प्रमुख रहे। प्रत्येक प्रकरण की गंभीरता से सुनवाई करते हुए डॉ. हिमानी अग्रवाल ने संबंधित थाना प्रभारियों और अधिकारियों को पीड़िताओं को शीघ्र न्याय दिलाने तथा मामलों में तत्काल प्रभाव से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को विस्तार से सुना गया और संबंधित विभागों के अधिकारियों से प्रकरणों की स्थिति की जानकारी भी ली गई। महिला आयोग सदस्य ने कहा कि महिलाओं के उत्पीड़न से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी शिकायतों का समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी पिलखुवा, अपर उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी तथा महिला थाना प्रभारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रोबेशन कार्यालय से संरक्षण अधिकारी अमित कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता रिंकू सिंह, वन स्टॉप सेंटर प्रभारी सोनिया, जिला समन्वयक नेहा त्यागी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा : अग्नि सुरक्षा तैयारियों की पद्मजा चौहान ने की समीक्षा, फायर स्टेशन वैशाली में व्यायामशाला का लोकार्पण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। बुधवार को पद्मजा चौहान अपर पुलिस महानिदेशक, अग्निशमन तथा आपात सेवा उत्तर प्रदेश ने फायर स्टेशन वैशाली में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में कांवड़ यात्रा मार्ग से जुड़े जनपदों मेरठ, मुजफ्फरनगर, शामली, सहारनपुर, बागपत, बुलंदशहर, गाजियाबाद, बरेली, मुरादाबाद, बिजनौर, बदायूं तथा अमरोहा के मुख्य अग्निशमन अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान पद्मजा चौहान ने कांवड़ यात्रा के दौरान अग्नि सुरक्षा के दृष्टिकोण से की जा रही तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी जनपदों के अधिकारियों से यात्रा मार्ग, शिविरों, विश्राम स्थलों तथा अन्य प्रमुख स्थानों पर उपलब्ध कराई जा रही अग्निशमन व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। साथ ही अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करते हुए आवश्यक सुझाव एवं दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालु विभिन्न जनपदों से होकर गुजरते हैं तथा मार्ग में बड़ी संख्या में अस्थायी शिविरों का संचालन किया जाता है। ऐसे में अग्नि सुरक्षा के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक शिविर में अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए तथा शिविर संचालकों एवं आयोजकों को अग्नि सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक जानकारियां उपलब्ध कराई जाएं। इसके अतिरिक्त आयोजकों को आग लगने की स्थिति में तत्काल अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली के

संबंध में भी प्रशिक्षित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थापित होने वाले सभी प्रमुख शिविरों का पूर्व निरीक्षण किया जाए तथा विद्युत वायरिंग, रसोई व्यवस्था, गैस सिलेंडरों के उपयोग एवं अन्य संभावित जोखिम वाले बिंदुओं की जांच कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अग्निकांड की किसी भी घटना को रोकने के लिए सतर्कता, जागरूकता एवं समयबद्ध निरीक्षण सबसे प्रभावी उपाय हैं। यात्रा अवधि में फायर टेंडरों, वाटर बाउजरों तथा अन्य अग्निशमन संसाधनों को रणनीतिक स्थानों पर तैनात रखा जाए ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके। साथ ही फायर कर्मियों की पर्याप्त ड्यूटी लगाते हुए चौबीसों घंटे निगरानी बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। इस अलावा फायर स्टेशन वैशाली में फायर कर्मियों के शारीरिक स्वास्थ्य एवं फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निर्मित व्यायामशाला का भी लोकार्पण किया गया। पद्मजा चौहान ने व्यायामशाला का उद्घाटन करते हुए कहा कि अग्निशमन कर्मियों के लिए शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं सक्षम होना अत्यंत आवश्यक है। आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए नियमित व्यायाम और प्रशिक्षण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने व्यायामशाला की सुविधाओं का अवलोकन किया तथा इसे विभागीय कर्मियों के लिए उपयोगी पहल बताया। इसके अतिरिक्त कविनगर स्थित स्वदेशी कंपाउंड इंडस्ट्री द्वारा अग्निकांडों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए एक वाटर बाउजर उपलब्ध कराया गया, जिसे पद्मजा चौहान ने हरी झंडी दिखाकर अग्निशमन विभाग को समर्पित किया।

निराश्रित बेटी का भाई बनकर कराया कन्यादान, गृहस्थी का सामान भेंट कर दी सम्मानजनक विदाई

मुरादनगर (शिखर समाचार)। तृतीय लाडली बहन सामूहिक विवाह समारोह में हिन्दू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष आयुष त्यागी काकड़ा ने सामाजिक दायित्व निभाते हुए पिता के साये से वंचित युवती मानसी का विवाह भाई की भूमिका में पूरे वैदिक रीति-रिवाज और सम्मान के साथ संपन्न कराया। मानसी का पालन-पोषण बचपन से उसकी नानी ने आर्थिक कठिनाइयों के बीच किया। सीमित संसाधनों के कारण परिवार विवाह को लेकर चिंतित था। इसकी जानकारी मिलने पर आयुष त्यागी काकड़ा ने परिवार से मुलाकात कर विवाह की पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर ली और हर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की। सामूहिक विवाह समारोह में आयुष त्यागी काकड़ा ने भाई के रूप में कन्यादान किया तथा नवदंपति को गृहस्थ जीवन की सुखद शुरूआत के लिए आवश्यक सामग्री भेंट कर सम्मानपूर्वक विदा किया। उपहार स्वरूप सोने-चांदी के आभूषण, डबल बेड, गद्दे, अलमारी, श्रृंगार मेज, सोफा, शीतक, एलईडी दूरदर्शन, सिलाई मशीन, पंखा, इस्त्री, मिक्सर, 51 स्टील के बर्तनों का सेट, वस्त्र, श्रृंगार सामग्री, ट्रॉली बैग, हाथ का बैग, नकद राशि तथा अन्य घरेलू उपयोग का सामान प्रदान किया गया। इस अवसर पर आयुष त्यागी काकड़ा ने कहा कि पिता का स्थान कोई नहीं ले सकता, लेकिन यदि समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति किसी निराश्रित बेटी का भाई बनने का संकल्प ले, तो आर्थिक अभाव किसी भी बेटी के विवाह में बाधा नहीं बनेगा। उन्होंने भविष्य में भी जरूरतमंद एवं निराश्रित बेटियों के विवाह में हरसंभव सहयोग जारी रखने का संकल्प दोहराया। समारोह में विशाल त्यागी, मोहित त्यागी, सुशील प्रजापति, हरित खटीक, अवनीश प्रधान, शुभम त्यागी, पुष्कर त्यागी, बबलू प्रजापति, अरविंद भारतीय, अरविंद सिंघल, मोहित गर्ग तथा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगराध्यक्ष राजकुमार गोयल सहित अनेक लोगों ने सहयोग किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे तथा नवविवाहित दंपति को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से किशोर की मौत, मामा गंभीर घायल

मोदीनगर (शिखर समाचार)। निवाड़ी कस्बे में हनुमान चौक के निकट मंगलवार देर रात तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से एक किशोर की मौत हो गई, जबकि उसका मामा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार निवाड़ी निवासी वारिस का 16 वर्षीय पुत्र अरबाज अपने मामा फारूक के साथ देर रात पैदल दूध लेने जा रहा था। दोनों जब हनुमान चौक के समीप पहुंचे, तभी तेज गति से आए एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल दोनों को उपचार के लिए मोदीनगर के अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद अरबाज को मृत घोषित कर दिया, जबकि फारूक की हालत गंभीर होने के कारण उसका उपचार जारी है। किशोर की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और आवश्यक जानकारी जुटाई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर फरार वाहन और उसके चालक की पहचान करने का प्रयास कर रही है। परिजनों ने दुर्घटना के जिम्मेदार चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में आजाद समाज पार्टी का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज के विरोध में आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को मोदीनगर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। विधानसभा अध्यक्ष राहुल कलछीना के नेतृत्व में कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए बस स्टैंड के निकट स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर पहुंचे और वहीं धरने पर बैठ गए। धरने को संबोधित करते हुए राहुल कलछीना ने कहा कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा किया गया लाठीचार्ज लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ की गई कार्रवाई किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकती। उनका आरोप था कि सरकार छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। राहुल कलछीना ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद चंद्रशेखर दिल्ली में पिछले दो दिनों से इसी मुद्दे को लेकर धरने पर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक चंद्रशेखर का धरना जारी रहेगा, तब तक मोदीनगर में भी कार्यकर्ताओं का अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। धरने के दौरान पुलिस कई बार मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाकर धरना समाप्त कराने का प्रयास किया, लेकिन कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों पर अड़े रहते हुए धरना जारी रखा। धरने में सम्राट जाटव, सोनू, सोहनलाल सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। धरना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा।

राज्य स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता के विजेता रुद्र कर्दम को जिलाधिकारी ने किया सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)। निशानेबाजी के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ी रुद्र कर्दम को जिलाधिकारी कविता मीना ने पदक पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने रुद्र कर्दम को शानदार उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में उपक्रीड़ा अधिकारी अरुणा भी उपस्थित रहीं। रुद्र कर्दम ने 21 से 23 जून 2026 तक दिल्ली स्थित करणी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित 49वीं बी.यू.पी. राज्य निशानेबाजी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल की व्यक्तिगत एवं टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि 50 मीटर टीम स्पर्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसके बाद उत्तराखंड के देहरादून स्थित महाराणा प्रताप स्टेडियम की त्रिशूल शूटिंग रेंज में 13 से 30 जुलाई तक आयोजित जसपाल राणा मेमोरियल अखिल भारतीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में भी रुद्र कर्दम ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल स्पर्धा में 278 अंक अर्जित कर अखिल भारतीय स्तर पर चौथा स्थान प्राप्त किया। जिलाधिकारी कविता मीना ने कहा कि रुद्र कर्दम की उपलब्धियां जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रुद्र भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद और प्रदेश का नाम गौरवान्वित करेंगे।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

चलती बस के टायर से उठा धुआं, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

जगदीशपुर। एम्स थाना क्षेत्र के कुसम्ही बाजार में सोमवार शाम गोरखपुर से कुशीनगर जा रही यात्रियों से भरी एक अनुबंधित बस के टायर से अचानक धुआं उठने लगा। धुआं उठता देख बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, कुशीनगर जा रही बस जैसे ही कुसम्ही बाजार पहुंची उसके एक टायर से अचानक धुआं निकलने लगा। यह देखकर आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया और चालक को इसकी जानकारी दी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चालक ने तुरंत बस को सड़क किनारे रोक दिया। इसके बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बस से बाहर उतार लिया गया। घटना में किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है। कुछ देर बाद स्थिति सामान्य होने पर यात्री दूसरे साधनों से अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए।

भाई ने ही फूंक दिया घर, बाल-बाल बच गया पूरा परिवार

आगरा। आगरा के अछनेरा क्षेत्र के गांव साधन में दोपहर एक व्यक्ति ने अपने ही भाई के घर में आग लगा दी। वारदात में पीड़ित परिवार बाल-बाल बच गया। चीख-पुकार पर जुटे लोगों ने आग बुझाई। बुझाने में एक युवक भी झुलस गया। वहीं लोगों ने आरोपी युवक को पीटकर पुलिस को सौंप दिया। आग से चारपाई, बिस्तर, कपड़े, नकदी समेत हजारों रुपये का सामान जल गया। पुलिस के मुताबिक गांव साधन निवासी रिंकू पर अपने सगे भाई रूपसिंह पुत्र रमेश के कमरे में आग लगाने का आरोप है। आग बुझाने के दौरान पड़ोसी युवक मोहित (20) झुलस गया। उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अछनेरा भेजा गया। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। वहीं, गांव की महिलाओं ने अवैध शराब की बिक्री होने का आरोप लगाते हुए थाना प्रभारी से शिकायत की है। आरोप है कि नशे में युवक आए दिन मारपीट करते रहते हैं। यह वारदात भी नशे के कारण ही हुई है। वहीं, पुलिस ने पीड़ित रूप सिंह की पत्नी शकुंतला देवी की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

उत्तराखंड वन विभाग और एसओजी ने लकड़ी तस्करों की तलाश में दी दबिश

बहेड़ी। उत्तराखंड वन विभाग और एसओजी ने खैर की लकड़ी चोरी करने वाले तीन तस्करों की तलाश में सोमवार को बहेड़ी में फिर दबिश दी। तीनों गोदाम मालिक तस्कर नहीं मिले। वन विभाग ने स्थानीय पुलिस से उनकी गिरफ्तारी के लिए मदद मांगी है। 12 जुलाई को एसडीओ गोला और खटीमा रेंज ने एसओजी के साथ बहेड़ी के धोबी तालाब रोड पर एक गोदाम पर छापा मारा था। यह कार्रवाई उत्तराखंड वन विभाग के चीफ कंजरवेटर के आदेश पर हुई थी। विभाग के मुताबिक, तस्कर उत्तराखंड के जंगल से खैर की लकड़ी चोरी कर गोदाम में छिपाते थे। बड़ी खेप इकट्ठी होने पर वे इसे ट्रकों में भरकर बाहर भेजते थे। जांच में पता चला कि यह खेल लंबे समय से चल रहा था। इससे तस्कर करोड़पति भी बन गए। टीम ने गोदाम से 200 क्विंटल लकड़ी बरामद की और उसको उत्तराखंड ले गई थी। दो चोरों और उनके तीन अज्ञात साथियों के खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज की गई थी। आशंका है कि आरोपी रिश्तेदारों के घर छिपे हैं और ठिकाना बदल रहे हैं। वन विभाग नगर की आरा मशीनों की भी जांच कर रहा है। उनको अन्य गोदामों पर भी लकड़ी छिपी होने की आशंका है। अब स्थानीय पुलिस से मदद मांग गई है।

मेरा बूथ, सबसे मजबूत के संकल्प के साथ भाजपा के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन सम्पन्न

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी गाजियाबाद महानगर की ओर से महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में गाजियाबाद सदर, साहिबाबाद और मुरादनगर विधानसभा क्षेत्रों के बूथ अध्यक्ष सम्मेलनों का आयोजन किया गया। सम्मेलनों का उद्देश्य संगठन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई बूथ को और अधिक सशक्त बनाते हुए वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देना रहा। तीनों सम्मेलनों में बूथ अध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों और पदाधिकारियों ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। गाजियाबाद सदर विधानसभा के सम्मेलन में क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर ने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में सफलता के लिए प्रत्येक बूथ का मजबूत होना आवश्यक है। उन्होंने मंडल एवं बूथ अध्यक्षों से बूथ समितियों को सक्रिय और प्रभावी बनाने का आह्वान किया। वहीं मुरादनगर विधानसभा के सम्मेलन में प्रदेश मंत्री महामेधा नागर ने कार्यकताओं को सेवा, समर्पण, अनुशासन और संगठन की मजबूती का संकल्प दिलाते हुए मेरा बूथ, सबसे मजबूत तथा बूथ जीता, चुनाव जीता के मूल मंत्र को आत्मसात करने का आह्वान किया।

साहिबाबाद विधानसभा के सम्मेलन में प्रदेश प्रवक्ता पंडित चंद्रमोहन शर्मा ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रत्येक बूथ पर पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करे।

तीनों सम्मेलनों में प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा, सदर विधायक संजीव शर्मा, मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी, महानगर के सभी 20 मंडलों के मंडल अध्यक्ष, महानगर कार्यकारिणी, विधानसभा संयोजक, पदाधिकारी तथा मंडलों के प्रभारी मौजूद रहे। सम्मेलन का समापन मेरा बूथ, सबसे मजबूत और बूथ जीता, चुनाव जीता के उद्घोष के साथ हुआ। कार्यकताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की ऐतिहासिक विजय सुनिश्चित करने का संकल्प दोहराया।

एसएसपीएल में शामली के अक्षित और विधान का चयन, जिले का बढ़ाया मान

अक्षित निर्वाल

विधान प्रताप सिंह

शामली (शिखर समाचार)। शामली राइफल क्लब के दो प्रतिभाशाली प्रशिक्षु निशानेबाज अक्षित निर्वाल और विधान प्रताप सिंह ने अपनी शानदार प्रतिभा के दम पर स्कूल शूटिंग प्रीमियर लीग (एसएसपीएल) में स्थान बनाकर जिले का गौरव बढ़ाया है। दिल्ली में आयोजित खिलाड़ियों की नीलामी में दोनों खिलाड़ियों का अलग-अलग टीमों के लिए चयन किया गया, जिससे शामली के खेल जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है। राइफल क्लब के अध्यक्ष मुकेश चौधरी ने बताया कि एयर राइफल वर्ग के निशानेबाज अक्षित निर्वाल को यूपी लीजेंड्स टीम ने 21 हजार रुपये की बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया है। वहीं, प्रतिभाशाली निशानेबाज विधान प्रताप सिंह का चयन दिल्ली हीरोज टीम ने अपनी एयर राइफल टीम के लिए किया है। दोनों खिलाड़ी लंबे समय से नियमित अभ्यास कर रहे हैं और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं। राइफल क्लब के प्रशिक्षक तपन मलिक ने बताया कि स्कूल शूटिंग प्रीमियर लीग का आयोजन आगामी अक्टूबर माह में किया जाएगा, जिसमें देश की आठ टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 40 लाख रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि अक्षित और विधान अपनी प्रतिभा एवं अनुशासित प्रदर्शन से अपनी-अपनी टीमों के लिए बेहतर प्रदर्शन करेंगे और शामली का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे। दोनों खिलाड़ियों के चयन पर शामली राइफल क्लब, खेल प्रेमियों और उनके परिजनों में उत्साह का माहौल है। खेल से जुड़े लोगों ने इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए दोनों निशानेबाजों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बूथ अध्यक्षों की सक्रियता से मजबूत होगा संगठनः ब्रजपाल सहरावत

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी की ओर से कस्बे के एक विवाह मंडप में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक सशक्त बनाना, आगामी राजनीतिक रणनीतियों पर चर्चा करना तथा कार्यकताओं को जनसंपर्क अभियान के लिए सक्रिय करना रहा। कार्यक्रम में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश मंत्री बिजेंद्र कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक उमेश मलिक ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा कि बूथ स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ता ही पार्टी की सफलता की मजबूत नींव हैं। उन्होंने कार्यकताओं से जनता के बीच निरंतर संपर्क बनाए रखने और सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से पहुंचाने का आग्रह किया। पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक ब्रजपाल सहरावत ने कहा कि बूथ अध्यक्ष और जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन के बल पर ही विकास की गति को आगे बढ़ाया जा सकता है और भविष्य की राजनीतिक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया जा सकता है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से संगठन की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। सम्मेलन में जिला सहकारी समिति के अध्यक्ष ठाकुर रामनाथ, पूर्व चेयरमैन परमेश सैनी, भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मोनू मलिक, फुगाना के प्रधान जितेंद्र मलिक, कुलदीप बागड़ी, मुकेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने तथा आगामी अभियानों की रूपरेखा पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में सपा कार्यकताओं का प्रदर्शन, पुलिस ने लिया हिरासत में

शामली (शिखर समाचार)। दिल्ली में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में बुधवार को शामली में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष सुरेंद्र ताना के नेतृत्व में कार्यकर्ता शहर के गुरुद्वारा तिराहा स्थित पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष एकत्र हुए और सरकार के विरोध में नारेबाजी की। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर थाना आदर्श मंडी पुलिस मौके पर पहुंची और कई सपा नेताओं एवं कार्यकताओं को हिरासत में लेकर थाने ले गई।

सपा नेताओं का कहना था कि दिल्ली में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में अखिलेश यादव और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शांतिपूर्ण ढंग से प्रधानमंत्री आवास की ओर पैदल मार्च कर रहे थे। इसी दौरान दिल्ली पुलिस ने दोनों नेताओं को हिरासत में ले लिया, जिसके विरोध में शामली में भी कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष सुरेंद्र ताना ने आरोप लगाया कि पुलिस ने बिना किसी ठोस कारण के पार्टी कार्यकताओं को पूरी रात थाने में बैठाए रखा और सुबह अधिकारियों के निर्देश पर उन्हें रिहा किया गया। उन्होंने कहा कि युवाओं और छात्रों के अधिकारों की आवाज उठाना समाजवादी पार्टी का दायित्व है और पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से अपना संघर्ष आगे भी जारी रखेगी। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों के दमन का प्रयास बताते हुए इसकी निंदा की।

प्रदर्शन के दौरान पूर्व चेयरमैन दीपा पंवार, कलीम हसन, संदीप गुर्जर, राहुल सैनी, अश्वनी गुर्जर, तासीन मंसूरी, अभिषेक शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। पूरे घटनाक्रम के दौरान पुलिस बल तैनात रहा और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखी गई।

बिना पंजीकरण वाहन की डिलीवरी पर डीलरों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई : एआरटीओ

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद में बिना पंजीकरण नए वाहनों की डिलीवरी पर रोक लगाने और मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से बुधवार को उप संभागीय परिवहन कार्यालय में दोपहिया एवं चारपहिया वाहन विक्रेताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एआरटीओ महेश शर्मा ने की। उन्होंने सभी वाहन विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में बिना पंजीकरण के नया वाहन ग्राहक को नहीं सौंपा जाए। वाहन की संपूर्ण पंजीकरण प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही उसकी डिलीवरी की जाए।

बैठक में एआरटीओ ने कहा कि उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए वाहन विक्रेताओं को विक्रेता केंद्र पंजीकरण व्यवस्था के तहत वाहन पंजीकरण की सुविधा प्रदान की है। इस व्यवस्था का उद्देश्य वाहन स्वामियों को शीघ्र और पारदर्शी सेवा उपलब्ध कराना है। ऐसे में सभी वाहन विक्रेताओं का दायित्व है कि वे निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पूर्णतः पालन करें तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचें। महेश शर्मा ने कहा कि बिना पंजीकरण वाहन चलाना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि इससे वाहन स्वामी भी अनावश्यक कानूनी परेशानियों में पड़ सकता है। उन्होंने सभी विक्रेताओं को निर्देशित किया कि प्रत्येक वाहन का पंजीकरण, आवश्यक अभिलेखों का सत्यापन और अन्य औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही वाहन की सुपुर्दगी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई वाहन विक्रेता नियमों की अनदेखी करते हुए बिना पंजीकरण वाहन की डिलीवरी करता पाया गया तो उसके विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग समय-समय पर इसकी निगरानी और जांच भी करेगा, ताकि नियमों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित हो सके।

भाजपा संगठन महामंत्री से मिले नगीना के नामित सभासद, जनसमस्याओं के शीघ्र समाधान का मिला भरोसा

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद नगीना के नामित सभासदों एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ में भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह से शिष्टाचार भेंट कर क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने नगर के विकास कार्यों में तेजी लाने तथा लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग उठाई। संगठन महामंत्री ने सभी विषयों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया। नगर पालिका परिषद के नामित सभासद डॉ. भूपेश चौहान के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने नगीना रेलवे लाइन पर निमार्णाधीन अंडरपास का कार्य शीघ्र पूरा कराने, नगर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने तथा अन्य विकास परियोजनाओं में तेजी लाने की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं और जनहित से जुड़े मुद्दों का उल्लेख करते हुए एक मांग पत्र भी संगठन महामंत्री को सौंपा। धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार जनहित के कार्यों और विकास योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ा रही है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि नगीना क्षेत्र से जुड़े सभी मुद्दों को संबंधित विभागों के समक्ष रखा जाएगा तथा उनके त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि संगठन स्तर पर मिले सहयोग से नगर की लंबे समय से लंबित समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा और विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर नामित सभासद सोहन सैनी, जितेंद्र कुमार, अर्नब चौधरी सहित भाजपा के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों में कोई ढिलाई नहीं, समयबद्ध पूरे हों सभी कार्य : आलोक यादव

शामली (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में सुपर जोनल, जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांवड़ यात्रा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी आलोक यादव ने स्पष्ट कहा कि कांवड़ यात्रा की तैयारियों में किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ मार्गों, शिविर स्थलों एवं प्रमुख पड़ावों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा जहां भी कोई कमी दिखाई दे, उसका तत्काल निराकरण कराया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

बैठक में कानून-व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, साफ-सफाई, पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा सेवाएं, अग्निशमन व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी तथा नियंत्रण कक्ष की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। नगर निकाय एवं पंचायत विभाग को कांवड़ मार्गों पर विशेष सफाई अभियान चलाने, अस्थायी शौचालय एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग को सड़कों को गड्ढामुक्त रखने तथा आवश्यक दिशा-सूचक संकेतक लगाने के निर्देश दिए गए, जबकि विद्युत विभाग को सुरक्षित एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कहा गया।

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को पर्याप्त एंबुलेंस, चिकित्सा शिविर, चिकित्सकों की तैनाती एवं आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं खाद्य सुरक्षा विभाग को भोजन एवं पेय पदार्थों की गुणवत्ता की नियमित जांच करने तथा मूल्य सूची का पालन सुनिश्चित कराने को कहा गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि यात्रा के दौरान संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा तथा सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं।

एटीएम हैक कर लाखों की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गैंग का पदार्फाश, 4 अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना साहिबाबाद पुलिस ने एटीएम और कैश डिपॉजिट मशीन सीडीएम को हैक कर साइबर फ्रॉड के जरिए लाखों रुपये की ठगी करने वाले एक अंतरराज्यीय गैंग का पदार्फाश करते हुए 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चार लाख रुपये नकद, घटना से खरीदी गई एक स्कॉर्पियो कार, वारदात में प्रयुक्त एक सेंट्रो कार, मोबाइल फोन तथा अन्य तकनीकी उपकरण बरामद किए। यह गिरोह उत्तर प्रदेश के अलावा दिल्ली, हरियाणा और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में सक्रिय था और लंबे समय से बैंकों की कैश डिपॉजिट मशीनों को निशाना बनाकर ठगी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। बीती 21 जुलाई 2026 को राजेंद्र नगर स्थित केनरा बैंक शाखा के शाखा प्रबंधक ने थाना साहिबाबाद में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया कि बैंक की कैश डिपॉजिट मशीन में 27 जून से 29 जून 2026 के बीच अज्ञात व्यक्तियों द्वारा छेड़छाड़ कर मशीन को हैक किया गया और उसमें जमा की गई नकदी को धोखाधड़ी से निकाल लिया गया। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीमों का गठन किया। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय सूचना तंत्र आदि की मदद से अभियुक्तों की गतिविधियों पर नजर रखी। 21 और 22 जुलाई की रात को मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने रेलवे स्टेशन साहिबाबाद के पास बने अंडरपास क्षेत्र में घेराबंदी कर गैंग के 4 सदस्यों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्तों के पास से चार लाख रुपये नकद, दो कारें और साइबर अपराध में इस्तेमाल किए जाने वाले कई उपकरण बरामद किए गए। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने कि वह वारदात से पहले एटीएम और कैश डिपॉजिट मशीनों की बिजली आपूर्ति प्रणाली में एक स्मार्ट प्लग लगा देते थे। इस स्मार्ट प्लग को मोबाइल फोन में इंस्टॉल किए गए स्मार्ट लाइफ एप्प के माध्यम से नियंत्रित किया जाता था। जब कोई ग्राहक मशीन में नकदी जमा करता था या अन्य लेन-देन करता था, उसी समय वह मोबाइल एप्प की मदद से मशीन की कार्यप्रणाली को बाधित कर देते थे। इसके कारण मशीन में जमा की गई नकदी मशीन की ट्रे में जाने के बजाय ऊपरी हिस्से में फंस जाती थी। ग्राहक को यह विश्वास हो जाता था कि उसकी नकदी जमा हो गई है और वह वहां से चला जाता था। बाद में वह विशेष रूप से तैयार किए गए औजारों की मदद से मशीन खोलकर फंसी हुई नकदी निकाल लेते थे। वारदातों को अंजाम देने के लिए वह विशेष समय का चयन करते थे। वह अधिकतर बैंक खुलने से पहले या सार्वजनिक अवकाश के दिनों में मशीनों को निशाना बनाते थे, ताकि उनकी गतिविधियों पर किसी का ध्यान न जाए।

जिलाधिकारी ने पोषण योजनाओं की समीक्षा की, कुपोषण मुक्त जनपद के लिए दिए सख्त निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की विभिन्न योजनाओं, पुष्टाहार वितरण, पोषण ट्रैकर, सक्षम आंगनवाड़ी 2.0, संभव अभियान 6.0 तथा कुपोषण प्रबंधन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को समयबद्ध पोषण सेवाएं उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में संभव अभियान 6.0 के अंतर्गत जुलाई माह में मातृत्व पोषण तथा अगस्त में जन्म से छह माह तक के शिशुओं के पोषण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पात्र महिलाओं का शीघ्र पंजीकरण कराने, आशा और एएनएम के समन्वय से ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस का शत-प्रतिशत आयोजन कराने तथा तीन से छह वर्ष तक के बच्चों की अपार पहचान संख्या और ई-कवच ऐप पर अति कुपोषित बच्चों की प्रविष्टियां समयबद्ध पूरी करने के निर्देश भी दिए गए। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि जून 2026 में जनपद के 85,174 पंजीकृत बच्चों में से 84,557 बच्चों का मापन पूरा किया गया, जिससे 99.28 प्रतिशत मापन दक्षता प्राप्त हुई। वहीं 21 जुलाई तक 80.19 प्रतिशत पात्र लाभार्थियों को फेस रिकग्निशन प्रणाली के माध्यम से पुष्टाहार उपलब्ध कराया जा चुका है। जून माह में 288 अति कुपोषित तथा 2,155 मध्यम कुपोषित बच्चों की पहचान की गई, जबकि पोषण पुनर्वास केंद्र की बेड ऑक्यूपेंसी 87 प्रतिशत रही। बैठक में सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण, पोषण वाटिका, वर्षा जल संचयन तथा आधुनिक सुविधाओं के विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई।

फायरिंग के मामले में वांछित आरोपी अवैध तमंचे समेत गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सिम्भावली थाना पुलिस ने ग्राम रजापुर में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के दौरान फायरिंग कर जानलेवा हमला करने के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान पीयर्ष पुत्र पवन कुमार, निवासी ग्राम रजापुर, थाना सिम्भावली, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। आरोपी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बचने का प्रयास कर रहा था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध तमंचा तथा कारतूस बरामद किए गए। गौरतलब है कि ग्राम रजापुर में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के दौरान फायरिंग की घटना सामने आई थी, जिसमें जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम की धाराओं में भी आवश्यक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया। इस कार्रवाई को थाना सिम्भावली पुलिस की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक राजवीर सिंह, उपनिरीक्षक पिंकू कुमार, आरक्षी रोहित त्यागी तथा आरक्षी आलोक कुमार शामिल रहे।

नोएडा में 2.48 करोड़ रुपये की अवैध दवाएं जब्त, एक गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा के सेक्टर-76 स्थित अमरापल्ली प्रिंसली एस्टेट में संयुक्त छापेमारी के दौरान लगभग 2.48 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध रूप से संग्रहित दवाएं बरामद की गईं। कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जबकि बड़ी मात्रा में बरामद दवाओं और अन्य सामग्री को विधिक प्रक्रिया के तहत जब्त कर लिया गया। मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई जारी है।

औषधि निरीक्षक जयसिंह ने बताया कि अंतरराज्यीय प्रकोष्ठ, अपराध शाखा, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली से प्राप्त सूचना तथा डीडीसी (आई) उत्तर जोन, गाजियाबाद के निर्देश पर केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), अपराध शाखा नई दिल्ली और औषधि विभाग गौतमबुद्धनगर की संयुक्त टीम ने फ्लैट संख्या जे-402, अमरापल्ली प्रिंसली एस्टेट, सेक्टर-76 में छापेमारी की। मौके पर आनंद कुमार, बसंत लाल वर्णवाल और प्रीति मौजूद मिले। जांच में फ्लैट का उपयोग बड़ी मात्रा में दवाओं के अवैध भंडारण के लिए किया जाना पाया गया।

छापेमारी के दौरान गोलियां, कैप्सूल, इंजेक्शन, टीके, मानव एल्ब्यूमिन, इम्युनोग्लोबुलिन, रेबीज रोधी टीका, सर्पदंश प्रतिरोधी सीरम सहित कई उच्च मूल्य की जैविक औषधियां बरामद हुईं। जांच में अनेक दवाओं पर "सरकारी आपूर्ति, बिक्री के लिए नहीं" अंकित मिला, जिससे उनके अनधिकृत उपयोग और दुरुपयोग की आशंका जताई गई। इसके अलावा जिन दवाओं को 2 से 8 डिग्री सेल्सियस तापमान पर सुरक्षित रखा जाना आवश्यक था, उन्हें सामान्य कमरे के तापमान पर रखा गया था।

अधिकारियों के अनुसार जब्त दवाओं का कुल मूल्य अधिकतम खुदरा मूल्य के आधार पर लगभग 2,48,66,658.31 रुपये है। जांच के लिए आठ औषधि उत्पादों के नमूने लिए गए हैं, जबकि आयातित दवाओं के नमूने सीडीएससीओ उत्तर जोन अलग से एकत्र करेगा। कार्रवाई के दौरान आनंद कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है और पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच जारी है।

महिला आयोग सदस्य ने सुनीं फरियादें, आठ मामलों का मौके पर हुआ निस्तारण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. मीनाक्षी भराला की अध्यक्षता में बुधवार को विकास भवन सभागार में महिला जनसुनवाई आयोजित की गई। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंची महिलाओं ने पारिवारिक विवाद, घरेलू हिंसा, भरण-पोषण और उत्पीड़न से संबंधित शिकायतें आयोग के समक्ष रखीं। जनसुनवाई के दौरान पुलिस विभाग से जुड़े कुल 19 प्रकरण प्रस्तुत किए गए, जिनमें से आठ महिलाएं व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुईं। सुनवाई के दौरान आठ मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया, जबकि शेष मामलों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

डॉ. मीनाक्षी भराला ने कहा कि महिलाओं से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता, सहानुभूति और मानवीय दृष्टिकोण अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक महिला की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा फरियादियों के साथ सम्मानजनक और सहयोगपूर्ण व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा कि कई महिलाएं सामाजिक और पारिवारिक कारणों से अपनी समस्याएं खुलकर नहीं बता पातीं, इसलिए उन्हें विश्वास में लेकर निष्पक्ष न्याय दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य महिला आयोग का उद्देश्य महिलाओं को न्याय दिलाने के साथ-साथ उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना भी है।

जनसुनवाई के बाद डॉ. मीनाक्षी भराला ने सेक्टर-44 स्थित महामाया बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित शक्ति संवाद कार्यक्रम में छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने छात्राओं को महिला सुरक्षा, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने तथा अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी, डीसीपी महिला सुरक्षा सुनीति, नेहा सिंह, मनोज कुमार पुष्कर, चंद्रशेखर, आशीष कुमार सिंह, जितेंद्र मौर्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएनजी प्लांट में मजदूर की संदिग्ध मौत पर हंगामा, परिजनों ने मुआवजा और कार्रवाई की मांग की

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़ तहसील क्षेत्र के पलवाड़ा रोड स्थित एक सीएनजी प्लांट में कार्यरत मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने प्लांट के बाहर धरना देकर जमकर हंगामा किया। उन्होंने घटना की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग उठाई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को शांत कराने का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान महेश चौहान निवासी सलारपुर के रूप में हुई है, जो सीएनजी प्लांट में मजदूरी करता था। उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण प्लांट पर पहुंच गए तथा विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनका आरोप था कि मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। धरने की सूचना मिलने पर पूर्व मंत्री मदन चौहान भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और अपनी ओर से एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने प्लांट प्रबंधन से पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। मदन चौहान ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और हरसंभव सहयोग के लिए वे पूरी तरह उनके साथ खड़े हैं। पुलिस ने परिजनों को निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना रहा और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे।

गौड़ यमुना सिटी सोसाइटी में एलएलबी छात्र की पांचवीं मंजिल से गिरकर मौत, पुलिस जांच में जुटी

रबूपुरा (शिखर समाचार)। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र स्थित गौड़ यमुना सिटी सोसाइटी में बुधवार सुबह एक विधि छात्र की पांचवीं मंजिल से गिरने से मौत हो गई। घटना से सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्र को तत्काल ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्स चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मेरठ जनपद के दौराला कस्बे की बंगला कॉलोनी निवासी पंकज शर्मा का 20 वर्षीय पुत्र कार्तिक शर्मा गलगोटियास विश्वविद्यालय में एलएलबी द्वितीय वर्ष का छात्र था। वह पढ़ाई के दौरान गौड़ यमुना सिटी सोसाइटी में किराये के फ्लैट में रह रहा था। बुधवार सुबह वह अपने फ्लैट की बालकनी से नीचे गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना की सूचना तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को दी, जिसके बाद उसे अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सक उसे बचा नहीं सके। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार्तिक पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में था। बताया जा रहा है कि हाल ही में उसकी सेमेस्टर परीक्षाएं समाप्त हुई थीं और वह परीक्षा परिणाम को लेकर चिंतित था। हालांकि पुलिस ने अभी इस संबंध में किसी भी कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस छात्र के सहपाठियों, मित्रों और परिजनों से पूछताछ कर रही है तथा उसके मोबाइल फोन और अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

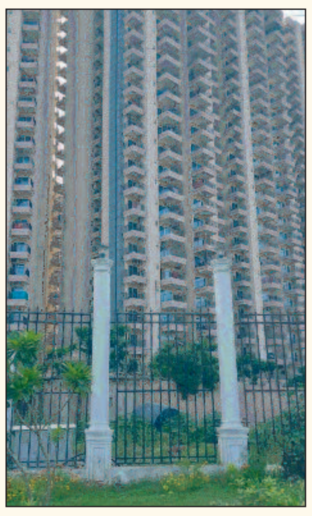

कांवड़ यात्रा की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे एसडीएम लोनी, मार्गों का किया निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आगामी कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और निर्विघ्न रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। जिलाधिकारी गाजियाबाद रविन्द्र कुमार मांदड़ के निर्देश पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं उपजिलाधिकारी लोनी दीपक सिंहनवाल ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण हिण्डन नदी पुल भनेड़ा खुर्द से दिल्ली बॉर्डर तक किया गया, जहां यात्रा मार्ग पर उपलब्ध व्यवस्थाओं और आवश्यक सुधार कार्यों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी ने कांवड़ मार्ग की साफ-सफाई व्यवस्था का विशेष रूप से अवलोकन किया। उन्होंने नगर पालिका परिषद लोनी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रा शुरू होने से पहले पूरे मार्ग को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखा जाए तथा नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा मार्ग पर आने वाली पेड़ों की टहनियों, झाड़ियों तथा गुलर आदि की समयबद्ध छंटाई कराने के निर्देश भी दिए गए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

विद्युत सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उपजिलाधिकारी ने मार्ग पर स्थित विद्युत ट्रांसफार्मरों की बैरिकेडिंग सुनिश्चित करने तथा विद्युत तारों की ऊंचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने के निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मार्ग से गुजरते हैं, इसलिए किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना को समाप्त करने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय समय रहते पूरे किए जाएं। निरीक्षण के दौरान प्रकाश व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति तथा मोबाइल टॉयलेट की उपलब्धता पर भी विशेष जोर दिया गया। संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि कांवड़ियों की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में मोबाइल शौचालय स्थापित किए जाएं तथा पेयजल की निर्बाध व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही रात्रिकालीन आवागमन को सुरक्षित बनाने के लिए मार्ग पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को मार्ग की स्थिति का परीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए गए। उस दौरान विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी, नगर पालिका परिषद लोनी के मुख्य सफाई निरीक्षक, लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता तथा ग्राम्य विकास विभाग के सहायक विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। दीपक सिंहनवाल ने बताया कि कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई है। संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं और प्रशासन श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उपज का स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया, पत्रकारों ने संगठन को मजबूत बनाने का लिया संकल्प

बिजनौर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज) की जनपद बिजनौर इकाई का स्थापना दिवस बुधवार को सिंचाई विभाग के डाक बंगले में उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे पत्रकारों ने केक काटकर स्थापना दिवस मनाया तथा संगठन को अधिक सक्रिय, सशक्त और प्रभावी बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान पत्रकारों ने एकजुटता का संदेश देते हुए पत्रकार हितों की रक्षा और निष्पक्ष पत्रकारिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संरक्षक ज्योतिलाल शर्मा ने की, जबकि संचालन बाबू राम आर्य ने किया। जिलाध्यक्ष पुखराज सिंह मलिक ने संगठन की स्थापना से लेकर अब तक की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि उपज हमेशा पत्रकारों के अधिकारों, सम्मान और सुरक्षा की आवाज बनकर कार्य करता रहा है। उन्होंने कहा कि बदलते समय में पत्रकारों की चुनौतियां बढ़ी हैं, ऐसे में संगठन की मजबूती पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गई है। ज्योतिलाल शर्मा ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। समाज की समस्याओं और जनभावनाओं को निष्पक्षता के साथ शासन-प्रशासन तक पहुंचाना पत्रकारों का दायित्व है। उन्होंने कहा कि सत्य, निष्पक्षता और जनहित के प्रति समर्पण ही पत्रकारिता की वास्तविक पहचान है। वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र सिंह ने कहा कि संगठित पत्रकार ही अपने अधिकारों और हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा कर सकते हैं। नरेंद्र कुमार ने पत्रकारों से तथ्यपरक, विश्वसनीय और जिम्मेदार पत्रकारिता को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। स्थापना दिवस समारोह के दौरान संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय भी लिया गया। उपस्थित पत्रकारों की सर्वसम्मति से लव अग्रवाल को उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज) जनपद बिजनौर का कार्यकारी महामंत्री मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में यादराम सिंह, रिजवान सिद्दीकी, अभिषेक ठाकुर, सुमित गौड़, वरुण चौधरी, रोहित जोशी, जय देव सहित बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

आईएमएस गाजियाबाद के 12 विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में लहराया परचम, चार को मिले स्वर्ण पदक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाजियाबाद ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ की परीक्षाओं में शानदार सफलता हासिल की है। संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 12 छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर कुल चार स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य पदक अपने नाम किए। लगातार कई वर्षों से विश्वविद्यालय में शीर्ष स्थान प्राप्त करने की परंपरा को इस वर्ष भी संस्थान के विद्यार्थियों ने कायम रखा।

विश्वविद्यालय में बीबीए के अभय कुमार शर्मा, बीजेएमसी की मोक्ष त्यागी, एमएससी जैव प्रौद्योगिकी की ईशा बंसल तथा मास्टर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस की छात्रा प्रीति बिष्ट ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर अपने-अपने पाठ्यक्रमों में प्रथम स्थान हासिल किया। इन सभी विद्यार्थियों को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तथा कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला की उपस्थिति में स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त बीएससी जैव प्रौद्योगिकी की छात्रा साक्षी को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आर.पी. चड्ढा मेरिटोरियस गोल्ड मेडल से भी सम्मानित किया गया।

दीक्षांत समारोह में संस्थान की निदेशक प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर, सभी विभागाध्यक्ष, विद्यार्थियों के अभिभावक तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर आईएमएस गाजियाबाद समूह संस्थानों के महासचिव सीए (डॉ.) राकेश छारिया ने सभी पदक विजेताओं को बधाई देते हुए इसे संस्थान के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। वहीं प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर ने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

कांवड़ यात्रा को लेकर डीएम-एसपी ने किया मार्ग का निरीक्षण, समयबद्ध तैयारियों पर दिया जोर

शामली (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, सुरक्षित, शांतिपूर्ण, दिव्य एवं भव्य बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी आलोक यादव और पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने बुधवार को पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जनपद की सीमा लालूखेड़ी से विजय चौक तक कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुगम आवागमन के लिए किए जा रहे इंतजामों का विस्तृत जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ मार्ग पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा सेवाएं, शौचालय, बैरिकेडिंग तथा यातायात प्रबंधन की सभी तैयारियां निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी कर ली जाएं। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश भी दिए। पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुदृढ़ और सतर्क रहेगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को लगातार गश्त, संवेदनशील स्थलों पर निगरानी, यातायात संचालन तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने लालूखेड़ी, बुटराड़ा, बनत, तहसील चौराहा, एसटी तिराहा, गुरुद्वारा फाटक, शिव चौक से विजय चौक तक पूरे कांवड़ मार्ग का निरीक्षण किया। जहां भी व्यवस्थाओं में कमी पाई गई, वहां संबंधित विभागों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यात्रा प्रारंभ होने से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएंगी तथा यात्रा के दौरान प्रत्येक व्यवस्था की निरंतर निगरानी की जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम यात्रा का अनुभव मिल सके।

जेवर में रजवाहे से अज्ञात महिला का शव बरामद :पहचान के लिए पुलिस ने अन्य जिलों से संपर्क किया

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में गांव फलैदा के पास स्थित एक रजवाहे से पुलिस ने एक अज्ञात महिला का क्षत-विक्षत शव बरामद किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बुधवार सुबह 9 बजे से पुलिस ने अन्य जिले की पुलिस और थानों साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से उसकी पहचान की अपील की है। कोतवाली प्रभारी श्याम बाबू शुक्ल ने बताया कि मंगलवार शाम ग्रामीणों ने रजवाहे में शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। मृतका की उम्र करीब 54 वर्ष आंकी गई है। शव काफी पुराना और क्षत-विक्षत हालत में था, जिससे अनुमान है कि यह लगभग आठ से दस दिन पुराना है। लंबे समय तक पानी में रहने के कारण शव की पहचान करना मुश्किल हो रहा है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल पाएगा। फिलहाल, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। महिला की पहचान सुनिश्चित करने के लिए गौतमबुद्ध नगर सहित आसपास के जिलों और विभिन्न थाना क्षेत्रों की पुलिस से संपर्क साधा गया है। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से भी शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि शिनाख्त होने के बाद ही महिला की मौत के कारणों और घटनाक्रम की पूरी जानकारी सामने आ सकेगी।

संपादकीय

पेपर लीक की चुनौती और शिक्षा व्यवस्था में भरोसा बहाल करने की जरूरत

देश की शिक्षा व्यवस्था एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां केवल परीक्षा आयोजित कर देना ही पर्याप्त नहीं रह गया है, बल्कि सबसे बड़ी चुनौती छात्रों और अभिभावकों का भरोसा बनाए रखने की है। 22 जुलाई 2026 को शिक्षा व्यवस्था, नीट परीक्षा और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक के मुद्दे ने राष्ट्रीय राजनीति और जनचर्चा के केंद्र में अपनी जगह बना ली है। जंतर-मंतर से शुरू हुआ छात्रों का आंदोलन अब कई राज्यों तक फैल चुका है। संसद के मानसून सत्र में भी यह मुद्दा लगातार गूंज रहा है। कांग्रेस सहित विपक्षी दल सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने में विफल रहने का आरोप लगा रहे हैं, जबकि सरकार का कहना है कि उसने पेपर लीक रोकने के लिए कठोर कानून बनाए हैं और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप अपनी जगह हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि देश का छात्र आखिर किस पर भरोसा करे? वर्षों की मेहनत के बाद यदि किसी परीक्षा की विश्वसनीयता पर ही सवाल उठ जाए, तो उसका सबसे बड़ा नुकसान युवाओं के मनोबल और देश की प्रतिभा को होता है। पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर बार-बार विवाद सामने आए हैं। कहीं प्रश्नपत्र लीक होने के आरोप लगे, कहीं परीक्षा रद्द करनी पड़ी और कहीं परिणामों पर सवाल उठे। इससे लाखों विद्यार्थियों का समय, परिश्रम और आर्थिक संसाधन प्रभावित हुए। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अधिकांश छात्र छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं। उनके परिवार अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च करके उन्हें कोचिंग, आवास और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराते हैं। ऐसे में यदि परीक्षा की निष्पक्षता संदिग्ध हो जाए तो यह केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक अन्याय भी बन जाती है। बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में राहुल गांधी ने पेपर लीक के मुद्दे को गंभीर राष्ट्रीय संकट बताते हुए सरकार से कई सवाल पूछे और छात्रों के हित में अपनी मांगें दोहराईं। उन्होंने दावा किया कि पिछले दस वर्षों में अनेक पेपर लीक की घटनाओं से करोड़ों छात्र प्रभावित हुए हैं और किसी भी मामले में प्रभावी दोषसिद्धि नहीं हो सकी। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था के महंगे होते जाने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर परिवारों के बढ़ते खर्च का भी उल्लेख किया। दूसरी ओर सरकार का पक्ष है कि विपक्ष इस संवेदनशील विषय का राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास कर रहा है तथा केंद्र पहले ही सार्वजनिक परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित बनाने के लिए सख्त कानून लागू कर चुका है। संसद में भी इस विषय पर तीखी बहस देखने को मिली, जहां सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने अपने-अपने तर्क रखे। लेकिन इस बहस का वास्तविक केंद्र राजनीति नहीं, बल्कि देश का वह छात्र होना चाहिए जिसकी मेहनत किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी है। यह भी सच है कि पेपर लीक की समस्या केवल किसी एक परीक्षा या एक सरकार तक सीमित नहीं रही है। अलग अलग राज्यों और अलग अलग समय में ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं। इसका अर्थ है कि समस्या व्यवस्था की जड़ों में कहीं अधिक गहरी है। प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर मुद्रण, परिवहन, डिजिटल सुरक्षा, परीक्षा केंद्रों की निगरानी और मूल्यांकन तक पूरी प्रक्रिया में अत्याधुनिक तकनीक और जवाबदेही की आवश्यकता है। यदि किसी एक स्तर पर भी सुरक्षा कमजोर पड़ती है तो उसका दुष्परिणाम लाखों छात्रों को भुगतना पड़ता है। आज प्रतियोगी परीक्षाएं केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं रह गई हैं, बल्कि करोड़ों युवाओं के भविष्य का आधार बन चुकी हैं। ऐसे में परीक्षा प्रणाली का निष्पक्ष होना लोकतांत्रिक समान अवसर की मूल शर्त है। यदि प्रतिभा के स्थान पर धन, प्रभाव या आपराधिक नेटवर्क की भूमिका बढ़ने लगे तो योग्य और मेहनती विद्यार्थियों का विश्वास टूटता है। इससे समाज में निराशा, बेरोजगारी और असंतोष बढ़ने का खतरा भी पैदा होता है। यही कारण है कि पेपर लीक को केवल कानून व्यवस्था का मामला मानना पर्याप्त नहीं होगा। इसे राष्ट्रीय मानव संसाधन और सामाजिक न्याय के प्रश्न के रूप में देखने की आवश्यकता है।

~ मौलिक चिंतन ~

अपना दु:ख ऐसे भरोसेमंद व्यक्ति से बाँटें, जो सुनने की क्षमता रखता हो।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

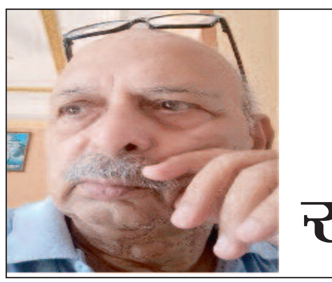

©
विनय संकोची

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक: स्वराज, स्वाभिमान और राष्ट्रजागरण के महानायक

सुनील कुमार महला

स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा। यह प्रसिद्ध उद्घोष महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, राष्ट्रवादी नेता, प्रभावशाली वक्ता, लेखक, जन-जागरण के अग्रदूत, भारतीय संस्कृति और परंपराओं के समर्थक, युवाओं के प्रेरणास्रोत तथा पत्रकार लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का है। प्रतिवर्ष 23 जुलाई को उनकी जयंती मनाई जाती है। यहाँ पाठकों को बताता चलूँ कि तिलक को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का जनक तथा लोकमान्य की उपाधि प्रदान की गई है। लोकमान्य का अर्थ है- जिसे जनता द्वारा मान्यता प्राप्त हो। तिलक की गिनती उन नेताओं में की जाती है जिन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध जनमत तैयार किया और लोगों को स्वतंत्रता के लिए संगठित किया।

पाठकों को बताता चलूं कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी में हुआ था। उनका पूरा नाम केशव गंगाधर तिलक था। उनके पिता गंगाधर रामचंद्र तिलक संस्कृत के विद्वान तथा शिक्षक थे तथा उनकी माता पार्वतीबाई धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। उन्होंने तिलक के व्यक्तित्व में नैतिकता, संस्कार तथा देशप्रेम के बीज बोए। जानकारी मिलती है कि जब तिलक लगभग 9 वर्ष के थे, तब उनकी माता का निधन हो गया था, जिसका उनके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा। स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ-साथ तिलक गणित और संस्कृत के अत्यंत मेधावी छात्र थे। उन्होंने अंग्रेजी शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना पर आधारित शिक्षा का समर्थन किया। वास्तव में सच तो यह है कि उन्होंने शिक्षा को राष्ट्र-जागरण का साधन माना और 1880 में पुणे में न्यू इंग्लिश स्कूल की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खगोलशास्त्र और वेदों में भी उनकी गहरी रुचि थी। उन्होंने द आर्कटिक होम इन द वेदाज नामक पुस्तक लिखी, जिसमें वैदिक सभ्यता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। केसरी (मराठी भाषा) तथा द मराठा (अंग्रेजी भाषा) जैसे प्रसिद्ध समाचार पत्रों की स्थापना भी उनके द्वारा की गई। वास्तव में इन समाचार पत्रों के माध्यम से तिलक ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को वैचारिक शक्ति और जनसमर्थन प्रदान किया। केसरी के माध्यम से उन्होंने ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों की खुलकर आलोचना की तथा किसानों, मजदूरों और सामान्य जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इसके माध्यम से उन्होंने स्वदेशी, स्वराज और राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। मराठी भाषा में होने के कारण यह सीधे आम लोगों की आवाज बन गया। वहीं द मराठा समाचार पत्र के माध्यम से उन्होंने शिक्षित भारतीयों तथा ब्रिटिश शासकों तक भारतीयों की भावनाएँ पहुँचाईं।इतना ही नहीं, तिलक ने सार्वजनिक गणेशोत्सव और शिवाजी महोत्सव की शुरूआत कर उन्हें सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता का माध्यम बनाया। दरअसल, उन्होंने 1893 में गणेशोत्सव को सार्वजनिक रूप दिया ताकि लोग एकत्र होकर राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा कर सकें और अंग्रेजों के विरुद्ध एकजुट हो सकें। इन आयोजनों ने स्वतंत्रता आंदोलन को जन-आंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।गौरतलब है कि 1908 में राजद्रोह के आरोप में तिलक को बर्मा (अब म्यांमार) के मांडले कारागार भेजा गया, जहाँ उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य की रचना की। बहुत कम लोग जानते हैं कि ब्रिटिश लेखक वैलेंटाइन चिरोल ने उन्हें फादर ऑफ इंडियन अनरेस्ट अर्थात भारतीय अशांति का जनक कहा था।

वर्ष 1916 में तिलक ने होमरूल लीग की स्थापना की, जिसका उद्देश्य भारत को स्वशासन दिलाना था। यहाँ पाठकों को जानकारी देना चाहूँगा कि होमरूल आंदोलन का अर्थ है-अपने देश का शासन स्वयं चलाने का अधिकार। यह आंदोलन भारत को ब्रिटिश शासन के अधीन रहते हुए भी स्वशासन दिलाने के लिए शुरू किया गया था। तिलक ने महाराष्ट्र और मध्य भारत में तथा एनी बेसेंट ने मद्रास सहित अन्य क्षेत्रों में होमरूल लीग की स्थापना की। इस आंदोलन का उद्देश्य भारतीयों में राजनीतिक जागरूकता बढ़ाना और स्वराज की माँग को जन-जन तक पहुँचाना था। होमरूल आंदोलन ने देशभर में स्वतंत्रता की भावना को मजबूत किया और भारतीयों को यह विश्वास दिलाया कि वे स्वयं अपना शासन चलाने में सक्षम हैं। इस आंदोलन ने आगे चलकर महात्मा गांधी के नेतृत्व में होने वाले जन आंदोलनों के लिए मजबूत आधार तैयार किया। उल्लेखनीय है कि आप कांग्रेस के पहले जननेता माने जाते हैं और आपने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का समर्थन किया। वास्तव में सच तो यह है कि लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल की तिकड़ी ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा दी। बहुत कम लोग जानते हैं कि रूसी क्रांति के नेता व्लादिमीर लेनिन ने भी तिलक को भारत के महान क्रांतिकारी नेताओं में गिना था। यहां पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें आधुनिक भारत का निमार्ता तथा भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें भारतीय क्रांति का जनक कहा था।रोचक तथ्य यह है कि तिलक ने अपने जीवनकाल में कभी कोई सरकारी पद प्राप्त करने की इच्छा नहीं जताई। उनका पूरा ध्यान राष्ट्र-जागरण, शिक्षा और स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत बनाने पर केंद्रित रहा।

अपने जीवन के अंतिम वर्षों में तिलक का स्वास्थ्य लगातार गिर रहा था। जुलाई 1920 में वे गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। उन्हें मलेरिया और अन्य स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं ने घेर लिया था। उपचार के बावजूद उनकी स्थिति बिगड़ती गई और 1 अगस्त 1920 की मध्यरात्रि के बाद (लगभग 12:40 बजे) मुंबई (तत्कालीन बंबई), महाराष्ट्र में 64 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।

अंत में यही कहूँगा कि लोकमान्य तिलक केवल एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे, बल्कि पत्रकार, शिक्षाविद्, समाज सुधारक, संगठनकर्ता और राष्ट्रवादी चिंतक भी थे। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को जन-आंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और आने वाली पीढ़ियों के लिए संघर्ष, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का आदर्श स्थापित किया।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

सींखचों में सिसक रहीं हैं अपने सुहाग का खून करने वाली विवाहिताएं

मनोज कुमार अग्रवाल

देश की बहुत सारी जेलों में अंधी वासना अवैध संबंध के चलते अपना सुहाग को उजाड़ने वाली कुलटाएं अपने कृत्यों के लिए दिनरात त्रासदी भुगत रहीं हैं। पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ जिला जेल में ही पिछले कुछ महीनों में सामने आए अवैध रिश्तों के ताने बाने में फंसकर अपने ही हाथों से अपने सुहाग को कत्ल कर जीवन को नरक में धकेलने की की कहानी दबी पड़ी हैं । हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ चौधरी चरण सिंह जिला कारागार की बैरक नंबर 12ए में छह महिलाएं भी बंद हैं, जिन्होंने पराए संबंधों के मोह में अपने ही परिवार के खिलाफ घातक षड्यंत्र रच डाला। पांच जहां पति की हत्या की गुनहगार हैं, छठी ने अपनी कोख से जन्मे बेटे को ही मरवा दिया।

यूपी की सबसे पुरानी जेलों में शुमार मेरठ की जिला जेल में फिलहाल 67 महिला बंदी हैं, जिन्हें बैरक 12ए और 12बी में रखा गया है। पति को सांप से डसवाकर मरवाने वाली दामिनी को भी इसी बैरक में मुस्कान, अंजलि, रविता, कोमल और गुरप्रीत के साथ रखा गया है। जेल प्रशासन के अनुसार दामिनी फिलहाल किसी से बातचीत नहीं कर रही है। उसकी काउंसलिंग की तैयारी है। जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा बताते हैं कि इन महिलाओं को एक ही बैरक में रखने का उद्देश्य यह है कि वे एक-दूसरे का सहारा बन सकें। अधिकांश को अपने किए पर पछतावा है।इन सबके भीतर जेल से बाहर आने की छटपटाहट है लेकिन भविष्य खत्म हो जाने का अहसास भी है। इन पति हंता महिलाओं से जब परिवार वाले बच्चों के साथ मिलने आते हैं तो उनका भावनात्मक संतुलन टूट जाता है। ऐसे समय में वे एक-दूसरे से कहती भी हैं कि उनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई थी , जो खुद ही अपनी गृहस्थी उजाड़ ली। सुबह सुंदरकांड के पाठ के बाद मुस्कान अपनी बेटी के साथ समय बिताती है, जबकि अंजलि, गुरुप्रीत, रविता और कोमल सिलाई-कढ़ाई में खुद को व्यस्त रखती हैं।

आपको बता दें मुस्कान रस्तोगी का नीला ड्रम कांड हो अथवा रविता और दामिनी..। सभी ने पति के रहते भी दूसरे युवकों से आशिकी का चक्कर चलाया प्यार के चक्कर में अपने पति का काम तमाम कर अपराध की अंधी राह पर जाकर खून से अपने हाथ रंग लिए। संगीता, अंजलि, कोमल और कविता की भी यही कहानी है।पति से भावनात्मक और जिस्मानी पूर्ति के बावजूद ये दूसरे आशिकों के साथ रंगरलियां मनाने की वासना भरी चाहत में ऐसी भटकी कि कुछ महिलाओं ने अपने ही सुहाग को मौत के घाट उतार दिया तो एक ने बेटे को ही मार दिया। जिन सपनों के लिए उन्होंने यह खतरनाक रास्ता अख्तियार किया, वे टूट चुके हैं। जेल में कोई सिलाई-कढ़ाई सीख रही तो कोई बच्चों को पढ़ा रही है।हर सुबह जेल में बजने वाले सुंदरकांड को सुन कर मन की शांति पाने की कोशिश करती है। जाने-अनजाने उन्होंने यह कदम उठा तो लिया लेकिन सलाखों के पीछे अब सिर्फ दर्द है, पछतावा है और बेबस सिसकियां भी। आपको पता होगा तीन मार्च 2025 की रात को ब्रह्मपुरी की रहने वाली मुस्कान रस्तागी ने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी थी। ड्रम के अंदर सीमेंट से शव को जमा दिया था। मुस्कान और साहिल अभी भी जेल की सलाखों के पीछे है। दोनों के मुकदमे में जल्द ही निर्णय भी आने वाला है। परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के गांव अगवानपुर निवासी 28 वर्षीय राहुल से अंजलि के तीन बेटे हैं। इसके बावजूद अंजलि का दिल पड़ोसी अजय पर आ गया। राहुल खेती बाड़ी व पशुपालन करता था, जबकि अजय आवारा किस्म का था और मौजमस्ती करता था। अजय ही अंजलि को रास्ते में से पिकअप कर लेकर होटल पहुंच जाता था। राहुल इसका विरोध करता था। एक नंवबर 2025 रात आठ बजे अंजलि ने काल कर राहुल को गांव के बाहर मंदिर पर बुलाया। वहां पर अजय भी आ गया। तब अजय ने राहुल की तीन गोली मारकर हत्या कर दी।

मेरठ के बहसूमा के अकबरपुर सादात ने रविता ने 17 अप्रैल 2025 को प्रेमी प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर पति अमित की गला दबाकर हत्या कराई। उसके बाद सांप खरीद कर अमित के बिस्तर पर छोड़ दिया। उसके बाद सांप से काटने का नाटक रच दिया। पोस्टमार्टम में गला दबाकर हत्या आने के बाद पुलिस ने रविता और अमरदीप को जेल भेज दिया। दोनों फिलहाल जेल में बंद है।

वहीं चार अप्रैल को मेरठ जिला के परीक्षितगढ़ के अगवानपुर निवासी बीएसएफ जवान नैन सिंह की हत्या का पदार्फाश करते हुए पुलिस ने पत्नी को और मौसी के बेटे गुलशन समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। कोमल ने बहन के मंगेतर गुलशन के साथ मिलकर हत्या की पूरी पटकथा रची थी। छह लाख की सुपारी के लिए अपने आभूषण गिरवी रखकर रकम जुटाई थी। मोबाइल कॉल डिटेल से ही पुलिस गुलशन तक पहुंची थी।

मेरठ की ही युवती गुरप्रीत ने तो प्रेमी के चक्कर में फंसकर अपनी कोख को ही उजाड़ दिया है। 17 जून को मेरठ जिला के बहसूमा के सैफपुर फिरोजपुर निवासी गुरुप्रीत कौर ने प्रेमी मुजफ्फरनगर के मीरापुर निवासी अर्पित पराशर के साथ मिलकर सात साले के बेटे अंगदवीर की हस्तिनापुर ले जाकर हत्या करा दी। महिला पौने दो साल से पति से अलग रह रही थी, बेटे की हत्या से चार दिन पहले ही ससुराल लौटी थी। गुरुप्रीत और अर्पित पराशर भी जेल में है।

23 जून 2025 को मेरठ के जानी खुर्द के किसान सुभाष की हत्या उसकी पत्नी कविता और छोटी बेटी सोनम ने अपने प्रेमियों के साथ मिलकर कराई थी। बेटी के प्रेमी विपिन ने दोस्त अजगर उर्फ शिवम के साथ गोली मारकर हत्या की थी। मां बेटी समेत पांच आरोपितों को पुलिस ने जेल भेज दिया। कविता और सोनम जमानत पर जेल से छूट चुकी है।

28 फरवरी 2025 को जानी के गांव कुसैड़ी निवासी लोडर ऑपरेटर अजय कुमार की हत्या उसकी पत्नी संगीता ने ही प्रेमी अवनीश निवासी गाजियाबाद के संग मिलकर की है। अजय कुमार उर्फ बिट्टू ताऊ के बेटे की शादी समारोह में शामिल होने के बाद लौट रहा था। तब रास्ते में अवनीश ने ईंट से कुचलकर मार डाला। संगीता जमानत पर जेल से छूट चुकी है।

यह समय की गति है या कलियुग का प्रभाव कि यूपी ही नहीं देश भर में प्रेम त्रिकोण विवाहेत्तर संबंध अंधी वासना और अवैध सम्बन्धों के चलते कई सौ विवाहिता युवतियां जेल की चारदीवारी में शून्य हो चुके भविष्य को तलाश रहीं हैं। कुछ तो जेल से बाहर निकल कर कहां ठिकाना होगा यह भी नहीं जानती क्योंकि उनके अपराध के कारण सामाजिक जिल्लत झेल रहे उनके मा बाप परिवार ने भी उनसे किनारा कर लिया है। सवाल फिर वही है ऐसा क्या है जो मुस्कान रविता गुलशन संगीता अंजली को उनके साथ सात फेरे लेने वाले पति नहीं दे पाए। संस्कार की कमी अवैध सम्बन्ध और विवाहेत्तर वासना की अंधी सुरंग हजारों विवाहित कपल्स के जीवन को कलंकित कर रही है। हमारे गौरवशाली समाज और संस्कृति में यौन शुचिता का विचार रहा है यही विचार है कि हिन्दुस्तान की नारी शक्ति का विश्व भर में विश्वास और सम्मान रहा है लेकिन पिछले एक दशक में भारतीय नारी समाज को कथित प्रगतिशीलता पुरुष समानता और स्वतंत्र जीवन शैली के नाम पर यौन स्वछंदता और अमर्यादित जीवन की ओर धकेलने की कोशिश की जा रही है नेटफलिक्स होट स्टार तमाम मीडिया पर भारतीय महिलाओं को कथित आधुनिकता के नाम पर अवैध सम्बन्धों वाले स्वछंद जीवन शैली की ओर प्रेरित किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि हजारों जीवन अपने राह से उतर कर अंधेरी सुरंग में जीवन का स्वर्णिम समय देने के लिए मजबूर हैं।

युवा असंतोष : देखना है जोर कितना बाजु-ए-कातिल में है?

निर्मल रानी

छात्र युवा आंदोलन की यह चिंगारी अब शोला बन चुकी है। व्यवस्था से दुखी युवा अपने भविष्य की अनिश्चितताओं के चलते इस समय आर पार की लड़ाई लड़ने के लिये तैयार है और पूरे गुस्से में है। जंतर मंतर पर सत्ता के जुल्म के शिकार युवाओं के मुंह से अब हर तरफ यही सुनाई दे रहा है - सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है। देखना है जोर कितना बाजु -ए-कातिल में है?

देश का भविष्य, युवा शक्ति इन दिनों दिल्ली से लेकर देश के और भी कई नगरों महानगरों में सड़कों पर उतर चुका है। भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में यह पहला अवसर है जबकि सरकार को इतने व्यापक स्तर पर जन विरोध का सामना करना पड़ रहा है। युवाओं व छात्रों में उपजे इस तरह के राष्ट्रव्यापी असंतोष का मुख्य कारण यह है कि उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कथित रूप से 152 बार विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनायें हो चुकी हैं। इसके चलते लगभग 7.5 करोड़ छात्रों के भविष्य के लिये संकट खड़ा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वर्ष 2021 से 2026 के बीच नीट परीक्षा के दबाव,अनिश्चितताओं ,पेपर लीक मॉडल और व्यवस्था की नाकामी के चलते मानसिक तनाव में आकर देश में 90 से अधिक छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। देश का युवा केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग कर रहा है। परंतु फिलहाल तो ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सरकार ने युवाओं की इस मांग को नकारने को ही अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है। यही वजह है कि पर्यावरणविद व सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के लंबे अनशन के बावजूद सरकार ने उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया। नतीजतन जंतर मंतर से युवाओं का सैलाब गत 20 जुलाई को सत्र शुरूआत के पहले ही दिन संसद की ओर निकल पड़ा।

इस पूरे घटनाक्रम के कई अलग अलग पहलू हैं। इनमें एक महत्वपूर्ण पहलू है सरकार का इन प्रदर्शनकारी युवाओं,छात्रों व आंदोलन से निपटने का तरीका। याद कीजिये जब तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध दिल्ली की सीमाओं पर 26 नवंबर 2020 से 9 दिसंबर 2021 तक ऐतिहासिक किसान आंदोलन 380 दिनों तक चला था उस समय भी इसी भाजपा सरकार ने आंदोलन को कुचलने के लिये तरह तरह के हथकंडे अपनाये थे। उसे भी पाकिस्तान, माओवादी,खालिस्तानी समर्थक आंदोलन बताया गया था। आंदोलन की फंडिंग पर सवाल खड़ा किया गया था,किसान दिल्ली न पहुँचने पाएं इसके लिये सड़कों पर कीलें बिछाई गयी थीं,कई जगह पक्की दीवारें बनाकर आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश हुई थी। परन्तु अन्नदाता कहाँ दबने वाले थे। आखिरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर 2021 को तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का आधिकारिक ऐलान किया। और किसानों ने तीनों काले कृषि कानूनों को वापस करवाकर ही दम लिया। इस तरह के किसान विरोधी प्रोपेगेंडा में तब भी मीडिया ने सत्ता के पक्ष में बड़ी भूमिका निभाई थी और आज भी वही सत्ता परस्त चाटुकार मीडिया छात्रों व युवा शक्ति के इस आंदोलन में ठीक वैसी ही भूमिका निभा रहा है।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और शिक्षा प्रणाली में सुधार को लेकर 28 जून 2026 से अनशन शुरू हुआ था। सोनम वांगचुक व छात्र संगठनों के नेतृत्व में चल रहा यह आंदोलन 34 दिन पूरे कर चुका है। एक तरफ तो देश की लगभग सभी विपक्षी पार्टियों का समर्थन इस आंदोलन को हासिल है तो दूसरी तरफ किसान आंदोलन की ही तरह इस आंदोलन को भी कमजोर व बदनाम करने की साजिश बिकाऊ मीडिया,सत्ता संचालित आई टी सेल व अंधभक्त ट्रोलर्स द्वारा की जा रही है। उदाहरण के तौर पर सोनम वांगचुक जोकि भारत के एक सुप्रसिद्ध इंजीनियर, शिक्षा सुधारक, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता हैं तथा अपने अनेक अनूठे आविष्कारों और जमीनी स्तर पर शिक्षा व पर्यावरण में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए जाने जाते हैं, उनको चीनी एजेंट बताने की मुहिम छेड़ी गयी। वांगचुक को उनके कार्यों के लिए अब तक लगभग 15 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं, जिनमें प्रमुख रूप से एशिया का नोबेल पुरस्कार समझा जाने वाला रेमन मैग्सेसे पुरस्कार भी 2018 में मिल चुका है। वे लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के तहत विशेष सुरक्षा प्रदान करने और पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए भी लेह में 21 दिनों का कड़ा अनशन कर चुके हैं और जेल भी जा चुके हैं। ऐसे प्रतिष्ठित समाजसेवी व्यक्ति को चीनी एजेंट के रूप में बदनाम करने का मकसद छात्र आंदोलन को बदनाम करना है।

बहरहाल जब सत्ता के यह हथकंडे कामयाब नहीं हुये तो छल,साजिश और दमन की नीति अपनाकर इस आंदोलन को कुचलने की कोशिश की गयी। 19 /20 जुलाई की रात जंतर मंतर पर धरना स्थल के बिल्कुल करीब पत्थरों से भरा एक ट्रक चुपके से लाकर खड़ा कर दिया गया। उसी के साथ एक टूटी फूटी वैन खड़ी कर दी गयी। जिसे आंदोलनकारी समर्थक सोशल मीडिया ने देर रात चेक कर उसकी वीडिओ वायरल कर दी और युवाओं को चेतावनी दे दी कि यह साजिश का हिस्सा है इससे सचेत रहें। उसके बाद जब युवाओं का जनसैलाब 20 जुलाई को अनियंत्रित होकर संसद की तरफ कूच करने लगा उसकी आड़ में जगह जगह पुलिस की जिस बर्बरता के भयावह दृश्य देखने को मिले उसने तो सत्ता की मंशा,क्रूरता व अहंकार को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया। 100 से अधिक युवा पुलिस बर्बरता का शिकार हुये। पुलिस के साथ ही सादे लिबास में अनेक संदिग्ध लोग छात्रों,युवाओं यहां तक मासूम बच्चियां व बुजुर्गों पर भी बेरहमी से डंडे बरसाते दिखाई दिये। सिर्फ लाठी चार्ज ही नहीं किया गया बल्कि पानी की तेज धार और आंसू गैस के गोले भी दागे गये। इतना ही नहीं बल्कि संसद भवन के भीतर आधुनिक शस्त्रों से लैस कई पुलिस वाले प्रदर्शनकारियों की ओर निशाना साधे दिखाई दिये। गोया यदि प्रदर्शनकारी संसद भवन के भीतर आने की कोशिश करते तो उनका भारी नरसंहार संभव था। इस चित्र ने भी लोगों में भारी गुस्सा पैदा कर दिया। सत्ता के अहंकार और पुलिस जुल्म का नतीजा यह हुआ कि अपनी जायज मांगों को लेकर प्रदर्शन करने व इसके चलते शासन की यातना सहने वाले युवाओं के प्रति देश भर में समर्थन और बढ़ गया। देश भर से दिल्ली पहुंचे सैकड़ों ऐसे युवा व अभिभावक जंतर मन्त्र पर नजर आये जिन्होंने विमान अथवा ट्रेन से 20 जुलाई की शाम या रात का अपना घर वापसी का टिकट बुक करा रखा था उन्होंने युवाओं के समर्थन में व पुलिस व सत्ता के जुल्म से क्रोधित होकर अपने टिकट कैंसिल करा दिये और आर पार की लड़ाई लड़ने के लिये दिल्ली में ही रुकने का फैसला किया। अब जंतर मंतर पर युवाओं का सैलाब और बढ़ता जा रहा है। इस अहंकारी सत्ता ने रही सही कसर तब पूरी कर दी जब पुलिस ने नेता विपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी,अखिलेश यादव सहित अनेक सांसदों व योगेंद्र यादव जैसे कई वरिष्ठ नेताओं को भी कुछ समय के लिये गिरफ़्तार कर लिया। बहरहाल छात्र युवा आंदोलन की यह चिंगारी अब शोला बन चुकी है। व्यवस्था से दुखी युवा अपने भविष्य की अनिश्चितताओं के चलते इस समय आर पार की लड़ाई लड़ने के लिये तैयार है और पूरे गुस्से में है। जंतर मंतर पर सत्ता के जुल्म के शिकार युवाओं के मुंह से अब हर तरफ यही सुनाई दे रहा है - सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है। देखना है जोर कितना बाजु -ए-कातिल में है?

नैनीताल के पास बसा ये हिल स्टेशन जन्नत से नहीं है कम, खूबसूरत नजारे देख बन जाएगा आपका दिन

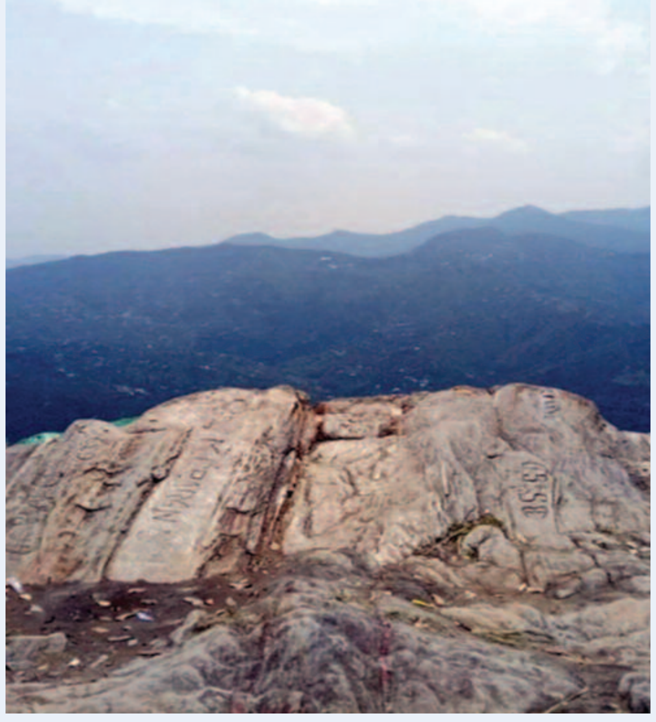

दिल्ली से करीब 300 किमी की दूरी पर नैनीताल स्थित है। जोकि उत्तराखंड का फेमस और खूबसूरत हिल स्टेशन है। गर्मी से लेकर मानसून के समय भी दिल्ली एनसीआर वाले नैनीताल में वीकेंड पर जाते हैं। नैनीताल अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। लेकिन जब पर्यटक नैनीताल मौज-मस्ती के लिए पहुंचते हैं, तो सिर्फ नैनीताल की फेमस जगहों को एक्सप्लोर करके चले जाते हैं। लेकिन यहां से काफी पास में स्थित मुक्तेश्वर जैसी अद्भुत जगह को एक्सप्लोर करना भूल जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित मुक्तेश्वर की खासियत से लेकर इसकी खूबसूरती और आसपास में स्थित कुछ बेहतरीन और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

उत्तराखंड में मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर नैनीताल जिले में स्थित एक खूबसूरत और मनमोहक गांव है। जोकि मुख्य शहर से करीब 48 किमी दूर है। हालांकि मुक्तेश्वर को कई लोग एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन मानते हैं। यह अल्मोड़ा से करीब 42 किमी दूर स्थित है। वहीं भीमताल से यह जगह 42 किमी दूर है।

क्यों फेमस है मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर गांव उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित है और कई खास चीजों के लिए फेमस है। मुक्तेश्वर सबसे ज्यादा मुक्तेश्वर मंदिर के लिए जाना जाता है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक भगवान शंकर ने इस जगह एक राक्षस का वध किया था।

यहां की पौराणिक मान्यताओं के अलावा शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। मुक्तेश्वर, नैनीताल या फिर अल्मोड़ा की तुलना में कम भीड़-भाड़ वाली जगह है। यहां पर आप घने जंगल, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घास के मैदान और झील-झरने मुक्तेश्वर की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं।

मुक्तेश्वर पर्यटकों के लिए है खास

पर्यटकों के लिए मुक्तेश्वर किसी जन्नत से कम नहीं है। खासकर यहां की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। यहां पर आपको नैनीताल से काफी कम भीड़ मिलेगी। इसलिए एकांत की तलाश करने वाले लोगों के लिए मुक्तेश्वर जन्नत से कम नहीं है।

आप यहां की खूबसूरती को निहारने के साथ ही एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं। मुक्तेश्वर की वादियों में रॉक क्लाइम्बिंग से लेकर रैपलिंग, कैंपिंग और ट्रेकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं।

घूमने की बेस्ट जगहें

मुक्तेश्वर मंदिर

मुक्तेश्वर में पहुंचकर आप सबसे पहले मुक्तेश्वर मंदिर के दर्शन कर सकते हैं। जोकि भगवान शिव को समर्पित है। आप यहां पर ट्रेकिंग करके पहुंच सकते हैं।

चौली की जाली

चौली की जाली को नेचर लवर्स के लिए जन्नत माना जाता है। आप यहां से हिमालय की खूबसूरती को करीब से निहार सकते हैं।

भालू गढ़ वॉटरफॉल

मुक्तेश्वर से कुछ ही किमी की दूरी पर भालू गढ़ वॉटरफॉल एक फेमस पिकनिक स्पॉट है। बारिश के मौसम में इस वॉटरफॉल की खूबसूरती देखने लायक होती है।

ऐसे पहुंचे नैनीताल से मुक्तेश्वर

बता दें कि नैनीताल से मुक्तेश्वर पहुंचना बेहद आसान है। इसके लिए आप नैनीताल बस स्टैंड से टैक्सी या फिर कैब से पहुंच सकते हैं। इसके साथ ही आप रेंट पर स्कूटी लेकर भी मुक्तेश्वर पहुंच सकते हैं।

भीड़भाड़ से दूर इन ऑफबीट हिल स्टेशन पर बनाएं घूमने का प्लान, सुकून की तलाश भी होगी पूरी

शहरों की गर्मी और उमस से परेशान होकर लोग पहाड़ों का रुख कर रहे हैं। लेकिन इस समय मसूरी, ऋषिकेश और नैनीताल जैसे फेमस हिल स्टेशन के समय भारी ट्रैफिक और भीड़ से खचाखच भरे हैं। वीकेंड पर तो यहां का हाल और भी बुरा हो जाता है। क्योंकि हजारों की संख्या में लोग गर्मियों में यहां की ओर निकल पड़ते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आप पहाड़ों पर जाने पर भी क्या सुकून मिलेगा।

दिल्ली एनसीआर के लोगों के लिए मसूरी, नैनीताल और ऋषिकेश सस्ते और जल्दी पहुंचने वाले हिल स्टेशन हैं। लेकिन इन जगहों पर भारी ट्रैफिक और भीड़ मिलने के कारण लोगों की छुट्टियां का मजा किरकिरा हो रहा है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऑफबीट डेस्टिनेशन के बारे में बताने जा रहे हैं। जोकि फेमस तो हैं, लेकिन यहां पर आपको भीड़भाड़ नहीं मिलेगी।

कौड़ियाला

अगर आप मसूरी के आसपास कोई शांत जगह ढूंढ रहे हैं, तो आप कौड़ियाला जा सकते हैं। ऋषिकेश से कौड़ियाला करीब 38 किमी दूर है। आपको यहां पर ऋषिकेश जैसा ट्रैफिक देखने को नहीं मिलेगा। आप यहां पर कैंपिंग कर सकते हैं और सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं। पहाड़ों पर शांति का एहसास लेना एक अलग अनुभव है। इसलिए आपको ऐसी जगह पर जाने का प्लान बनाना चाहिए, जहां पर ज्यादा लोगों की भीड़ नहीं होती है।

देवप्रयाग

देवप्रयाग भी घूमने के लिहाज से एक अच्छी जगह है। मसूरी-नैनीताल और ऋषिकेश की भीड़ से बचने के लिए आप

देवप्रयाग में सुकून और शांति का एहसास ले सकते हैं। आप यहां पर सुबह-सुबह संगम स्थल पर पानी के किनारे बैठ सकते हैं। फिर यहां पर शाम की आरती में शामिल हो सकते हैं। वहीं देवप्रयाग के पास में स्थित धारी देवी के दर्शन के लिए जा सकते हैं।

भीमताल

अगर आप नैनीताल के आसपास कोई शांत जगह की तलाश कर रही हैं, तो भीमताल बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। पहाड़ों पर घूमने का प्लान बना रहे लोगों को रास्ते में मिलने वाला ट्रैफिक परेशान कर सकता है। लेकिन भीमताल पहुंचने के बाद आपको सुकून का एहसास होगा। भले ही आपको घूमने के लिए यहां पर ज्यादा जगहें नहीं मिलेंगी। लेकिन भीड़ और ट्रैफिक से राहत मिलेगी। नैनीताल से भीमताल की दूरी करीब 24 किमी की दूरी स्थित है। यहां पर पहुंचने में करीब 1 घंटे का समय लगेगा।

मसूरी से 84 किमी दूर यह हिल स्टेशन प्रकृति प्रेमियों के लिए है स्वर्ग, आप भी प्लान करें ट्रिप

देहरादून से करीब 33 किमी दूर स्थित मसूरी उत्तराखंड का एक फेमस और खूबसूरत हिल स्टेशन है। दिल्ली एनसीआर से लेकर देश के अन्य कई राज्यों से भी पर्यटक मसूरी घूमने के लिए पहुंचते हैं। कुछ लोग मसूरी की कुछ फेमस जगहें हैप्पी वैली या धनौल्टी को एक्सप्लोर करते हैं। लेकिन 85 किमी दूर स्थित बरनीगढ़ जैसी बेहतरीन और अद्भुत जगह को भूल जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी मसूरी जाने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको बरनीगढ़ को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बरनीगढ़ की खासियत से लेकर इसकी खूबसूरती और आसपास मौजूद कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आप चाहें को वीकेंड पर बरनीगढ़ को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कहां है बरनीगढ़

बरनीगढ़ की खासियत और इस जगह की खूबसूरती को जानने से पहले आपको बता दें कि इस जगह को कई लोग बर्नीगाड और बरनीगाड के नाम से भी जाना जाता है। यह उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में पड़ता है। यह उत्तरकाशी जिले से करीब 32 किमी दूर है।

बरनीगढ़ मसूरी और चकराता हिल स्टेशन से लगभग 108 किमी, बड़कोट से 35 किमी और देहरादून से करीब 129 किमी दूरी पर स्थित है।

क्यों फेमस है बनीरगढ़

मसूरी और देहरादून की भीड़-भाड़ से दूर शांत बरनीगढ़ को शांत और मनमोहक वादियों के लिए जाना जाता है। यह उत्तरकाशी जिले का एक छिपा हुआ खजाना माना जाता है। मानसून में यहां की खूबसूरती देखने लायक होती है।

यहां पर घास के मैदान, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, नदी और झरने आदि बरनीगढ़ की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। अपनी खूबसूरती के कारण यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग मानी जाती है। बरनीगढ़ उत्तराखंड की पारंपरिक लाइफस्टाइल के लिए जाना जाता है।

पर्यटकों के लिए खास है बरनीगढ़

यह जगह पर्यटकों के लिए कई चीजों के लिए फेमस माना जाता है। जो लोग मसूरी की भीड़ या ट्रैफिक आदि में नहीं फंसना चाहते हैं, तो उनके लिए बरनीगढ़ जन्नत की तरह माना जाता है। यह जगह अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। बरनीगढ़ अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर प्रेमियों के लिए परफेक्ट माना जाता है। यहां पर आप हाइकिंग, ट्रेकिंग और कैम्पिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। साथ ही आप बरनीगढ़ में यादगार फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

आप बरनीगढ़ में पांडव निर्मित प्राचीन शिव मंदिर के साथ बरनीगढ़ व्यू पॉइंट देख सकती हैं। बरनीगढ़ के आसपास आप खाबला गांव, लाखा मंडल मंदिर, नौवगांव, कलोगी गांव और देवल व्यू पॉइंट जैसी बेहतरीन और शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

ऐसे पहुंचे मसूरी से बरनीगढ़

बता दें कि मसूरी से बरनीगढ़ पहुंचना काफी आसान है। आप मसूरी में गांधी चौक से कैब या टैक्सी लेकर जा सकती हैं। या आप चौक से स्कूटी रेंट पर लेकर बरनीगढ़ पहुंच सकती हैं। स्कूटी का प्रतिदिन का किराया 500 रुपए के आसपास होता है।

दिल्ली से 400 किमी दूर यह हिल स्टेशन स्वर्ग से नहीं है कम, वीकेंड पर बनाएं ट्रिप का प्लान

जब भी लोग हिल स्टेशन की बात करते हैं, तो शिमला, मसूरी और मनाली जैसे नाम जहन में आते हैं। लेकिन इन जगहों पर पर्यटकों की भीड़ होती है, ऐसे में अगर आप शांत और प्राकृतिक खूबसूरती की तलाश में हैं, तो हिमाचल प्रदेश की कम जानी-पहचानी लेकिन बेमिसाल जगह बरोट घाटी घूमने के लिए जा सकते हैं। दिल्ली से बरोट घाटी की दूरी करीब 400 किमी है। यह जगह इतनी शांत, हरी-भरी और सूरम्य है कि आप यहां पर पहुंचकर कहेंगे कि यह असली स्वर्ग है।

बरोट घाटी में बहुत शांति है और यहां का नजारा बेहद सुंदर, प्रकृति के करीब और झरनों की आवाज से भरी है। यहां पर इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क सीमित है। जिससे आप रिलैक्स कर सकते हैं। यहां के सस्ते होमस्टे, सादगी भरे और हिमाचली संस्कृति से जुड़े होते हैं। आप सिर्फ दो दिन के वीकेंड ट्रिप पर हिमाचल प्रदेश के बरोट घाटी को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कहां है बरोट घाटी

बता दें कि हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बरोट घाटी स्थित है। इसको %मिनी स्विटजरलैंड% भी कहा जाता है। हालांकि यह एक ऑफबीट डेस्टिनेशन है। जो कि घने देवदार के जंगल, झरने, उहल नदी और ट्रेकिंग ट्रेल्स के लिए जाना जाता है। यहां पर घूमने के सबसे अच्छा समय मार्च से जून और सर्दियों में अक्तूबर से नवंबर के बीच होता है।

ऐसे पहुंचे बरोट घाटी

राजधानी दिल्ली से बरोट घाटी की दूरी करीब 400-450 किमी है। हालांकि यहां पहुंचना सस्ता, आसान और एडवेंचर से भरा है। यहां आने के लिए ट्रेन या बस से पठानकोट या फिर जोगिंदरनगर तक जा सकते हैं। फिर आगे का रास्ता आपको टैक्सी से तय करना होगा।

सबसे पहले दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे से एचआरटीसी की बस से जोगिंदर नगर पहुंचे। इसका किराया 800-900 रुपए हो सकता है। रात की बस लें, जिससे कि सुबह तक जोगिंदर नगर पहुंच जाएं। अब जोगिंदर नगर में पहुंचकर ब्रेकफास्ट करें और फिर बरोट घाटी के लिए स्थानीय बस से यात्रा करें। जोकि सुबह के समय आसानी से मिल जाती है। इसका किराया करीब 80 रुपए होगा। जोगिंदर नगर से बरोट घाटी की दूरी करीब 30 किमी है।

बरोट घाटी ट्रिप की योजना

ट्रिप के पहले दिन दोपहर तक जोगिंदर नगर पहुंचकर होम स्टे में फ्रेश होकर घूमने के लिए निकल जाएं। पहले दिन आप ब्रिटिश काल का डैम देखने के लिए जा सकते हैं। यह डैम अंग्रेजों के समय का बना है, जो आज भी अपनी सुंदरता और इंजीनियरिंग से चौंकाता है।

इसके बाद आप प्राकृतिक फव्वारा और आसपास के गांव की सैर करने जा सकते हैं। यहां पर छोटे-छोटे गांव, साफ हवा और पगडंडियों के बीच घूमना मन को शांति देता है। फिर वापस आकर होम स्टे में आराम करें।

यहां घूमें दूसरे दिन

अगले दिन सुबह जल्दी उठकर लापास जलप्रपात के लिए निकल जाएं। साथ ही यहां पर झरने के पास बैठकर चाय और मैगी का लुत्फ उठाना न भूलें। इसके अलावा पास का लापास गांव भी घूमें। जहां पर आपको अनोखा देसी हीटर देने को मिलेगा।

लापास गांव से लौटने के दौरान शॉर्टकट रास्ते से चोकड़ी बारोट वैली जाएं। यहां पर रास्ते में आपको घाटियां, घने देवदार के जंगल और एक बहती हुई जलधारा आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। नेचुरल फ्रीजर और ट्राउट फिश फार्म जैसे कई अनूठे नजारे आपकी इस ट्रिप को यादगार बना देंगे।

इस ट्रिप के दौरान बरोट की अनोखी विरासत के दीदार करना न भूलें। यहां पर एक ऐसी पुरानी कोठी डॉटर्स हाउस है, जिसको ब्रिटिश दौर में एक बेटी को उपहार दिया गया था। वर्तमान समय में यह कोठी टूरिस्ट होमस्टे में बदल चुकी है। आप चाहें तो यहां रुक भी सकते हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.54 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 96.34 प्रति डॉलर पर खुला।

वहीं गत दिवस ये 96.27 पर बंद हुआ था। कच्चे तेज की कीमतों में आई तेजी से भी रुपये पर दबाव आया है। । वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने से भी एशिया की अधिकतर मुद्राओं की तरह रुपया भी दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे भी रुपये पर दबाव बना।

डॉलर जुटाने के लिए सरकार की महामुहिम, बैंकों को मिले टारगेट

आरबीआई की रियायती स्वैप योजना से 20.72 अरब डॉलर का प्रवाह, वित्त मंत्रालय ने तय किए बैंकों के लिए एफसीएनआर-बी लक्ष्य

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विदेशी मुद्रा आकर्षित करने के लिए शुरू की गई रियायती स्वैप योजना ने शानदार शुरुआत की है। 17 जुलाई तक इस योजना के तहत 20.72 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आकर्षित हुआ है, जिसमें विदेशी मुद्रा अनिवासी भारतीय (बैंक) जमा यानी (एफसीएनआर-बी) का बड़ा योगदान है। इस गति को बनाए रखने के लिए वित्त मंत्रालय ने अब बैंकों के लिए 30 सितंबर तक एफसीएनआर-बी जमा जुटाने के विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित कर दिए हैं, जो इस योजना की अंतिम तिथि भी है। सरकार का लक्ष्य विभिन्न उपायों से कुल 90 अरब डॉलर जुटाना है, जिसे पूरा करने के लिए बैंकों पर दबाव बढ़ गया है।विदेशी मुद्रा प्रवाह का प्रदर्शनः आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, रियायती स्वैप योजनाओं ने 17 जुलाई तक कुल 20.72 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया है। इसमें एफसीएनआर-बी योजना से 17.4 अरब डॉलर, विदेशी मुद्रा उधारी (ओएफसीबी) से 1.97 अरब डॉलर और बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) की स्वैप सुविधा से 1.34 अरब डॉलर का प्रवाह शामिल है। ये आंकड़े जून में घोषित मौद्रिक नीति समीक्षा के उपायों की सफलता को दर्शाते हैं, जिनका उद्देश्य भुगतान संतुलन को मजबूत करना और पूंजी अंतर्वाह को प्रोत्साहित करना था। वित्त मंत्रालय का हस्तक्षेप और बैंकों के लक्ष्यः विदेशी मुद्रा प्रवाह को और गति देने के लिए, वित्त मंत्रालय ने वित्तीय सेवा विभाग के माध्यम से सरकारी बैंकों को एफसीएनआर-बी जमा जुटाने के लिए विशिष्ट लक्ष्य सौंपे हैं। बैंकों को विदेशी मुद्रा प्रवाह को आकर्षित करने के लिए आक्रामक रणनीतियाँ तैयार करने का निर्देश दिया गया है। इंडियन ओवरसीज बैंक ने अपने एफसीएनआर-बी जमा लक्ष्य को बढ़ाकर 60-65 करोड़ डॉलर कर दिया है, जो पहले 50 करोड़ डॉलर था। इसके अतिरिक्त आईओबी विदेशी मुद्रा उधारी से 35-40 करोड़ डॉलर अतिरिक्त जुटाने का लक्ष्य बना रहा है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने एफसीएनआर-बी जमा के रूप में 40 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।योजना की समय-सीमा और बाजार का आकलनः एफसीएनआर-बी विंडो 30 सितंबर तक उपलब्ध है, लेकिन इसके लिए विशिष्ट जमा जुटाने की अंतिम तिथि 30 सितंबर है। वहीं ओएफसीबी और ईसीबी सुविधाएं 31 दिसंबर तक उपलब्ध रहेंगी। बाजार विशेषज्ञों ने इस योजना के प्रदर्शन को उत्साहजनक बताया है, खासकर विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ऊंची ब्याज दरों के बावजूद अच्छे अंतर्वाह के कारण। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की ए क अर्थशास्त्र अनुसंधान प्रमुख के अनुसार प्रवाह अपेक्षाओं के अनुरूप हैं और आंकड़े उत्साहजनक हैं। सितंबर के अंत तक एक सार्थक राशि सुनिश्चित करने के लिए गति में निरंतरता या आगे वृद्धि की निगरानी करना महत्त्वपूर्ण है।

हैवेल्स ने पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया, लॉयड कंज्यूमर सेगमेंट ने किया निराश

कच्चे माल और विज्ञापन पर ज्यादा खर्च की वजह से मुनाफे पर पड़ा असर

नई दिल्ली, ।

कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल और ड्यूरेबल्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हैवेल्स इंडिया ने पहली तिमाही में राजस्व के मामले में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन उसका परिचालन प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। जहां केबल और वायर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और अक्षय ऊर्जा कारोबार की वजह से राजस्व वृद्धि अच्छी रही, वहीं लॉयड कंज्यूमर सेगमेंट ने निराश किया। हालांकि कच्चे माल और विज्ञापन पर ज्यादा खर्च की वजह से मुनाफे पर असर पड़ा, लेकिन उम्मीद है कि दूसरी तिमाही में मार्जिन में सुधार होगा, जिसका कारण कीमत वृद्धि और विपणन खर्च सामान्य होना है। पिछले छह महीनों में इस शेयर का प्रदर्शन बीएसई 100 के मुकाबले काफी खराब रहा है। इस दौरान इसमें 16 फीसदी की गिरावट आई, जबकि प्रमुख सूचकांक में 4 फीसदी की कमजोरी रही।रिपोर्ट के मुताबिक ब्रोकरेज कंपनी की लंबी अवधि की संभावनाओं को लेकर सकारात्मक है और उसने 'खरीदें' रेटिंग बरकरार रखी है, लेकिन कीमत लक्ष्य को घटाकर 1,379 रुपए कर दिया है। कंपनी ने जून तिमाही में सालाना आधार पर 19.7 फीसदी की राजस्व वृद्धि दर्ज की। इसमें सभी श्रेणियों में मजबूत मांग का योगदान शामिल रहा। राजस्व में यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से केबल और वायर सेगमेंट में 27 फीसदी की सालाना बढ़त और उसके बाद लॉयड के राजस्व में 15 फीसदी वृद्धि की वजह से हुई। अन्य सेगमेंट में इलेक्ट्रिकल कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और लाइटिंग ने क्रमशः 12 फीसदी और 4 फीसदी की सालाना राजस्व बढ़ोतरी दर्ज की, लेकिन कम निर्यात के कारण स्विचगियर सेगमेंट में 3 फीसदी की सालाना गिरावट आई।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतें बढ़ती जा रही हैं। बुधवार को भी इन दोनो ही कीमती धातुओं में तेजी रही। आज एमसीएक्स पर 10 ग्राम सोने की कीमतें 1597 रुपए की तेजी के साथ 1,44,480 रुपए पर पहुंच गयीं। वहीं चांदी की कीमत में भी करीब 2376 रुपए की तेजी रही। अब एक किलोग्राम चांदी 2,26,155 रुपए पर आ गयी है।

वहीं सर्राफा बाजार में मंगलवार को हाजिर मांग में तेजी और मजबूत वैश्विक रुख के कारण सोने की कीमतों में 800 रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 800 रुपए बढ़कर 1,47,700 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई। सोमवार को यह 1,46,900 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी की कीमत 2,21,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर बनी रहीं। पर स्थिर रही।

यूपीआई का अगला पड़ाव, अब बिना इंटरनेट भी करें पेमेंट!

हवाई जहाज से मेट्रो तक, हर जगह चलेगा यूपीआई

नई दिल्ली।

भारत में डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव आने वाला है, जहां यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) एक नई क्रांतिकारी क्षमता के साथ ऑफलाइन भुगतान की सुविधा प्रदान करेगा। यह सुविधा उन ग्राहकों और व्यापारियों के लिए गेम-चेंजर साबित होगी जिनके पास लेनदेन के समय इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध नहीं होगा। घटनाक्रम से अवगत कम से कम तीन लोगों ने इसकी जानकारी दी है।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा विकसित की जा रही इस तकनीक से उपयोगकर्ता हवाई जहाजों, भूमिगत मेट्रो और दूरदराज के क्षेत्रों में भी नियर फील्ड कम्युनिकेशन (एनएफसी) का उपयोग करके पीओएस (पॉइंट ऑफ सेल) टर्मिनलों पर टैप एंड पे कर सकेंगे। यह नई क्षमता विशेष रूप से तब काम आएगी जब ग्राहक के उपकरण या व्यापारी के पीओएस टर्मिनल पर इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध न हो। इससे हवाई जहाज के भीतर या भूमिगत मेट्रो स्टेशनों जैसी जगहों पर भुगतान करना बेहद आसान हो जाएगा। जानकारी के अनुसार एनपीसीआई इस वर्ष देश के प्रमुख व्यापारी टर्मिनल विनिर्माताओं के पीओएस उपकरणों को प्रमाणित करने की तैयारी में है ताकि ऑफलाइन यूपीआई भुगतान को व्यापक रूप से उपयोग में लाया जा सके। उपयोगकर्ता एनएफसी तकनीक का लाभ उठाते हुए, ऑफलाइन व्यापारी टर्मिनलों पर अपने डिवाइस को टैप करके भुगतान कर सकेंगे। इन लेनदेन की सीमा 2,000 रुपए तक होगी। यह अनुभव बिल्कुल वैसा ही होगा जैसा उपयोगकर्ता वर्तमान में कार्ड-टैप के माध्यम से उड़ानों या अन्य ऑफलाइन सेटिंग्स में करते हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 715, निफ्टी 191 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आयी है। इसके अलावा अमेरिका के आयातित जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ लगाने की योजना से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इससे दवा कंपनियों के शेयरों में खासी गिरावट आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 715.06 अंक टूटकर 76,755.05 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 191.45 अंक नीचे आकर 23,996.25 अंक पर बंद हुआ।

आज बाजार में आई गिरावट से बाजार पूंजीकरण 4 लाख करोड़ रुपये नीचे आकर र 480 लाख करोड़ रुपये ही रह गया। जिससे भी निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। आज सेंसेक्स के 30 में से 23 शेयरों में गिरावट रही। एक्सिस बैंक, इन्फोसिस, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस, अडानी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा के शेयर गिरे। वहीं दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावरग्रिड, एनटीपीसी, टाइटन, एशियन पेंट्स, आईटीसी के शेयरों में तेजी रही।

आज दवा कंपनियों के शेयरों तें जबरदस्त गिरावट आई। सन फार्मा का शेयर 0.98 फीसदी गिरावट के साथ 1942.95 रुपये पर बंद हुआ। डॉ रेड्डीज लैब का शेयर 1.95 फीसदी गिरकर 1183 रुपये पर बंद हुआ। अरबिंदो फार्मा का शेयर भी 1.99 फीसदी नीचे 1549 रुपये पर बंद हुआ।

निफ्टी में इंडिगो, डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेटरीज और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में भी गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा गिरावट आई। वहीं, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई।

वहीं इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में करीब 388 अंक की गिरावट के साथ 77,081 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी गिरावट के साथ ही 24,100 अंक के आसपास बना रहा।

महाराष्ट्र सरकार ला रही है देश का पहला ब्लॉकचेन लैंड कानून

अब जमीन के मूल्य के आधार पर जारी टोकन के जरिए होंगे लेन-देन

नई दिल्ली।

महाराष्ट्र सरकार ने 'महाराष्ट्र डिजिटाइजेशन ऐंड एक्सचेंज ऑफ लैंड टोकन ऐसेट' (डेल्टा) अधिनियम पर कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है। इस अधिनियम का मकसद अचल संपत्तियों का ब्लॉकचेन-आधारित टोकनाइजेशन करना है। टोकनाइजेशन जानकारियां सुरक्षित रखने की प्रक्रिया है जिसमें संवेदनशील जानकारियां टोकन में तब्दील कर दी है। राज्य सरकार जमीन की वास्तविक क्षमता या अव्यक्त मूल्य का लाभ लेने और साल 2030 तक 1 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह में राजस्व के नए स्रोत तैयार करना चाह रही है। सोमवार को राज्य के सीएम देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई बैठक में राज्य ने प्रस्तावित अधिनियम के मसौदे पर चर्चा की।

इस अधिनियम का मकसद ब्लॉकचेन तकनीक का इस्तेमाल कर जमीन से जुड़ी जानकारियों के डिजिटलीकरण टोकनाइजेशन के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करना है। सीएमओ की तरफ से जारी एक वक्तव्य के मुताबिक फडणवीस ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अचल संपत्तियों की अव्यक्त मूल्य का इस्तेमाल जनहित में करने के लिए नया कानून प्रस्तावित करें। इस समिति में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी), बीएसई और एनएसई के प्रतिनिधियों के साथ-साथ इस क्षेत्र की जानकारी रखने वाले विशेषज्ञ और अनुभवी पेशेवर शामिल होंगे। प्रस्तावित कानून का मकसद एक पूर्ण डिजिटल ढांचा तैयार करना जिसमें अचल संपत्तियों को उनके असल मूल्य के आधार पर टोकन में बदला जा सके।

इससे ब्लॉकचेन तकनीक के जरिये लेन-देन हो सकेंगे जिसमें जमीन के मूल्य के आधार पर जारी किए गए टोकन के जरिए से लेन-देन होंगे।सरकार ने कहा कि इस कानूनी ढांचे का मकसद ऐसे लेन-देन को कानूनी सुरक्षा देना और जायदाद के मालिकाना हक को लेकर स्पष्टता लाना है। फडणवीस ने अधिकारियों से यह भी कहा कि वे कानून को अंतिम रूप देने से पहले परिसंपत्ति टोकेनाइजेशन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय कानूनों, नियमों और काम-काज के तरीकों का अध्ययन करें।

सरकार के मुताबिक अगर महाराष्ट्र इस प्रस्ताव पर आगे बढ़ता है तो वह इस तरह का कानून लाने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा।

सीएम ने कहा कि प्रस्तावित कानून सुधारों के मोर्चे पर अग्रणी रहने के महाराष्ट्र के इतिहास को मजबूती से आगे बढ़ाना चाहिए।उन्होंने कहा कि इस नए कानून की मदद से राज्य को शासन और आर्थिक विकास के लिए नई तकनीक अपनाने में भी सक्षम होना चाहिए।

दवा कंपनी ल्यूपिन ने दो ऑन्कोलॉजी कार्यक्रमों को अलग करने की घोषणा की

वैश्विक क्लीनिकल परीक्षणों के जरिये वित्तीय सहायता के लिए बाहर से जुटाएगी फंड

नई दिल्ली, ।

मुंबई की दवा विनिर्माता कंपनी ल्यूपिन ने दो ऑन्कोलॉजी कार्यक्रमों को अलग करने की घोषणा की है। अब ये कार्यक्रम कावेरी थेराप्यूटिक्स में रहेंगे। कावेरी थेराप्यूटिक्स अमेरिका की क्लीनिकल चरण वाली कंपनी है। वह वैश्विक क्लीनिकल परीक्षणों के जरिये उनके विकास की वित्तीय सहायता के लिए बाहर से पूंजी जुटाएगी। दो प्रायोगिक दवाओंङ्क एलएनपी7457 और एलएनपी8701 का एडवांस्ड सोलिड ट्यूमर वाले रोगियों में अध्ययन किया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक एलएनपी7457 एक प्रोटीन पीआरएमटी5 को अवरुद्ध करती है, जो कुछ कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने में मदद करता है, जबकि एलएनपी8701 ट्यूमर के विकास से जुड़े आरएएस सिग्नलिंग मार्ग को निशाना बनाती है। कावेरी का शुरुआती ध्यान फेफड़े, अग्नाशय और डिम्बग्रंथि के कैंसर के साथ-साथ केंद्रीय तंत्रिका तंत्र से जुड़े कैंसर पर होगा।

इस समझौते के तहत दवा विनिर्माता की पूर्ण स्वामित्व वाली अमेरिकी सहायक कंपनी ल्यूपिन इंक कावेरी में अहम इक्विटी हिस्सेदारी बरकरार रखेगी, शुरुआती वित्तीय सहायता देगी और कंपनी को ये दो कार्यक्रम विकसित करने के लिए विशेष अधिकार देगी। ल्यूपिन ने अपनी हिस्सेदारी के आकार, सीड फंडिंग की राशि या लेनदेन की अन्य वित्तीय शर्तों का खुलासा नहीं किया है। कावेरी एक स्वतंत्र इकाई के रूप में काम करेगी और क्लीनिकल विकास की वित्तीय सहायता के लिए अतिरिक्त पूंजी जुटाएगी। यह संरचना ल्यूपिन को परिसंपत्तियों में आर्थिक हित बनाए रखने की अनुमति देती है।

बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड के अब बदलेंगे दिन, सेबी के नए नियम के बाद नई स्कीमें होंगी लॉन्च

नई दिल्ली, ।

बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड अभी तक 1,000 करोड़ रुपए से थोड़ी ज़्यादा परिसंपत्ति वाले सबसे छोटे म्युचुअल फंड हैं, अब इनके दिन बदलने वाले हैं।

ऐसा इसलिए है कि फंड कंपनियां नई योजनाएं शुरू करने की तैयारी में हैं। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्युचुअल फंड ने हाल ही में इस श्रेणी में एक स्कीम लॉन्च की है

जबकि एसबीआई और कोटक फंड को इस संबंध में नियामकीय मंजूरी मिल गई है। वे जल्द ही अपनी स्कीम लॉन्च करेंगे। सेबी की 2017 की योजना श्रेणीकरण प्रक्रिया के बाद से यह श्रेणी हाशिये पर रही है। इस प्रक्रिया के तहत फंड कंपनियों को एग्रेसिव हाइब्रिड फंड और बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड में से किसी एक को चुनना था।ज्यादातर फंड हाउस ने एग्रेसिव हाइब्रिड स्कीम को चुना क्योंकि इनमें कम से कम 65 फीसदी इक्विटी निवेश किया जा सकता है,

जिससे उनको कर के मकसद से इक्विटी-ओरिएंटेड फंड की पात्रता मिल जाती है। बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड, इक्विटी और डेट में 40-60 फीसदी निवेश करते हैं। वे इक्विटी निवेश बढ़ाने के लिए आर्बिट्राज का इस्तेमाल नहीं करते हैं

और इसलिए उन पर नॉन-इक्विटी फंड के तौर पर टैक्स लगता है, लेकिन 2024 में पूंजीगत लाभ कर में बदलावों के बाद कर से जुड़ा नुकसान कम हो गया है।

अब बैलेंस्ड हाइब्रिड फंडों पर दो साल तक होल्ड करने के बाद लंबी अवधि के पूंजीगत लाभ पर 12.5 फीसदी कर लगता है, जिससे इनकी कर दर इक्विटी फंडों के बराबर हो गई है,

लेकिन इक्विटी योजनाओं के लिए होल्डिंग का समय एक साल से ज्यादा होना जरूरी है। कर संबंधी नुकसान कम होने के बावजूद फंड हाउस संतुलित हाइब्रिड फंड लॉन्च करने में असमर्थ थे क्योंकि ज्यादातर फंड हाउस पहले से ही आक्रामक हाइब्रिड योजनाएं पेश कर दी थीं। इस साल की शुरुआत में सेबी ने फंडों को दोनों श्रेणियों की योजनाएं पेश करने की अनुमति दे दी जिसके बाद से स्थिति बदल गई। उद्योग जगत के जानकारों का कहना है कि बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के समान दिखने के बावजूद इस श्रेणी की हाइब्रिड फंडों के बीच खास विशेषता है।

2028 से आयातित जेनेरिक दवाओं पर भारी आयात शुल्क लगाएगा अमेरिका

ट्रंप ने कहा-100 फीसदी लगाएंगे शुल्क, इस फैसले से भारत पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, ।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि अमेरिका अगस्त 2028 से आयातित जेनेरिक दवाओं पर भारी आयात शुल्क लगाएगा। उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद जेनेरिक दवाओं के उत्पादन को दोबारा अमेरिका में बढ़ावा देना है। इस फैसले का असर भारत पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्यातक है। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि 1 अगस्त 2026 से अमेरिका में आयात होने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर अगले दो सालों तक कोई आयात शुल्क नहीं लगाया जाएगा। इसके बाद एक साल के लिए 100 फीसदी शुल्क लगाया जाएगा और उसके बाद इसे बढ़ाकर 200 फीसदी कर दिया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि जेनेरिक दवाओं का उत्पादन दोबारा अमेरिका में शुरू हो, जिन कंपनियों को तय समय के अंदर अमेरिका में अपने संयंत्र और उपकरण स्थापित नहीं करेंगे, उन्हें इस शुल्क का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने कहा कि इस नीति का मसकद अमेरिका के लोगों के हितों की रक्षा करना है। ट्रंप ने यह भी साफ किया कि पेटेंट वाली, ब्रांडेड या नवोन्मेषी दवाओं से जुड़ी मौजूदा नीति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। ट्रंप लगातार दवा कंपनियों से अपनी उत्पादन इकाइयां अमेरिका में स्थापित करने की अपील करते रहे हैं। इसी दिशा में उनकी सरकार ने अप्रैल 2025 में ट्रेड एक्सपेंशन एक्ट के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर दवा उद्योग की जांच भी शुरू की थी। इस जांच का मकसद यह आकलन करना था कि आयातित दवाओं पर अमेरिका की निर्भरता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए कितना जोखिम पैदा करती है।

भारत को दुनिया के कई देशों को जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में भारत ने अमेरिका को 9.7 अरब डॉलर मूल्य की दवाओं का निर्यात किया।

नकदी अंतरण योजनाओं ने लाभार्थियों की बचत और व्यय में काफी इजाफा किया

कई राज्य अब बड़े पैमाने पर लाभार्थी डेटाबेस की छंटाई कर रहे, बढ़ी चिंता

नई दिल्ली, ।

चंद सप्ताह पहले पीएम मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के एक कार्यपत्र में पाया गया कि महाराष्ट्र और ओडिशा में महिलाओं पर केंद्रित नकदी अंतरण योजनाओं ने लाभार्थियों की बचत और व्यय में काफी इजाफा हुआ और इसके साथ ही परिवार के अन्य सदस्यों की वित्तीय स्थिति में भी सुधार आया।

भारत में 'महिलाओं को बिना शर्त नकदी अंतरण कार्यक्रमः महाराष्ट्र और ओडिशा के प्रमाण' शीर्षक वाले इस पत्र में पाया कि महाराष्ट्र की मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण योजना के कारण महीने के अंत में लाभार्थियों के बैंक खाते में बची राशि में 84 फीसदी या करीब 6,884 रुपए बढ़े जबकि मासिक व्यय 46 फीसदी यानी 1,349 रुपए बढ़ा।ओडिशा की सुभद्रा योजना के कारण मासांत की बैंक खाता राशि 45 फीसदी बढ़कर 6,887 रुपए हो गई जबकि व्यय में 28 फीसदी यानी 1,920 रुपए की बढ़त हुई। ये नतीजे इस बात पर बल देते हैं

कि महिलाओं को नियमित नकद अंतरण तमाम सामाजिक-आर्थिक संकेतकों पर सुधार दर्शाता है।कुछ साल पहले नैशनल ब्यूरो ऑफ इकनॉमिक रिसर्च के एक कार्यपत्र 'लैंगिक समानता और बाल विकास के लिए मातृत्व नकदी अंतरणः भारत में प्रयोगों के प्रमाण' ने बड़े पैमाने पर किए गए यादृच्छिक मूल्यांकन के आधार पर पाया कि नकद अंतरण प्राप्त करने वाले परिवारों में माताओं और बच्चों के कैलोरी सेवन में 9.6–15.5 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई। साथ ही आहार विविधता और पोषक तत्वों की खपत में भी सुधार हुआ।रिपोर्ट के मुताबिक भोजन की खपत में लैंगिक असमानताएं भी कम हुई। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि बच्चों के कार्यात्मक विकास में उल्लेखनीय सुधार हुआ, हालांकि औसत रूप से ऊंचाई और वजन आदि में सुधार नहीं हुआ।

एआई नियम अब और होंगे सख्त! डेटा अधिकार में बड़े बदलाव पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली, ।

केंद्र सरकार आईटी एक्ट, 2000 और इंडिया एआई गवर्नेंस गाइडलाइंस की समीक्षा कर रही है ताकि इनमें कमियों की पहचान की जा सके। सूत्रों के मुताबिक इन कमियों को दूर करने के लिए प्रस्तावित नए एआई कानून में जरूरी प्रावधान किए जाएंगे, जिस पर सरकार काम कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक सबसे अहम मुद्दों में से एक यह है कि फ्रंटियर एआई मॉडल और टूल्स विकसित करने वाली कंपनियों की जिम्मेदारी तय करने का ढांचा कैसा हो और क्या उन्हें भी सेफहार्बर का कानूनी संरक्षण दिया जाना चाहिए। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि इसका ढांचा कैसा होना चाहिए। अभी सामान्य समझ यह है कि ये सभी कंपनियां इंटरनेट इंटरमीडियरी की व्यापक श्रेणी में आती हैं, लेकिन केवल यह कहना कि वे सिर्फ एक टूल उपलब्ध कराती हैं।

और उस टूल से तैयार होने वाले कंटेंट के लिए जिम्मेदार नहीं हैं, उचित तर्क नहीं माना जा सकता।सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित एआई कानून में सिंथेटिक मीडिया के रेगुलेशन, फ्रंटियर एआई मॉडल और टूल्स के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डेटा पर सहमति की व्यवस्था और लार्ज लैंग्वेज मॉडल व स्मॉल लैंग्वेज मॉडल द्वारा प्रोसेस किए गए डेटा के मालिकाना हक जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो रही है। इस साल की शुरुआत में सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में 10 सदस्यीय एआई गवर्नेंस एंड इकोनॉमिक ग्रुप का गठन किया था। इसके अलावा एआईजीईजी के तहत टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी एक्सपर्ट कमेटी भी बनाई गई।

सीरीज शुरू होने से एक दिन पहले जिम्बाब्वे ने घोषित की टीम, त्सिगा को मौका

हरारे, एजेंसी। भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम का एलान कर दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों के बीच पहला मैच गुरुवार को होगा और इससे एक दिन पहले ही टीम घोषित हुई है। 15 सदस्यीय टीम में पहली बार विकेटकीपर बल्लेबाज तफादजवा त्सिगा को शामिल किया गया है। इसके साथ ही ऑलराउंडर वेस्ली मधेवेरे और पेसर न्यूमैन न्यामहुरी की जिम्बाब्वे टी20 टीम में वापसी हुई है।

ये तीनों खिलाड़ी क्लाइव मडेंडे, टिनोटेंडा मापोसा और ताशिंगा मुसेकिवा की जगह टीम में आए हैं, जो हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ खेलने वाली टीम का हिस्सा थे। टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 23 जुलाई को खेला जाना है। वहीं, दूसरा मैच 25 जुलाई और अंतिम मैच 26 जुलाई को होगा। सीरीज के सभी मुकाबलों की मेजबानी हरारे का हरारे स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा।

जिम्बाब्वे की ओर से 10 टेस्ट मैच खेल चुके त्सिगा ने अब तक सफेद गेंद की क्रिकेट में अपना डेब्यू नहीं किया है। बांग्लादेश सीरीज के दौरान टेस्ट और वनडे टीम में शामिल रहे मधेवेरे जुलाई 2025 के बाद पहली बार टी20 टीम में लौटे हैं। वह अब तक जिम्बाब्वे की ओर से कुल 79 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। वहीं, न्यामहुरी चोट से उबरने के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं। चोट के चलते वह बांग्लादेश के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में

टीम का हिस्सा नहीं रहे थे। न्यामहुरी की जगह बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लेने वाले तनाका चिवांगा टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं।

सिकंदर रजा करेंगे अगुआई

टीम की कमान सिकंदर रजा के हाथों में सौंपी गई है। बांग्लादेश के खिलाफ रजा की अगुआई में जिम्बाब्वे का प्रदर्शन शानदार रहा था। टीम ने एकमात्र टेस्ट और वनडे सीरीज को दमदार प्रदर्शन करते हुए अपने नाम किया था। हालांकि, टी20 सीरीज में जरूर जिम्बाब्वे को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। मेजबान टीम के सामने भारत की मुश्किल चुनौती होगी। हालांकि, टीम इंडिया को हाल ही में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा है। भारत और जिम्बाब्वे की आखिरी भिड़ंत टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 स्टेज में हुई थी, जहां भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराया था।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, तनाका चिवांगा, बेन करन, ब्रैड इवांस, वेस्ली मधेवेरे, तदीवानाशे मारुमानी (विकेटकीपर), वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्लेसिंग मुजारबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा, और तफादजवा त्सिगा (विकेटकीपर)।

लगातार तीसरा स्वर्ण जीतने पर टिकीं मीराबाई चानू की निगाहें, 48 किलो वर्ग में होगा आखिरी टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू ग्लासगों में 26 जुलाई को इतिहास रचने उत्तरेंगी। चानू लगातार तीसरे राष्ट्रमंडल खेल में स्वर्ण जीतने उतरेंगी, जो उनका लगातार चौथा पदक होगा। फिर भी उनकी निगाहें राष्ट्रमंडल से ज्यादा एशियाई खेलों पर हैं। बर्मिंघम में तैयारी कर रहीं मीरा ने अमर उजाला को बताया कि किसी भी बड़े खेल से पहले खिलाड़ी की कोशिश उच्चस्तरीय फॉर्म पाने की रहती है, लेकिन वह ग्लासगो में ज्यादा जोर नहीं लगाएंगी। उनकी 200 किलो वजन उठाने की भी कोशिश नहीं रहेगी। वह अपनी पीक 19 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों में हासिल करेंगी, जहां उनकी कोशिश अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ (205 किलोग्राम वजन) को पीछे छोड़ने की होगी।

एशियाड में 49 किलो में खेलेंगी चानू

चानू ग्लासगों में 48 किलो में खेलेंगी, जबकि एशियाड में उन्हें 49 किलो में खेलना है। चानू को मालूम है कि यह 48 किलो में उनका अंतिम टूर्नामेंट है। यह भार अब ओलंपिक से बाहर हो गया है। मीरा ने इस भार में साल 2014 में रजत, 2018 में गोल्डकोस्ट में स्वर्ण और 49 किलो में बर्मिंधम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। चानू कहती हैं कि वह फुल लोड नहीं लेकर एशियाड के लिए अच्छी तरह रिकवरी करना चाहती हैं।

चाहकर भी नहीं बन पा रही थीं ध्वजवाहक

चानू पहली बार भारतीय दल की ध्वजवाहक बनने जा रही है। मीरा कहती हैं हैं कि उनका सपना था कि वह किसी खेल के उद्घाटन समारोह में तिरंगा उठाएं। हमेशा उद्घाटन के अगले दिन कंपटीशन रहने के चलते वह चाहकर भी ध्वजवाहक नहीं बन पाती थीं। इस बार कंपटीशन समारोह के बाद है, जिससे उन्हें यह मौका मिल गया। भारतीय टीम के कोच विजय शर्मा के मुताचिक, मीरा के सामने नाइजीरिया की रूथ असोडको और मलयेशिया की इरिन जेन हेनरी की चुनौती हैं। रूथ ने बीते वर्ष भारत में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में 167 किलो से रजत और इरिन ने 161 किलो से कांस्य जीता था। ऐसे में मीरा के सामने यहां बड़ी चुनौती नहीं है।

कुलदीप ने काउंटी क्लब यॉर्कशायर से किया करार

लीड्स। भारतीय टीम के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने बुधवार को इंग्लिश काउंटी क्लब यॉर्कशायर से करार किया है। कुलदीप मौजूदा सीजन में टीम के लिए आठ मुकाबले खेलेंगे। कुलदीप पिछले कुछ समय से भारतीय प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बन रहे हैं। लेकिन अब वह काउंटी क्रिकेट में खेलेंगे। कुलदीप वनडे कप के पांच मैच खेलने के साथ ही तीन लाल गेंद क्रिकेट के मुकाबले खेलेंगे।

यॉर्कशायर क्लब ने अपनी वेबसाइट पर जानकारी देते हुए कहा, यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब को भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को विदेशी खिलाड़ी के तौर पर साइन करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। 31 साल के कुलदीप वन डे क' के पांच मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे और इसके बाद सितंबर में काउंटी चैंपियनशिप के आखिरी चार में से तीन मैचों के लिए हेडिंग्ले लौटेंगे।

यॉर्कशायर से जुड़ने पर उत्सुक कुलदीप

यॉर्कशायर से जुड़ने पर कुलदीप ने कहा, यॉर्कशायर से जुड़कर मुझे बहुत खुशी हो रही है और मैं इस मौके के लिए आभारी हूं। यॉर्कशायर के गौरवशाली इतिहास वाले क्लब का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सचमुच सम्मान की बात होगी। मुझे हमेशा से इंग्लिश कंडिशन्स में खेलने की चुनौती पसंद रही है और मैनेजमेंट से बात करने के बाद मैं टीम से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हो गया हूं।

अनुष्का के साथ वृंदावन पहुंचे कोहली, प्रेमानंद महाराज के किए दर्शन, कीचड़ में नंगे पैर चले

वृंदावन। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली बुधवार को पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन पहुंचे जहां दोनों ने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली इससे पहले आईपीएल 2026 खत्म होने के बाद भी प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। मालूम हो कि आरसीबी ने इस सीजन खिताब अपने नाम किया था। 29 जुलाई को गुरू पूर्णिमा है और इससे पहले ही कोहली ने अनुष्का संग प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए हैं।

कोहली और अनुष्का को श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में नंगे पैर घूमते हुए देखा गया और उनके इस दौरे के वीडियो तेजी

से सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। ऑनलाइन वायरल हो रहे कई वीडियो में इन दोनों को कड़ी सुरक्षा के बीच आश्रम पहुंचते हुए देखा जा सकता है। अनुष्का और विराट दोनों ने ही फेस मास्क पहनकर अपनी पहचान छिपाने की कोशिश की। आश्रम से बाहर निकलते समय विराट और अनुष्का ने हाथ में प्रसाद लिया हुआ था और वे कीचड़ भरे रास्तों पर नंगे पैर चल रहे थे।

प्रेमानंद महाराज के दर्शन लिए अनुष्का ने सिंपल सफेद सलवार-सूट पहना, जबकि विराट टी-शर्ट और पैंट में कैजुअल लुक में नजर आए। प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने से पहले, यह दोनों आश्रम परिसर में घूमते हुए दिखे। कोहली और अनुष्का की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

रोहित ने लगाई लंबी छलांग नंबर-1 की दौड़ हुई रोमांचक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर लॉर्ड्स में खेली गई शानदार 138 रन की पारी का इनाम भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में मिला है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) द्वारा जारी साप्ताहिक रैंकिंग में रोहित 14 रेटिंग अंक की बढ़त के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं और अब वह शीर्ष स्थान की दौड़ में मजबूती से शामिल हो गए हैं।

डेरिल मिचेल का दबदबा

फिलहाल न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 802 रेटिंग अंकों के साथ नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं। भारत के शुभमन गिल 801 अंकों के साथ महज एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली 767 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर कायम हैं। रोहित शर्मा 758 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऐतिहासिक शतक का मिला इनाम

रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक वनडे में 110 गेंदों पर 138 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने 17 चौके और पांच छक्के लगाए। खास बात यह रही कि वह लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। भारत को 388 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करना था। हालांकि रोहित की शानदार पारी के बावजूद टीम इंडिया 27 रन से मुकाबला हार गई और तीन मैचों की सीरीज 1-2 से गंवा बैठी।

संन्यास की अटकलों पर रोहित का जवाब

सीरीज के निर्णायक मुकाबले से पहले रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन उन्होंने अपने बल्ले से सभी सवालों का जवाब दिया। मैच के बाद रोहित ने कहा, 'जब से मैंने डेब्यू किया है, तब से मेरे बारे में बातें होती रही हैं और जब तक मैं खेलूंगा, होती रहेंगी। मेरे लिए सबसे अहम बात मैदान पर प्रदर्शन करना और टीम की सफलता में योगदान देना है। अगर शोर नहीं होगा तो मजा भी नहीं आएगा।'

इंग्लैंड को भी हुआ फायदा

भारत-इंग्लैंड वनडे सीरीज के बाद इंग्लैंड के कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। जो रूट 249 रन बनाने के बाद चार स्थान की छलांग लगाकर आठवें नंबर पर पहुंच गए। बेन डकेट 11 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर पहुंच गए। जैकब बेथेल पांच स्थान की बढ़त के साथ 64वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे ऊपर अफगानिस्तान के राशिद खान पहले और पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे स्थान पर हैं।

भारत के लिए सकारात्मक संकेत

ताजा आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में भारत के तीन बल्लेबाज शुभमन गिल, विराट कोहली और रोहित शर्मा टॉप-4 में शामिल हैं। इससे साफ है कि भारतीय बल्लेबाजी इस समय विश्व क्रिकेट में सबसे मजबूत इकाइयों में से एक बनी हुई है। खास तौर पर गिल और रोहित की हालिया फॉर्म ने नंबर-1 रैंकिंग की जंग को बेहद रोमांचक बना दिया है।

इंग्लैंड में नहीं चला बल्ला, जिम्बाब्वे के खिलाफ दम दिखाने के लिए तैयार वैभव, आत्मविश्वास बरकरार

हरारे। भारतीय बल्लेबाजी के उभरते युवा सितारे वैभव सूर्यवंशी ने स्वीकार किया है कि पिछले चार महीनों में उनके करियर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टी20 सीरीज से पहले वैभव का आत्मविश्वास पूरी तरह से बरकरार है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज होनी है जिसका पहला मैच गुरुवार को हरारे में खेला जाएगा।

टीम में बनाई जगह

15 वर्षीय सूर्यवंशी ने आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत के आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे की टी20 टीम में जगह बनाई थी। बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में दूसरे टी20 में उन्होंने अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। इसके साथ ही वह सचिन तेंदुलकर के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़कर भारत के लिए डेब्यू करने वाले सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन गए।इसके बाद वैभव ने अगले तीन मैच खेले, लेकिन वह केवल मामूली स्कोर ही बना सके। पांचवें और अंतिम टी20 में संजू सैमसन की वापसी के बाद उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। भारत यह सीरीज 0-4 से हार गया। महज तीन पारियों के बाद युवा सलामी बल्लेबाज को बाहर करने के टीम प्रबंधन के फैसले पर कई पूर्व क्रिकेटरों ने सवाल उठाए और आलोचना की। अंतिम मैच से बाहर किए जाने के बाद यह युवा खिलाड़ी भावुक नजर आया था। कम उम्र में ऐसी निराशाओं का सामना करने पर सूर्यवंशी ने बताया कि आसपास के लोगों से मिले समर्थन ने उन्हें आगे बढ़ने और ध्यान केंद्रित करने में मदद की।

प्रक्रिया का पालन जरूरी

सूर्यवंशी ने बीसीसीआई डॉट टीवी से कहा, हां, पिछले चार महीनों में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। यह क्रिकेट का हिस्सा है और ऐसा होता रहेगा। लेकिन मुझे प्रक्रिया का पालन करना है और टीम के लिए अपना 100 प्रतिशत देना है। यह एक स्वाभाविक बात है कि मुझे जिस मार्गदर्शन या अभ्यास की आवश्यकता है, कोच मुझे वह उपलब्ध करा रहे हैं। बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और आत्मविश्वास भी है।फरवरी में भारत के सफल अंडर-19 विश्व कप अभियान में सूर्यवंशी की अहम भूमिका रही थी। इसी मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में उन्होंने महज 80 गेंदों में 175 रनों की तूफानी पारी खेलकर भारत को चैंपियन बनाया था। इस मैदान की यादों को साझा करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक बहुत ही यादगार मैदान है। सिर्फ चार महीने पहले हमने यहां अंडर-19 विश्व कप का फाइनल खेला और जीता था। भारत का प्रतिनिधित्व करना हर किसी का सपना होता है और यह एक बहुत खास पल है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 3956

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3955 का हल

लॉफिंग जौन

एक प्रेमी ने सोचा कि प्रेमिका से विवाह का प्रस्ताव नए अंदाज में किया जाए।

एक दिन प्रेमिका से मुलाकात होने पर उसने कहा- प्रिये! मैं स्वयं को तुम्हें भेंट करना चाहता हूँ।

प्रेमिका ने बुरा सा मुँह बनाकर कहा- मुझे घटिया तोहफे लेने की आदत नहीं हैं।

□ □ □

वकील ने खूबसूरत युवती से पूछा- परसों रात तुम कहाँ थी?

युवती- अपने पड़ोसी के साथ रेस्त्राँ गई थी।

वकील ने दूसरा सवाल पूछा- और कल रात?

युवती- मेरे एक दूसरे पड़ोसी के साथ।

वकील ने धीरे से पूछा- और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है?

दूसरा वकील चिल्लाया- ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड! यह सवाल मैंने पहले ही कर लिया है।

□ □ □

पति, पत्नी से- कल रात मैंने एक बहुत बुरा सपना देखा। मैंने देखा कि मैं सुंदर लड़कियों के झुंड में मौजूद हूँ।

पत्नी- तो यह सपना बुरा कैसे हुआ?

पति बोला- क्योंकि सपने में मैं खुद भी तो एक लड़की ही था।

फिल्म वर्ग पहेली- 3956

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२० 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-3955

सूडोकु -3956

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3955 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली -3956

बाएँ से दाएँ

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली -3955 का हल

मेलेनोमा कैंसर के बड़े कारणों के पीछे जीन्स भी हैं जिम्मेदार

शोध में हुआ खुलासा

मेलेनोमा एक प्रकार का कैंसर है, जो बोन मेरो के प्लाज्मा सेल्स में विकसित होता है। मेलेनोमा को मैलीगनेंट (घातक) मेलेनोमा भी कहा जाता हैं। मेलेनोमा का प्राथमिक कारण सूर्य के किरणों के साथ आने वाले यूवी रेज हैं। पर शोधकर्ताओं की मानें तो, 22 प्रकार के अलग-अलग जीन हैं, जो यह निर्धारित करने में मदद करते हैं कि किसी व्यक्ति में मेलेनोमा होने के पीछे कितना यूवी रेज का हाथ है। दरअसल जब सूर्य से आने वाली परबैंगनी प्रकाश (यूवी रेंज) त्वचा के निम्न-स्तर वाले सेल्स पर पड़ती हैं, तो मेलेनोमा खतरा बढ़ जाता हैं। यूवी प्रकाश या तो सूर्य से या फिर अन्य टैनिंग स्त्रोतों से आ सकता हैं। इसी को लेकर शोध में कहा गया है कि मेलेनोमा किसी को सिर्फ यूवी रेज के कारण नहीं होता है, बल्कि इसके पीछे कुछ अनुवांशिक कारण भी हैं। आइए हम आपको बताते हैं इस शोध के बारे में।

क्या कहता है शोध?

ब्रिटिश जर्नल, जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित इस शोध की मानें, तो लोगों के जीन इस बात को तय करते हैं कि वे कितने यूवी सेंसिटिव हैं। शोध में कहा गया है कि जिन लोगों को मेलेनोमा कैंसर हुआ है, उसके एक कारणों में उनकी आनुवंशिकी यानी कि जीन फेक्टर भी शामिल हैं। मेलेनोमा के जोखिम वाले लोगों के लिए, बचपन से ही सूर्य की किरणों के प्रति सेंसिटिव होना एक मजबूत कारणों में से एक है। ऑस्ट्रेलिया में दुनिया में त्वचा कैंसर की दर सबसे अधिक है। हर साल 12,000 से अधिक ऑस्ट्रेलियाई लोगों को आक्रामक मेलेनोमा का निदान किया जाता है, जो बीमारी का सबसे घातक रूप में होते हैं। क्यूआईएमआर बरगॉफर मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के कैंसर नियंत्रण समूह के प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर डेविड व्हिटमैन ने कहा कि अवधारणा को अच्छी तरह से समझने के लिए, अध्ययन में त्वचा कैंसर के सबसे बड़े अनुवांशिक अध्ययन क्यूस्किन के डेटा का उपयोग किया गया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि जीन और सूर्य के संपर्क ने एक व्यक्ति को कैसे प्रभावित किया। व्हिटमैन ने कहा कि अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि जीन से प्रभावित लोग त्वचा कैंसर के शिकार ज्यादा होते हैं, क्योंकि ऐसे लोग बचपन से ही ऑस्ट्रेलिया के धूप जलवायु के जोखिम को संभाल नहीं पाते, इसलिए मेलेनोमा के शिकार हो जाते हैं।

मेलेनोमा के जोखिम को बढ़ाने वाले अन्य कारकों में शामिल हैं

- **गोरी त्वचा**- अगर आपकी त्वजा गोरी है, तो आप मेलेनोमा को विकसित करने की अधिक संभावना रखते हैं, उनकी तुलना में जो ड्राक शेड्स के हैं। मेलेनोमा गहरे रंग के लोगों में भी विकसित हो सकता है, जिसमें हिस्पैनिक -लोग और काले लोग भी शामिल हैं।
- **सनबर्न का इतिहास**- एक या एक से अधिक गंभीर ब्लिस्टरिंग सनबर्न आपके मेलेनोमा के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।
- यूवी रेज का जोखिम
- भूमध्य रेखा के करीब या अधिक ऊंचाई पर रहना
- मेलेनोमा का एक पारिवारिक इतिहास

गर्म जगहों पर पैदा होने वालों में 50 प्रतिशत बढ़ जाता है मेलानोमा का खतरा

शोधकर्ताओं की मानें, तो लोगों में आनुवांशिक कारण से मेलानोमा का खतरा 50 प्रतिशत बढ़ जाता है। ऐसे में ये लोग भले ही बहुत देर तक धूप में न रहते हों पर इनके जीन सूर्य की किरणों के प्रति सेंसिटिव है, इसलिए इन्हें मेलेनोमा कैंसर हो सकता है। शोध में कहा गया है कि कुछ आंकड़ों से पता चलता है कि जो लोग गर्म जगह में पैदा होते हैं और बड़े होते हैं, उनमें मेलानोमा का खतरा 50 प्रतिशत बढ़ जाता है, जबकि जो लोग वयस्कों के रूप में ऑस्ट्रेलिया में पलायन करते हैं, जिनके जीन समान होते हैं, उनमें घातक बीमारी विकसित होने की संभावना कम होती है। शोध में इस बात की भी पुष्टि हुई है कि लगभग 20 साल की उम्र तक यूवी रेज के ज्यादा संपर्क में रहना उच्च आनुवांशिक जोखिम वाले लोगों के लिए विशेष रूप से खतरनाक है, क्योंकि यह मेलानोमा को ट्रिगर करता है और ऐसे लोग एक उम्र में जाकर मेलेनोमा के शिकार हो जाते हैं।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W — Rs. 750/- (Per Sq. cm)
DISPLAY COLOR — Rs. 750/- + 50% Extra (Per Sq. cm)
CLASSIFIED DISPLAY — Rs. 75/- (Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.
CLASSIFIED Run On words — Rs. 15/- (Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area Delhi NCR & Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

ओटीटी के बोल्ड कंटेंट पर ईशा सिंह ने रखी बेबाक राय

टेलीविजन अभिनेत्री ईशा सिंह रियलिटी शो 'बिग बॉस' सीजन-18 में नजर आई थीं। वह शो की फाइनलिस्ट बनीं और शानदार तरीके से खेलते हुए छठे स्थान पर रही थी। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में हाल ही में ओटीटी और टीवी रियलिटी शोज की बात की। उन्होंने बताया कि ओटीटी रियलिटी शोज 'अलायंस' और 'लॉक-अप' लोगों की असलियत दिखा रहे हैं। लोग अगर गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो वो उनकी असलियत है। असल जिंदगी में लोग अक्सर ऐसे ही बात करते हैं। अभिनेत्री रियलिटी शो 'बिग बॉस' सीजन-18 का हिस्सा रह चुकी हैं। उनसे जब 'लॉक अप' और 'अलायंस' जैसे शो से आने वाले बोल्ड कंटेंट के बारे में पूछा, तो अभिनेत्री ने बताया कि यह शो ओटीटी पर स्ट्रीम हो रहे हैं, तो उनके पास सीन हो या भाषा के लिए ज्यादा आजादी है। अभिनेत्री ईशा सिंह ने कहा, 'देखिए, जब हमारे दर्शक इन शो को देखते हैं, तो वे बोलते हैं कि ऐसी अभद्र भाषा में बात कर रहे हैं। मेरा मानना है कि लोग असल जीवन में ऐसे ही बात करते हैं, हालांकि फर्क बस इतना है कि ओटीटी शोज में दिखता है, जबकि बिग-बॉस टीवी पर प्रसारित होता है, इसलिए उसमें एडिट कर दिया जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि टेलीविजन में ओटीटी के मुकाबले पाबंदियां थोड़ी ज्यादा हैं, जिससे क्रिएटर्स किरदारों को ज्यादा असली तरीके से दिखा पाते हैं। उन्होंने कहा, 'देखिए, कोई संत नहीं है। सब ऐसे ही बातें करते हैं। स्क्रीन के मुकाबले लोग असल जीवन में बिल्कुल अलग होते हैं। मुझे लगता है कि ठीक है अभी लोग भी इसे पसंद कर रहे हैं। वे 'लॉक अप' और 'बिग बॉस' देख रहे हैं। मुझे लगता है कि लोगों को बस पसंद आना चाहिए।' अभिनेत्री ईशा सिंह इस समय कलर्स टीवी के नए शो 'जूही मुई' में मुख्य भूमिका (जूही सूरी का किरदार) निभा रही हैं। यह शो एक ऑटिज्म से जूझ रही प्रतिभाशाली लड़की की प्रेरणादायक कहानी है, जो अपने परिवार की संपत्ति बचाने के लिए खुद वकील बनती है।

'सिटी ब्यूटीफुल' फिल्म मेरे लिए घर वापसी जैसा है

लोकप्रिय अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने आगामी पंजाबी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'सिटी ब्यूटीफुल' से पंजाबी सिनेमा में वापसी की है। पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फिल्म को घर वापसी बताया। खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि इससे पहले वे पंजाबी सिनेमा में गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ 'डिस्को सिंह' में नजर आई थीं, जिसके बाद से वे अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रही थीं, जो उन्हें सच में इंडस्ट्री में वापस लाए और 'सिटी ब्यूटीफुल' वह प्रोजेक्ट निकला। अभिनेत्री अपूर्वा ने कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए सच में एक घर वापसी जैसा है। इस फिल्म की कहानी ने मुझे तुरंत मुझसे कनेक्ट कर दिया। मैं अभी अपने कैरेक्टर के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं कह सकती हूं कि यह एक शानदार अनुभव रहा है। अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी सिनेमा से की, जिस वजह से पंजाब हमेशा से ही मेरे लिए खास रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने अपनी भावनाएं शेयर करते हुए कहा, 'इतने वर्षों बाद वापस आना अजीब लगता है, हालांकि शूटिंग खत्म होने के बाद मैं अमृतसर के गोल्डन टेंपल आशीर्वाद लेने के लिए जरूर जाऊंगी। यह इस खूबसूरत सफर को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका लगता है।' अपूर्वा अरोड़ा हाल ही में हरियाणा की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म 'मोमाकू' में नजर आई थीं। इस फिल्म का पूरा नाम 'मोटर, माचिस और कटर' है। यह एक सस्पेंस, थ्रिल और कॉमेडी से भरपूर फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री ने 'पिंकी' नाम की मुख्य भूमिका निभाई हैं। इस फिल्म में उनके साथ जतिन सरना, यशपाल शर्मा और तुषार दत्त जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे।

फिल्म 'रणबाली' में पति विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कॉकटेल 2' की सफलता का आनंद ले रही हैं। इस बीच फैंस को एक्ट्रेस की अगली फिल्म 'रणबाली' का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में रश्मिका अपने पति व अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। हाल ही में रश्मिका मंदाना ने एक फिल्म से जुड़ी एक क्रिप्टिक पोस्ट से विजय देवरकोंडा के 'रणबाली' अवतार को लेकर नई उत्सुकता जगा दी है। बहुत कम जानकारी देते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि टीम जो बना रही है, वह बेहद डरावना है। इससे विजय के ट्रांसफॉर्मेशन और फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ गई है। रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'रणबाली' के सेट से विजय देवरकोंडा की एक धुंधली तस्वीर शेयर की। हालांकि, तस्वीर से बहुत कम जानकारी मिली, लेकिन उनके कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने विजय देवरकोंडा और डायरेक्टर राहुल सांकृत्यायन को टैग करते हुए लिखा, 'मुझे नहीं पता कि मैं अभी आप लोगों को यह दिखा सकती हूं या नहीं। उम्मीद है कि वे मुझे इसे हटाने के लिए नहीं कहेंगे, जैसा कि पहले कई बार हुआ है। लेकिन ये लड़के कुछ बहुत डरावना कर रहे हैं और मैं खुद को रोक नहीं पाई। मैं इसे बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं!'

हरियाणवी सिंगर के साथ कोलैब करेंगी अक्षरा सिंह

अक्षरा सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन हैं। अभिनय से लेकर सिंगिंग तक, हर क्षेत्र में उनका सिक्का चलता है। अक्षरा अब भोजपुरी सिनेमा से निकलकर दूसरी इंडस्ट्रीज में भी अपनी पहचान बना रही हैं। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के 'घिस घिस घिस' गाने में वे अक्षय कुमार के साथ नजर आईं। उन्हें श्रद्धा कपूर की 'ईठा' में भी देखा जाएगा। इसके अलावा अब वे हरियाणवी सिंगर के साथ कोलैब करेंगी। भोजपुरी अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने आर्य मासूम शर्मा के साथ अपनी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। तस्वीरों में दोनों हंसते-मुस्कुराते पोज दे रहे हैं। दोनों के बीच शानदार केमिस्ट्री देखी जा सकती है। पोस्ट के साथ अक्षरा सिंह ने कैप्शन लिखा है, 'दो अलग मिट्टी का स्वैग, एक ही वाइब। तैयार हो इस कोलैब के लिए'? अक्षरा सिंह व्हाइट कलर के सूट में नजर आ रही हैं, जिस पर पिंक और ब्लू फ्लॉवर प्रिंट है। वहीं, मासूम शर्मा को डैनिम जींस और टी-शर्ट में देखा जा सकता है। बता दें कि आर्य मासूम शर्मा जिन्हें मासूम शर्मा के नाम से जाना जाता है, वे हरियाणा के मशहूर गायक, गीतकार और संगीतकार हैं।

'ईठा' में नजर आएंगी अक्षरा

'वेलकम टू द जंगल' के बाद अब अक्षरा सिंह को श्रद्धा कपूर की आगामी फिल्म 'ईठा' में भी देखा जाएगा। हालांकि, अक्षरा ने 'ईठा' में अपने रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। मगर, फिल्म का हिस्सा बनने पर वे बेहद उत्साहित हैं।

'हेरा फेरी 3' विवाद पर बोले परेश रावल

दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने 'हेरा फेरी' के अपने को-स्टार अक्षय कुमार द्वारा उन्हें भेजे गए 25 करोड़ रुपये के कानूनी नोटिस के बारे में बात की है। यह नोटिस तब भेजा गया था, जब उन्होंने पिछले साल घोषणा की थी कि वो 'हेरा फेरी 3' का हिस्सा नहीं होंगे। अभिनेता ने कहा कि उनका फिल्म छोड़ने का फैसला अक्षय के साथ किसी निजी मुद्दे से जुड़ा नहीं था। विवाद एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े मुद्दे के कारण हुआ था। और अक्षय का उन पर मुकदमा करने का फैसला एक भावनात्मक प्रतिक्रिया थी। परेश रावल ने कहा कि प्रोजेक्ट से अलग होने के उनके फैसले का अक्षय के साथ काम करने में असहज होने से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा कि बात यह नहीं थी कि 'मैं अक्षय कुमार के साथ काम करने में असहज महसूस कर रहा हूं।' यह एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी बात थी। अगर मुझे फिल्म करनी थी, तो मुझे फिरोज नाडियाडवाला की मंजूरी चाहिए थी, क्योंकि वही 'हेरा फेरी' फ्रैंचाइजी के अकेले मालिक हैं। साथ ही 'आवारा पागल दीवाना', 'वेलकम' और ऐसी ही दूसरी फिल्मों के भी। जब तक उनकी मंजूरी नहीं मिल जाती, मैं कोई कमिटमेंट नहीं कर सकता था। जब कानूनी नोटिस आया, तो मैंने सोचा, 'मैं कानूनी मामलों में क्यों घिसट रहा हूं? क्या मैं यहां फिल्म बनाने का मजा लेने आया हूं या इसमें फंसने के लिए?' मैंने खुद से कहा कि मैं अब इसका हिस्सा नहीं बनना चाहता।

जब भी 'हेरा फेरी 3' बनेगी मैं उसमें काम करूंगा

फिल्म को लेकर लंबे समय से बनी अनिश्चितता के बावजूद परेश ने कहा कि जब भी यह प्रोजेक्ट शुरू होगा, मैं इसमें जरूर काम करूंगा, चाहे इसे कोई भी डायरेक्ट या प्रोड्यूस करे। मैं उस फिल्म से पूरी तरह जुड़ा हुआ हूं। जब भी वे इसे बनाएंगे, मैं वहां मौजूद रहूंगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह और अक्षय बाद में नोटिस के बारे में बात करने के लिए बैठे थे और क्या एक्टर ने माफी मांगी थी? इस पर परेश ने कहा कि मामला बिना किसी औपचारिक बातचीत के ही सुलझ गया। हम कभी इस बारे में बैठकर बात नहीं की, लेकिन हमने बाद में साथ काम किया। कभी-कभी आपको शब्द कहने की भी जरूरत नहीं होती। चीजों को सुलझाने का यह एक सभ्य तरीका है।

पहले मैं जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी

काजल अग्रवाल अब 4 साल के बेटे नील की मां बन चुकीं हैं। जल्द ही एक्ट्रेस खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' लेकर आ रही हैं। साउथ की सुपरस्टार काजल अग्रवाल ने बॉलीवुड में भले ही कम फिल्में की हों, मगर उनके चाहने वाले पूरे देश में हैं। एसएस राजामौली निर्देशित चर्चित फिल्म 'मगाधीरा' हो या अजय देवगन के साथ 'सिंघम', अपने हर किरदार से साथ उन्होंने दर्शकों का दिल जीता है। हालांकि, इसके लिए उन्होंने काफी कुर्बानियां भी दी हैं। जल्द ही खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' लेकर आ रहीं काजल एक दौर में साल में 7-8 फिल्में करती थीं। वह कहती हैं कि तब मेरी अपनी कोई जिंदगी नहीं थी। मैं सिर्फ काम में जुटी रहती थी।

जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी

अपने इस सफल करियर पर काजल कहती हैं, 'यह ऊपरवाले की मेहरबानी और मेरे बड़ों का आशीर्वाद कि इतना कमाल का काम करने को मिला। कमाल के लोगों के साथ काम करने को मिला। मुझे ऐक्टिंग से बेहद प्यार है और जिस तरह के रोल मुझे मिल रहे हैं, जितना प्यार मुझे मिला है, मैं बहुत खुशनसीब हूं। हालांकि, इस करियर में उतार-चढ़ाव भी थे। चुनौतियां भी थीं। पहले तो भाषा समझना ही मुश्किल था। लोगों की बातें समझ नहीं आती थीं। क्या सही है, क्या गलत है तो वो कल्चर समझा। वहां रहना, अडजस्ट करना, तब मैं मुंबई आती ही नहीं थी। साल में शायद 2 दिन, दिवाली और मेरा जन्मदिन या दिवाली और नया साल ही मुंबई में मनता था, वरना 363 दिन मैं सिर्फ ट्रैवल और शूट करती थी। मैं एक साल में 7 से 8 फिल्में करती थीं। मेरी अपनी कोई जिंदगी ही नहीं थी। जब मेरे दोस्त जिंदगी एंजॉय कर रहे थे, मैं सिर्फ काम कर रही थी। मुझे जिंदगी का मजा लेने का मतलब ही नहीं पता था।'

खेल-खेल में बेटा रावण बन जाता है, मैं मंदोदरी

काजल नितेश तिवारी की महत्वाकांक्षी फिल्म 'रामायण' में मंदोदरी का किरदार निभा रही हैं। उस अनुभव के बारे में वह बताती हैं, 'बहुत ही अलग और अद्भुत अनुभव रहा है। जब हम लोग शूट करते हैं या शॉट्स देते हैं तो यह समझ आता है कि ये किस मुकाम तक जाएगी। उसका स्केल दिखाई देता है कि वह वर्ल्ड सिनेमा के लिए बनी है। मेरे लिए तो ये बड़े गर्व की बात है कि ये सारा कमाल हमारी भारतीय प्रतिभाएं इतनी खूबसूरती से कर रही हैं। वहीं, रामायण का बेटे से जुड़ाव के बारे में मजेदार किस्सा शेयर करते हुए कहती हैं, नील को रामायण पसंद है। उसे पता है कि मंदोदरी कौन है तो मैंने बताया है कि मम्मा इसमें मंदोदरी का रोल कर रही है, तो वह खेल-खेल में कहता है कि मैं रावण हूं, तुम मंदोदरी हो तो मैं कहती हूं कि ठीक है, वेरी गुड, चलो खेलते हैं।

मां होने के नाते खाने में मिलावट डराती है

अपनी फिल्म द इंडिया स्टोरी में खाने, दूध, फल आदि में मिलावट के मुद्दे को उठा रहीं काजल एक मां के तौर पर खुद इस विषय से काफी कनेक्टेड महसूस करती हैं। वह कहती हैं, 'एक मां होने के नाते इन चीजों के बारे में सोचकर डर लगता है। हमें पता ही नहीं है कि हमारे बच्चे के सेहत के लिए क्या ठीक है, क्या नहीं? खाना हो, फल हो, दूध हो, आप बड़े से बड़े स्टोर पर भी भरोसा नहीं कर सकते। आपको पता ही नहीं कि अपने बच्चे को क्या खिला रहे हैं? तो हमें ज्यादा सचेत रहने की जरूरत है। ऐसे में, यह फिल्म आंखें खोलने वाली रही। जो रिसर्च हमारे डायरेक्टर डीके चेतन ने दिखाए वह काफी डरावने थे। काजल का जोर अब मजबूत या मुद्दे वाली फिल्मों पर ज्यादा दिख रहा है। क्या फिल्मों के चुनाव को लेकर उनका नजरिया बदला है? इस पर वह कहती हैं, बिल्कुल, आपकी सोच, चॉइस वक्त के साथ बदलती है, क्योंकि जिंदगी आपको मौके भी देर से देती है। आप जब अपने काम में सेटल हो जाते हैं, तब प्रयोग करना शुरू करते हैं। शुरू में तो मैं खुद को स्थापित करने में ही इतनी व्यस्त थी कि बाकी कुछ सोचने का वक्त ही नहीं था। हर फिल्म को हां बोलती थी। साल में 8 फिल्में कर लेती थी।' मगर क्या मां बनने का असर भी इस चुनाव पर पड़ा है? इस पर उनका कहना है, 'ऐसी कोई लिस्ट नहीं है जो मैं फॉलो करती हूं। जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ती हूं, तब मुझे पता चल जाता है कि ये मैं करूंगी, लेकिन ये नहीं सही लग रहा तो नहीं करूंगी, लेकिन बेटा जेहन में रहता है तो अंदर से एक फिल्टर रहता है।'

संक्षिप्त समाचार

ओमान में भारतीय महिला कामगारों का उत्पीड़न

मस्कट, एजेंसी। पश्चिम एशियाई देश ओमान में भारतीय राजदूत प्रशांत पिसे ने उत्पीड़न की शिकार भारतीय महिला घरेलू कामगारों से मुलाकात की और मदद का भरोसा दिया। यह कदम खाड़ी देशों में भारतीय महिला कामगारों के उत्पीड़न, शोषण और वेतन न मिलने की लगातार आ रही खबरों के बीच उठाया गया। हाल ही में हैदराबाद की शबनम बेगम का मामला सामने आया था, जिन्हें बेहतर नौकरी का झांसा देकर मस्कट बुलाया गया और वहां 12 से 15 घंटे जबरन काम कराया गया। प्रताड़ना के बाद शबनम दूतावास में शरण ली।

फ्रांस में भी बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध की तैयारी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में भी 15 साल की उम्र से छोटे बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध की तैयारी शुरू हो गई है। यहां संसद के ग्रीष्मावकाश से पहले इस आशय के विधेयक को अंतिम रूप दिया जाना है और सितंबर में नए शैक्षणिक सत्र से इसे लागू करने की योजना है। यह विधेयक में स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर भी रोक लगाता है। यदि ऐसा हुआ तो फ्रांस ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील और यूएई जैसे उन देशों की सूची में शामिल हो जाएगा, जो बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा चुके हैं।

हमास के नए लीडर बने खलील अल-हाय्या

यरुशलम, एजेंसी। फलस्तीनी सशस्त्र समूह हमास ने खलील अल-हय्या को अपना लीडर घोषित किया है। उन्होंने याह्या सिनवार की जगह ली है। 2024 में सिनवार और इस्माइल हानिये की मौत के बाद अल-हय्या हमास के बड़े नेता बनकर उभरे हैं और गाजा के प्रमुख वार्ताकार भी हैं। 2014 में इस्राइल के साथ युद्धविराम कराने में उनकी बड़ी भूमिका रही है। अल-हय्या उन शीर्ष अधिकारियों में भी शामिल थे, जिन्हें 2025 में दोहा में हुए इस्राइली हमले में निशाना बनाया गया था। इससे पहले, इस्राइल 2007 और 2014 में दो बार उनके घर पर बमबारी कर चुका है लेकिन वह हर बार बच गए।

जिनपिंग सितंबर में जाएंगे अमेरिका, चीन ने कहा- ट्रंप पर चुनावों में हस्तक्षेप के आरोपों का असर यात्रा पर नहीं

बीजिंग, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी चुनावों में हस्तक्षेप के आरोपों के बावजूद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सितंबर में प्रस्तावित वाशिंगटन यात्रा तय समय पर होगी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि दोनों देश शीर्ष नेताओं की बैठक को लेकर लगातार संपर्क में हैं। संबंधों को सुधारने की दिशा में यह वार्ता बेहद महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। इससे पहले, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी उम्मीद जताई थी कि ट्रंप की टिप्पणियों का इस यात्रा पर कोई असर नहीं पड़ेगा और चीनी टीम तैयारियां जारी रखे हुए है।

ईरान : सुन्नी धर्मगुरु मोहम्मद अनवर रिगी की हत्या, मस्जिद के पास अज्ञात बंदूकधारियों ने मारी गोली

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत स्थित मिर्जावेह शहर से एक दुखद खबर सामने आई है, जहाँ अज्ञात बंदूकधारियों ने प्रमुख बड़े सुन्नी मौलवी मोहम्मद अनवर रिगी की हत्या कर दी है। मौलवी रिगी शहर की मस्जिद में शुक्रवार की नमाज के इमाम थे। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सरकारी मीडिया ने स्थानीय अधिकारियों का हवाला देते हुए इस घटना की पुष्टि की है। यह क्षेत्र पाकिस्तान सीमा से सटा हुआ है और भौगोलिक रूप से काफी संवेदनशील माना जाता है। सिस्तान-बलूचिस्तान ईरान का सबसे गरीब और अशांत प्रांतों में से एक है। शिया-बहुल ईरान में यह प्रांत सुन्नी बलूच आबादी का गढ़ है, जो लंबे समय से जातीय और इस्लामी उग्रवादियों तथा सुरक्षा बलों के बीच जारी संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। स्थानीय प्रशासन ने इस हमले को प्रांत की सुरक्षा व्यवस्था को कमजोर करने और सांप्रदायिक तनाव भड़काने की एक सोची-समझी साजिश बताया है। फिलहाल, अधिकारी मामले की गहन जांच कर रहे हैं और उन्होंने आम जनता से संयम बरतने व शांति बनाए रखने की अपील की है। मौलवी की हत्या ने इस सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा चिंताओं को और अधिक बढ़ा दिया है। आपको बता दें कि सुन्नी धर्मगुरु अनवर रिगी की जब हत्या की गई तो ईरान के स्थानीय समय के अनुसार वहां सुबह के 4 बज रहें थें। जिससे इस घटना पर तरह-तरह विचार किए जा रहें है। बड़े धर्म गुरु अनवर रिगी ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत के सुन्नी समुदाय के एक प्रमुख स्थानिय नेता थें। जा वह मस्जिद के अली इब्न अबी तालिब के इमाम-ए-जुम्मा थे। उनकी नियुक्ती मिर्जावेह की मस्जिद में इमाम जुम्मा के रुप में की गई थी। ईरान के मिर्जावेह शहर में सुन्नी मौलवी मोहम्मद अनवर रिगी की अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

पाकिस्तान के बाद अमेरिका में भी बढ़े पेट्रोल के दाम

वाशिंगटन, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतों में उबाल आने के बाद दुनिया भर के देश इसका बोझ अपनी आम जनता पर डालने शुरू कर दिए हैं। पकिस्तान के बाद अब अमेरिका ने भी पेट्रोल के दाम बढ़ा दिए हैं। पड़ोसी देशों में भी तेल के दाम बढ़े हैं। जबकि, भारत में फ्यूल के रेट में कोई बदलााव नहीं हुआ है। अमेरिका और ईरान के बीच हमलों के नए दौर के चलते कच्चे तेल की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गईं। इस बीच सोमवार को अमेरिका में पेट्रोल की औसत खुदरा कीमत फिर बढ़कर 4 डॉलर प्रति गैलन पर पहुंच गई। नियमित श्रेणी के पेट्रोल की राष्ट्रीय औसत कीमत अब चार डॉलर प्रति गैलन हो गई है। एक साल पहले यह औसतन 3.14 डॉलर प्रति गैलन थी। मार्च के अंत में अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत पहली बार चार डॉलर प्रति गैलन से ऊपर पहुंची थी। जून के मध्य में यह इससे नीचे आ गई थी और अमेरिका-ईरान के बीच अंतरिम समझौते के बाद कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने से इसमें और गिरावट दर्ज की गई।

पाकिस्तान में पेट्रोल 310.71 रुपये लीटर : इससे कुछ दिन पहले तेल के दाम बढ़ते ही पाकिस्तान ने तुरंत इसका बोझ अपनी जनता पर डाल दिया और ईंधन के दाम में इजाफा कर दिया। जबकि, भारत में अभी राहत है। पेट्रोलल-डीजल और सीएनजी के दाम नहीं बढ़े हैं। पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल के दाम में 13.18 रुपये (पाकिस्तानी रुपया) प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल में 13.80 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इस बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 310.71 रुपये और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 323.30 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

इन देशों में पेट्रोल 150 रुपये के पार : साउथ अफ्रिका से लेकर बेल्जियम तक 1 लीटर पेट्रोल की कीमत 150 रुपये से 200 रुपये तक पहुंच गई है। ग्लोबल पेट्रोल प्राइसेज डॉट कॉम के मुताबिक साउथ अफ्रिका में पेट्रोल का दाम 150.72 रुपये लीटर पर पहुंच गया है। साइप्रस में 160.85 रुपये तो यूक्रेन में 163.72 रुपये लीटर। स्पेन में पेट्रोल जहां 170 के पार है तो वहीं इटली में 206.95 रुपये लीटर।

क्या भारत में भी पढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम : पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव बढ़ने से वैश्विक बाजार में चिंता बढ़ गई है। मार्च के बाद अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष फिर तेज हो गया है। इसका असर अब अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कच्चे तेल की कीमतों पर साफ दिखाई देने लगा है। भारत के लिहाज से देखा जाए तो अगर संघर्ष लंबा चलने पर पेट्रोलियम उत्पादों के दाम बढ़ सकते हैं, जिससे घरेलू स्तर पर महंगाई बढ़ेगा। उधर, भारत के लिए आयात-निर्यात करना महंगा होता जा रहा है। होर्मुज के बंद होने से जहाजों को लंबा वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ रहा है, जिससे परिवहन लागत में भारी बढ़ोतरी हो रही है। भारत के लिए यूरोप व अन्य क्षेत्रों में सामान भेजना और वहां से मंगाना महंगा हो गया है।

भारत में कई स्तर पर दिखेगा असर : जहां तक भारत की बात है तो कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और एटीएफ महंगे होने की आशंका बढ़ेगी। वहीं, आयात बिल बढ़ने से व्यापार घाटा और चालू खाते का घाटा बढ़ सकता है। शिपिंग किराया और युद्ध जोखिम बीमा बढ़ने से आयातित सामान की लागत भी बढ़ेगी। कच्चे तेल के भाव बढ़ने से रुपये पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे अन्य आयात भी महंगे हो सकते हैं। और साथ में तेल, गैस, उर्वरक, रसायन, शिपिंग और परिवहन क्षेत्र पर सबसे अधिक असर पड़ेगा।

शिपिंग कंपनियों का खर्च बढ़ा : समुद्री मार्ग बाधित होने के कारण अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों का परिचालन खर्च बढ़ गया है। जहाजों को लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, जिससे ईंधन, चालक दल और समय की लागत बढ़ रही है। इसके साथ ही, युद्ध जैसे हालात को देखते हुए जहाजों के जोखिम बीमा प्रीमियम में भी तेज बढ़ोतरी हुई है। इसका सीधा असर आयात और निर्यात की लागत पर पड़ेगा। शिपमेंट की लागत कोई मार्गों पर दोगुना तक बढ़ गई है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस (फियो) के अध्यक्ष बताते हैं कि युद्ध के चलते ऑर्डर रद्द हो रहे हैं या फिर उन्हें स्थगित किया जा रहा है। अगर कुछ ऑर्डर बुक भी हो रहे हैं।

पुतिन से मिलीं उ.कोरिया की विदेश मंत्री: क्या किम जोंग भी जाएंगे रूस

सिओल, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री चोए सोन हुई से मुलाकात की। पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध में रूस का समर्थन करने के लिए उत्तर कोरिया का धन्यवाद किया। यह दोनों देशों के बीच हाल के समय की एक और अहम उच्चस्तरीय कूटनीतिक मुलाकात है। रूस के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी।

क्या किम जोंग उन की रूस यात्रा की तैयारी हो रही है : उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री चोए सोन हुई की यह रूस यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन या दोनों देशों का कोई विशेष राष्ट्रीय समारोह नहीं है। इसलिए माना जा रहा है कि वह उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की संभावित रूस यात्रा की तैयारी कर रही हैं। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने बताया कि चोए शनिवार को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के निमंत्रण पर रूस रवाना हुईं। हालांकि, किम जोंग उन और पुतिन की एक और मुलाकात की संभावना पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है।

सोमवार को चोए सोन हुई और सर्गेई लावरोव के बीच अलग से बातचीत हुई। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, रूस ने उत्तर कोरिया की संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा के प्रयासों का पूरा समर्थन किया। वहीं, उत्तर कोरिया ने यूक्रेन युद्ध में रूस के समर्थन को फिर दोहराया। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय के प्रवक्ता यून मिन हो ने कहा

कि सियोल इन बैठकों पर लगातार नजर रखे हुए है। लेकिन उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि क्या रूस और उत्तर कोरिया के बीच दोनों देशों के नेताओं की एक और शिखर बैठक पर चर्चा हो रही है। रूस के सरकारी मीडिया ने बताया कि रविवार को क्रेमलिन में हुई मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने दोनों देशों के अच्छे संबंधों की सराहना की। उन्होंने यूक्रेन के खिलाफ रूस की सैन्य कार्रवाई का समर्थन करने के लिए उत्तर कोरिया के नेतृत्व और वहां के लोगों का फिर से धन्यवाद किया। चोए सोन हुई ने पुतिन से कहा कि किम जोंग उन रूस के साथ संबंधों को हर क्षेत्र में और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

दोनों देशों के बीच पहले क्या समझौता हुआ था : किम जोंग उन वर्ष 2019 और 2023 में रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र में पुतिन से मिलने गए थे। जून 2024 में पुतिन ने प्योंगयांग की यात्रा के दौरान किम को फिर से रूस आने का निमंत्रण दिया था। उसी बैठक में दोनों नेताओं ने एक रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में कहा गया था कि यदि किसी भी देश पर हमला होता है, तो दोनों एक-दूसरे की मदद करेंगे।

अफगानिस्तान में कुदरत का कहर: अचानक आई बाढ़ में 20 लोगों की मौत, 100 से ज्यादा लोग लापता

काबुल, एजेंसी। पूर्वी अफगानिस्तान के नूरिस्तान प्रांत में सोमवार को भारी बारिश के बाद अचानक आई भयंकर बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। इस भयानक प्राकृतिक आपदा में कम से कम 20 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है और करीब 80 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इसके अलावा 100 से ज्यादा लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं जिनकी तलाश जारी है। राहत और बचाव दल लगातार प्रभावित इलाकों में फंसे हुए लोगों को निकालने और उनकी मदद करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता यूसुफ हम्मद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस भारी जान-माल के नुकसान की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि प्रांतीय आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और घायलों को बचाने में जुटे हैं। टीमें मृतकों के शव निकालने और लापता लोगों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर अपना बचाव अभियान चला रही हैं। शुरुआती जांच और नुकसान का पूरा आकलन होने के बाद ही जान-माल के नुकसान के आधिकारिक आंकड़े जारी किए जाएंगे। अफगान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक अलग बयान जारी कर मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव अभियान को और तेज करने की जरूरत है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक नूरिस्तान की राजधानी पारून इस भयंकर बाढ़ से सबसे ज्यादा और बुरी तरह प्रभावित हुई है। यहां कई घर और बुनियादी ढांचे पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं जिससे लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

इससे पहले नौ जून को भी अफगानिस्तान के अधिकारियों ने देश में आई मौसमी आपदाओं को लेकर बहुत बड़े आंकड़े जारी किए थे। रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस हफ्तों में अचानक आई मौसमी बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं के कारण कम से कम 301 लोगों की मौत हुई है। इस लंबी अवधि के दौरान पूरे देश में लगभग 385 लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। प्रवक्ता हाफिज मोहम्मद यूसुफ हम्मद के अनुसार इन लगातार आपदाओं से देशभर में बड़े पैमाने पर भारी तबाही मची है।

एंडी बर्नहैम बने ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री, कीर स्टार्मर की जगह संभाला पद

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की लेबर पार्टी के नए नेता चुने गए एंडी बर्नहैम ने देश के नए प्रधानमंत्री का पद संभाल लिया है. किंग ऑफ द नॉर्थ के नाम से मशहूर एंडी बर्नहैम कीर स्टार्मर के इस्तीफे के बाद प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में सबसे आगे थे. उनका मुख्य लक्ष्य लोकलुभावन पार्टी रिफॉर्म यूके के बढ़ते प्रभाव को रोकना है. ब्रिटेन में राजनीतिक हलचल के बीच पिछले एक दशक में देश को उसका सातवां प्रधानमंत्री मिल गया है. लेबर पार्टी के नेता एंडी बर्नहैम को बीते सप्ताह शुक्रवार को ही पार्टी का नया मुखिया चुना गया था. लेबर पार्टी की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी (एनईसी) की चेयर शबाना महमूद ने लंदन में पार्टी के एक विशेष सम्मेलन में यह घोषणा की थी. उन्होंने कहा, सिर्फ एक ही सांसद नॉमिनेट हुआ था. इसलिए मुकाबला आसान रहा. वहीं, बर्नहैम ने लेबर पार्टी का नेता चुने जाने को पिछले

40 वर्षों में देश की राजनीति का सबसे बड़ा बदलाव बताया था. बर्नहैम पार्टी के नए नेता बनने की दौड़ में अकेले उम्मीदवार थे, उन्होंने हाउस ऑफ कॉमन्स में लेबर पार्टी के 403 सांसदों में से 379 का नामांकन हासिल किया. ब्रिटेन की संसदीय लोकतंत्र व्यवस्था में सत्ताधारी पार्टियों को आम चुनाव कराए बिना अपने नेता और इस तरह प्रधानमंत्री को बदलने की छूट होती है. अगले आम चुनाव 2029 तक कराने की जरूरत नहीं है, हालांकि अगर बर्नहैम चाहें तो वे पहले भी चुनाव करवा सकते हैं. ग्रेटर मैनचेस्टर के पूर्व मेयर बर्नहैम ने राजनीति को 'कम जहरीला' बनाने, लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और 'उस उम्मीद को वापस लाने, जिसे हम सब खो चुके हैं,' का वादा किया है. शुक्रवार को लेबर पार्टी का नेता बनने के बाद उन्होंने कहा, 'मैं एक नई राजनीति बनाने के लिए काम करूंगा. देश को इसकी सख्त जरूरत है.' आलोचक और समर्थक जल्द ही ये जानना चाहेंगे कि बर्नहैम अपने वादों को कैसे पूरा करने की योजना बना रहे हैं. वहीं केअर स्टार्मर ने सोमवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में 10 डाउनिंग स्ट्रीट से अपना अंतिम संबोधन दिया और कहा, ''मेरा काम पूरा हो गया है.'' स्टार्मर ने ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात करके औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा सौंपने से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं जिम्मेदारी एंडी बर्नहैम को सौंप रहा हूं, जिन्हें मेरा पूरा समर्थन है.'' लेबर सांसद स्टार्मर (63) ने पिछले महीने पद छोड़ने की घोषणा की थी. उनके बाद नवनिर्वाचित पार्टी नेता एंडी बर्नहैम बकिंघम पैलेस जाएंगे, जहां चार्ल्स उन्हें नयी सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगे. बर्नहैम (56) इसके बाद ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे और बकिंघम पैलेस से 10 डाउनिंग स्ट्रीट लौटकर राष्ट्र के नाम अपना पहला संबोधन देंगे।

न्यूयॉर्क फेडरल बिल्डिंग हमला: पूर्व अमेरिकी सैनिक ने ही लगाई आग; क्या इसके पीछे छिपी है कोई बड़ी आतंकी साजिश?

न्यूयॉर्क , एजेंसी। क्या न्यूयॉर्क की सबसे सुरक्षित इमारतों में से एक पर हमला किसी बड़ी आतंकी साजिश का हिस्सा था? न्यूयार्क में सोमवार की सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब 26 फेडरल प्लाजा स्थित सरकारी इमारत के बाहर एक शख्स ने अंधाधुंध पटाखे चलाए और सीढ़ियों पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इस इमारत में आव्रजन अदालत और एफबीआई कार्यालय समेत कई महत्वपूर्ण सरकारी दफ्तर हैं। एफबीआई के न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस के सहायक निदेशक जेम्स बार्नेकल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान एंड्रयू अराबाका के रूप में हुई है, जो एक पूर्व अमेरिकी सैनिक है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

हमलावर के पास से क्या-क्या मिला और उसका इरादा क्या था : जांच एजेंसियों के मुताबिक, आरोपी एंड्रयू अराबाका बेहद खतरनाक मंसूबों के साथ वहां पहुंचा था। बार्नेकल ने बताया कि वह लोगों को गंभीर रूप से घायल करने के इरादे से हथियारों से लैस होकर आया था। पुलिस ने उसके पास से एक पेलेट गन (एयरसॉफ्ट राइफल), कई चाकू, एक हथौड़ा और एक धारदार हथियार बरामद किया है। उसने इमारत की तरफ एयरसॉफ्ट राइफल से पांच से सात पेलेट भी दागे। शुरुआती जांच के बाद एफबीआई अधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह एक अमेरिका-विरोधी और सरकार-विरोधी चरमपंथी है। उसके पास से इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट विरोधी सामग्री भी मिली है।

वारदात की पांच बड़ी बातें : पूर्व सैनिक का खौफनाक कदमः न्यूयॉर्क की फेडरल बिल्डिंग के बाहर आग लगाने वाला आरोपी एंड्रयू अराबाका पूर्व अमेरिकी सैनिक निकला।

घातक हथियारों का जखीरा: हमलावर के बैग से पेलेट गन, चाकू, हथौड़ा, माचे और ज्वलनशील पदार्थ बरामद किया गया।

सरकार विरोधी मानसिकता: एफबीआई ने आरोपी को पूरी तरह से अमेरिका-विरोधी और सरकार-विरोधी चरमपंथी करार दिया है।

जांबाज सुरक्षाकर्मी ने दबोचा: सीढ़ियों पर आग लगाते ही मुस्तैद सुरक्षाकर्मी ने आरोपी को जमीन पर पटक कर हिरासत में ले लिया।

हाई-प्रोफाइल निशाना: जिस 26 फेडरल प्लाजा इमारत को निशाना बनाया गया, वहां खुद एफबीआई का दफ्तर और इमिग्रेशन कोर्ट स्थित है।

ऐसे दबोचा गया आरोपी : यह घटना सुबह करीब 8:20 बजे की है। गृह सुरक्षा विभाग के अनुसार, आरोपी ने इमारत के प्रवेश द्वार की सीढ़ियों पर गैसोलीन उड़ेलकर आग लगा दी। जैसे ही लपटें उठीं, वहां तैनात एक सुरक्षा अधिकारी ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी को दबोच लिया। इस दौरान एक राहगीर पटाखों की चपेट में आकर आंशिक रूप से झुलस गया, जबकि आरोपी को पकड़ने वाले सुरक्षाकर्मी को भी मामूली चोटें आई हैं। दमकल विभाग ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर है।

ट्रंप की टैरिफ रणनीति ने भारत समेत व्यापारिक साझेदारों के साथ अमेरिका की स्थिति को मजबूत किया : जैमीसन ग्रीर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापक टैरिफ (आयात शुल्क) नीति का बचाव करते हुए कहा है कि इससे दुनिया के कई देशों के साथ व्यापार वार्ता में अमेरिका की स्थिति मजबूत हुई है। उनका दावा है कि इस नीति ने भारत समेत कई प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ समझौते आगे बढ़ाने में मदद की है और अमेरिकी विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र को फिर से मजबूत करने की सरकार की कोशिशों को भी गति मिली है। द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में ग्रीर ने कहा कि टैरिफ नीति के खिलाफ कानूनी चुनौतियां और अर्थशास्त्रियों व कारोबारी संगठनों की आलोचना के बावजूद सरकार की रणनीति सफल साबित हो रही है। जब उनसे पूछा गया कि क्या टैरिफ नीति काम कर रही है, तो उन्होंने कहा, 'बिल्कुल। मुझे लगता है कि हमें बड़ी सफलता मिली है। जब भी आप किसी बड़ी नीति में बदलाव करते हैं और बड़े कारोबारी या विशेष हितों को चुनौती देते हैं, तो विरोध होना तय है। कई लोग पुरानी व्यवस्था बनाए रखना चाहते हैं, लेकिन हम उसे बदलना चाहते हैं।'

ग्रीर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने तेजी से कदम इसलिए उठाए क्योंकि उसका मानना था कि लगातार बढ़ता अमेरिकी व्यापार घाटा देश की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर समस्या बन गया है। उनके अनुसार, व्यापक टैरिफ लगाने से अमेरिका को कई देशों के साथ नए व्यापार समझौतों पर बातचीत करने में फायदा मिला। उन्होंने बताया कि

इस नीति की बदौलत अमेरिका ने ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, इंडोनेशिया, भारत और जापान जैसे देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत आगे बढ़ाई। ग्रीर ने यह भी स्वीकार किया कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के टैरिफ कार्यक्रम के एक बड़े हिस्से को रद्द कर दिया था। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी रणनीति पर कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमारी नीतियों को अदालत में चुनौती मिलना कोई नई बात नहीं है। हमेशा कुछ लोग ऐसे होंगे जो अमेरिकी कामगारों की कीमत पर अपना फायदा कमाना चाहते हैं और अपने पुराने कारोबारी मॉडल को बचाने के लिए मुकदमे करेंगे। ग्रीर के मुताबिक, प्रशासन अब दूसरे कानूनी विकल्पों के जरिए अपनी व्यापार नीति को आगे बढ़ा रहा है और कई दशकों से चली आ रही अमेरिकी व्यापार व्यवस्था में बड़े बदलाव के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, 'आखिरकार हम व्यापार नीति बदलने में सफल हो रहे हैं। व्यापार घाटा कम हो रहा है। कंपनियां फिर से अमेरिका में उत्पादन शुरू कर रही हैं। हम वेतन बढ़ाने में सफल हो रहे हैं। हम इन सभी चीजों में सफल हो रहे हैं। इसलिए मैं अपनी मौजूदा स्थिति और आगे की दिशा से खुश हूं।

अमेरिका ने कनाडा पर लगाया 50% टैरिफ, ट्रेड को लेकर दो पड़ोसियों के बीच बढ़ी टेंशन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सैकड़ों कनाडाई प्रोडक्ट्स पर 50 परसेंट का एक्स्ट्रा टैरिफ लगा दिया है. उन्होंने ओटावा पर ऑटोमोबाइल, अल्कोहलिक ड्रिंक्स और डेयरी प्रोडक्ट्स के अमेरिकन एक्सपोर्ट के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है. इससे नॉर्थ अमेरिका के दो पड़ोसियों के बीच ट्रेड टेंशन और बढ़ गई है.

1930 के टैरिफ एक्ट के सेक्शन 338 को लागू करते हुए ट्रंप ने कुछ खास कनाडाई इंपोर्ट पर नई ड्यूटी लगाने वाले तीन अलग-अलग आदेशों पर साइन किए. व्हाइट हाउस ने कहा कि इस कदम का मकसद कनाडा के अमेरिकी कॉमर्स के साथ भेदभाव वाले बर्ताव से अमेरिकी कॉमर्स पर पड़ने वाले बोझ और नुकसान को कम करना और अमेरिकी एक्सपोर्ट, खासकर कार, शराब और डेयरी प्रोडक्ट के लिए बराबरी के मौके बनाना है. व्हाइट हाउस के मुताबिक टैरिफ साइन करने के 30 दिन बाद लागू होंगे और इस बात पर ध्यान दिए बिना लागू होंगे कि सामान अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट के तहत खास ट्रीटमेंट के लिए क्वालिफाई करता है या नहीं. इन उपायों में एनर्जी, पोटाश, पहले से सेक्शन 232 टैरिफ के तहत आने वाले प्रोडक्ट, मछली, जरूरी मिनरल और कुछ दूसरी खास चीज़ें शामिल नहीं होंगी.

एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि नए टैरिफ कनाडा के कई तरह के इंपोर्ट को कवर करते हैं, जिसमें वाइन और हॉकी स्टिक से लेकर सीमेंट और कंज्यूमर गुड्स तक के प्रोडक्ट शामिल हैं. साथ में दिए गए एनेक्स में सैकड़ों टैरिफ क्लासिफिकेशन की लिस्ट है जिन पर एक्स्ट्रा 50 परसेंट ड्यूटी लगेगी. व्हाइट हाउस ने कहा कि कनाडा ने ऐसी पॉलिसी बनाए रखीं जो अमेरिकी एक्सपोर्टर्स के साथ भेदभाव करती थी, जबकि दूसरे ट्रेडिंग पार्टनर्स को ज़्यादा अच्छा बर्ताव देती थी.

इसमें कहा गया कि कनाडा ने अमेरिकी मोटर गाड़ियों पर टैरिफ और कोटा रिस्ट्रिक्शन लगाए जो दूसरे देशों से इंपोर्ट पर लागू नहीं होते थे और कोटा इस तरह से मैनेज किया जिससे अमेरिकी मैन्युफैक्चरर्स को अमेरिका में फैसिलिटी बढ़ाने के बजाय कनाडाई प्रोडक्शन में इन्वेस्ट करने के लिए बढ़ावा मिला. व्हाइट हाउस ने एक फैक्ट शीट में कहा कि अप्रैल 2025 और मार्च 2026 के बीच पिछले साल इसी समय की तुलना में कनाडा में अमेरिकी मोटर गाड़ियों का इम्पोर्ट लगभग 22 प्रतिशत या 5.6 बिलियन डॉलर कम हो गया, जबकि दूसरे देशों से इम्पोर्ट बढ़कर अमेरिकी एक्सपोर्ट की जगह ले लिया.

व्हाइट हाउस ने अमेरिकी अल्कोहलिक ड्रिंक्स पर लगी पाबंदियों का भी ज़िक्र किया, और कहा कि दो कनाडाई प्रांतों और इलाकों को छोड़कर बाकी सभी ने अमेरिकी अल्कोहल की खरीद, डिस्ट्रीब्यूशन या रिटेल बिक्री रोक दी है, जबकि दूसरे देशों के प्रोडक्ट्स की पहुँच बनाए रखी है. इसने कहा कि मार्च 2025-फरवरी 2026 के समय के दौरान पिछले साल की तुलना में कनाडा में अमेरिकी अल्कोहलिक ड्रिंक्स का इम्पोर्ट लगभग 81 प्रतिशत या 582 मिलियन डॉलर कम हो गया. डेयरी पर एडमिनिस्ट्रेशन ने तर्क दिया कि यूएसएमसीए के तहत चीज के लिए कनाडा का टैरिफ-रेट कोटा सिस्टम, कनाडा-यूरोपियन यूनियन कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट के तहत यूरोपियन यूनियन के समान इंपोर्ट पर लागू कोटा सिस्टम से ज़्यादा रोक लगाने वाला था, जिससे अमेरिकी एक्सपोर्टर कॉम्पिटिटिव रूप से नुकसान में थे. व्हाइट हाउस ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में सिर्फ दो देशों, चीन और कनाडा ने वॉशिंगटन के साथ ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत करने के बजाय ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का विकल्प चुना था. इसने कहा कि एडमिनिस्ट्रेशन ने 18 ट्रेड डील हासिल की, जिससे अमेरिकी एक्सपोर्ट के लिए नए मार्केट खुले, लेकिन तर्क दिया कि कनाडा ने कनाडाई ट्रेड बैरियर को दूर करने के बजाय अमेरिका के खिलाफ भेदभाव करने का विकल्प चुना.' लेटेस्ट टैरिफ ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन के अपने अमेरिका फर्स्ट इकोनॉमिक एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए ट्रेड उपायों के इस्तेमाल में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)